नई दिल्ली । शुक्रवार , 17 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :101 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक

नई दिल्ली संस्करण

# विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari

आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल साइप्रस स्थित भारतीय उच्चायोग ने वैशाली ...
@ विचार लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम...
@ व्यापार कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद...

# ‘नारी शक्ति की नई उड़ान- संसद में आरक्षण बिल पेश’

**एजेंसी ■ नई दिल्ली**

संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में एक अहम विधायी मुकाबला देखने को मिल रहा है। सदन में मौजूद 333 सांसदों में से 207 ने विधेयक पेश करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि 126 सांसदों ने इसका विरोध किया। इसके साथ ही सदन में उच्च दांव का राजनीतिक टकराव शुरू हो गया है।

संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार, किसी भी संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुमत के साथ-साथ उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। विधेयक दोनों सदनों से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाता है।

वर्तमान में लोकसभा की प्रभावी सदस्य संख्या 540 है, क्योंकि तीन सीटें रिक्त हैं। ऐसे में यदि सभी सदस्य मतदान में भाग लेते हैं, तो विधेयक पारित करने के लिए कम से कम 360 मतों की आवश्यकता होगी।

सत्ता पक्ष राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास लोकसभा में करीब 292 सीटें हैं, जिससे उसे साधारण बहुमत तो प्राप्त है, लेकिन दो-तिहाई बहुमत के लिए उसे अन्य दलों का समर्थन जुटाना होगा। वहीं विपक्षी इंडिया गठबंधन और उसके सहयोगियों के पास लगभग 229 सीटें हैं, जबकि अन्य दलों के पास 12 सीटें हैं। इसके अलावा सात निर्दलीय सांसद भी सदन में मौजूद हैं। एनडीए में प्रमुख पार्टी भाजपा के पास 240 सीटें हैं, जबकि टीडीपी के 16 और जदयू के 12 सांसद हैं। विपक्षी खेमे में कांग्रेस के 98, समाजवादी पार्टी के 37, टीएमसी के 28 और डीएमके के 22 सांसद हैं। अन्य दलों में वाईएसआरसीपी, आम आदमी पार्टी और एआईएमआईएम शामिल हैं।

यह पूरा अंकगणित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, जम्मू-कश्मीर कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 पर होने वाले मतदान को बेहद अहम बना देता है।

प्रस्तावित विधेयक के तहत लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है। इसे 33 प्रतिशत महिला आरक्षण कानून को लागू ह्य से जोड़ा गया है। हालांकि महिला आरक्षण कानून 2023 में पारित हो चुका है, लेकिन परिसीमन की प्रक्रिया लंबित होने के कारण इसे अभी लागू नहीं किया गया है।

सरकार का उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले इन प्रावधानों को लागू करना है। वहीं जम्मू-कश्मीर कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी की विधानसभाओं के लिए प्रतिनिधित्व को स्पष्ट करने का प्रयास करता है।

## सभी दलों से मांगा समर्थन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महिलाओं के लिए आरक्षण बिल पर चर्चा को ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की ज्यादा भागीदारी से देश को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस बिल का एकमत से समर्थन करें, ताकि संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिल सके और इसमें अब और देरी न हो।

पीएम मोदी ने देश की ‘नारी शक्ति’ को सलाम करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जो लोग इसका विरोध करेंगे, उन्हें इसके नकारात्मक परिणाम झेलने पड़ सकते हैं।

उन्होंने विपक्ष पर इशारा करते हुए कहा कि कई सांसद निजी तौर पर इस बिल का समर्थन करते हैं, लेकिन जो लोग इसका विरोध करेंगे, उन्हें देश की आधी आबादी कभी माफ नहीं करेगी। विपक्ष इस मुद्दे को राजनीति से जोड़कर न देखे, क्योंकि यह सभी के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है।उन्होंने कहा कि जो लोग राजनीति में आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि महिलाएं अब जमीनी स्तर पर नेतृत्व कर रही हैं और राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका लगातार बढ़ेगी।

उनकी मांगों को अब और टाला नहीं जा सकता। पेज नं -2

## परिसीमन से दक्षिणी राज्यों की बढ़ेगी ताकत, भ्रांति नहीं फैलानी चाहिए : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन को लेकर जारी बहस के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के आरोपों का विस्तृत जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने यह स्पष्ट किया कि परिसीमन के बाद दक्षिण भारत के राज्यों की राजनीतिक ताकत घटेगी नहीं, बल्कि और मजबूत होगी। साथ ही, विपक्ष को यह नसीहत दी कि भ्रांति नहीं फैलानी चाहिए। संसद में सदस्यों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश की वर्तमान 25 सीटें, जो अभी 4.60 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देती हैं, बढ़कर 38 सीटें हो जाएंगी और उनकी हिस्सेदारी 4.65 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इसी तरह तेलंगाना की 17 सीटें, जिनकी मौजूदा क्षमता 3.13 प्रतिशत है, बढ़कर 26 हो जाएंगी और 3.18 प्रतिशत हो जाएंगी। केरल की 20 सीटें, जो अभी 3.68 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देती हैं, बढ़कर 30 हो जाएंगी। पेज नं -2

## यह विषय आधी आबादी से जुड़ा है : प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल को लेकर गुरुवार को कहा कि यह विषय आधी आबादी से जुड़ा है। लेकिन, सरकार इन विधेयकों की आड़ में ओबीसी समाज के साथ धोखाधड़ी कर रही है। हम इसका विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अपने भाषण में इस बिल को रोके जाने का जिक्र किया। इसकी शुरुआत नेहरू नाम के व्यक्ति ने की थी। हालांकि, यह वो नेहरू नहीं हैं, जिनसे आप इतना कतराते हैं। यह उनके पिता मोतीलाल नेहरू थे, जिन्होंने 1928 में एक रिपोर्ट तैयार की थी। इसे उन्होंने कांग्रेस पार्टी की समिति को दिया था। वे समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने 19 मूल अधिकारियों की समिति बनाई थी। 1931 में कराची में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था, जहां इसे पारित किया गया था और वहीं से महिलाओं के समान अधिकार की शुरुआत हुई। उसी समय ‘वन वोट, वन सिटीजन, वन वैल्यू’ का सिद्धांत भी हमारी राजनीति में स्थापित हुआ। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस सिद्धांत के कारण हमारे देश की महिलाओं को वोट देने का अधिकार आजादी के पहले दिन से मिला। अमेरिकी महिलाओं को इस अधिकार के लिए डेढ़ सौ साल इंतजार करना पड़ा। पेज नं -2

## सम्राट चौधरी बिहार को विकास की नई राह दिखाएंगे - निशांत कुमार

**एजेंसी ■ पटना**

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र और जीडीयू नेता निशांत कुमार ने पूरे 24 घंटे बाद बिहार के मुख्यमंत्री बनने पर सम्राट चौधरी को बधाई दी है।

दरअसल, 16 अप्रैल को निशांत कुमार जेडीयू के दफ्तर पहुंचे और मीडिया ने बातचीत की। इस दौरान निशांत कुमार ने बिहार के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अपना ‘बड़ा भाई’ बताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। निशांत ने कहा, ‘सम्राट चौधरी मेरे बड़े भाई हैं। उन्हें बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

विजय चौधरी जो उपमुख्यमंत्री बने हैं, उन्हें भी बहुत बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि सम्राट चौधरी बिहार को विकास की नई राह दिखाएंगे। उनके नेतृत्व में एनडीए की सरकार काम करेगी। मेरे पिता, नीतीश कुमार का उन्हें मार्गदर्शन रहेगा।

## प्रधानमंत्री मोदी को ‘मित्र’ मैक्रों ने किया फोन, पश्चिम एशिया के हालात और होमुर्ज पर की बात

**एजेंसी ■ नई दिल्ली**

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फोन किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। बातचीत का अहम मुद्दा होर्मुज की सुरक्षा और नेविगेशन की आजादी था।

पीएम मोदी ने लिखा, ‘मेरे प्यारे मित्र राष्ट्रपति मैक्रों का फोन आया। हमने पश्चिम एशिया के हालात पर बात की और होर्मुज स्ट्रेट में तुरंत सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही बहाल करने की जरूरत पर सहमति जताई।’ प्रधानमंत्री के अनुसार तनाव पूर्ण क्षेत्र में शांति और स्थिरता के साथ दोनों मिलकर आगे बढ़ने को तत्पर हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच दूसरी बार पीएम मोदी से राष्ट्रपति मैक्रों ने फोन पर बात की। इससे पहले 19 मार्च को भी दोनों में बातचीत हुई थी। इस दौरान दोनों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि मौजूदा हालात में तनाव कम करने के लिए तुरंत संवाद और कूटनीति की जरूरत है। भरोसा दिलाया था कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत और फ्रांस मिलकर काम करेंगे।

इसके बाद पीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा, ‘मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पश्चिम एशिया की स्थिति पर बातचीत हुई। हमने तनाव कम करने की जरूरत और संवाद व कूटनीति की ओर लौटने पर जोर दिया। क्षेत्र और उससे आगे शांति और स्थिरता के लिए हम तालमेल जारी रखेंगे।’

ईरान-यूएस के बीच अस्थाई संघर्ष की घोषणा होने के बाद पहली बार दोनों ने फोन पर बात की।

14 अप्रैल को ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पीएम मोदी को फोन किया था। इस दौरान दोनों के बीच 40 मिनट तक बात हुई थी। प्रधानमंत्री ने बताया था कि हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और ‘होर्मुज जलडमरूमध्य’ को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर भी जोर दिया।

## लोन फ्रॉड केस: अनिल अंबानी के पूर्व सहयोगी 5 दिन ईडी की हिरासत में

**एजेंसी ■ नई दिल्ली**

दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को उद्योगपति अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बापना को मनी लॉन्ड्रिंग जांच के मामले में 5 दिन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट में पीएमएलए के विशेष जज ने ईडी की कस्टोडियल पूछताछ की मांग को मंजूरी दी। हालांकि एजेंसी ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन अदालत ने 5 दिन की हिरासत दी।

सूत्रों के अनुसार, झुनझुनवाला और बापना, जो अनिल अंबानी के करीबी माने जाते हैं, को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच में गिरफ्तार किया है। यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामलों के आधार पर शुरू हुई है। यह मामला रिलायंस ग्रुप की कंपनियों रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) में कथित वित्तीय गड़बड़ियों से जुड़ा है। पेज नं -2

## लेबनान-इजरायल के बीच युद्धविराम

**एजेंसी ■ तेहरान**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेबनान और इजरायल के बीच दस दिनों के युद्धविराम पर सहमति का दावा किया। ट्रंप ने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत की। ट्रंप ने कहा, दुनिया भर में नौ युद्धों को सुलझाना मेरे लिए एक सम्मान की बात रही है। यह मेरा 10वां प्रयास है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत के बाद संघर्षविराम और स्थायी शांति की दिशा में बड़ी पहल का दावा किया है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच दस दिनों के युद्धविराम

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया ऐलान

पर सहमति बनी है। ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन में हुई हालिया बैठकों के बाद शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि संघर्षविराम स्थायी शांति की दिशा में बड़ा कदम है।ट्रंप ने कहा कि सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर बताया, अभी-अभी मेरी लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ बहुत ही बेहतरीन बातचीत हुई। इन दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई है कि अपने देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए वे ईएसटी समय के अनुसार शाम पांच बजे से औपचारिक रूप से दस दिनों के सीजफायर (युद्धविराम) की शुरुआत करेंगे।

ट्रंप ने पोस्ट में कहा, 34 वर्षों में पहली बार, इन दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने यहां वाशिंगटन डीसी में हमारे महान विदेश मंत्री, मार्को रुबियो के साथ मुलाकात की। मैंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री रुबियो को जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन रेजिन केन के साथ मिलकर, इजरायल और लेबनान के साथ काम करते हुए एक स्थायी शांति स्थापित करने का निर्देश दिया है। दुनिया भर में नौ युद्धों को सुलझाना मेरे लिए एक सम्मान की बात रही है, और यह मेरा 10वां प्रयास होगा। तो चलिए, इसे पूरा करके दिखाते हैं।

उन्होंने पोस्ट में आगे कहा, मैं इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन को व्हाइट हाउस में आमंत्रित करूंगा। यह 1983 के बाद से इजरायल और लेबनान के बीच पहली सार्थक बातचीत होगी। दोनों पक्ष शांति चाहते हैं, और मेरा मानना है कि ऐसा होगा और वह भी बहुत जल्द।

## लश्कर का फाउंडर और हाफिज सईद का खास अमीर हमजा ढेर

**एजेंसी ■ लाहौर**

पाकिस्तान में एक बार फिर अज्ञात हमलावरों ने अपनी मौजूदगी से दहशत फैला दी है। नजारा कुछ-कुछ वैसा ही था जैसा हमने फिल्मों में देखा है, सटीक निशाना और पलक झपकते ही काम तमाम। इस बार बंदूकधारियों की हिटलिस्ट में भारत का एक पुराना और खूंखार दुश्मन अमीर हमजा था।

**बीच सड़क पर घेराबंदी, फिर ताबड़तोड़ फायरिंग**

बता दें कि लाहौर की सड़कों पर एक न्यूज़ चैनल के दफ्तर के बाहर अमीर हमजा को घेरकर हमलावरों ने फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने जिस सफाई और सूझबूझ से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, उसने पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। हमजा बुरी तरह जख्मी हुआ और फिलहाल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। वह अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है और बचने की उम्मीद बेहद कम है।

**कौन है अमीर हमजा ? क्यों था ये निशाने पर ?**

अमीर हमजा कोई मामूली नाम नहीं है। इसे लश्कर-ए-तोयबा का ‘रणनीतिक दिमाग’ माना जाता है। यह उन शुरुआती लोगों में से एक था, जिसने हाफिज सईद के साथ मिलकर लश्कर-ए-तोयबा को खड़ा किया।

# वित्तीय निगरानी बढ़ाने और मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने के लिए एफआईयू-इंडिया, सेबी और पीएफआरडीए के बीच हुआ समझौता

**नई दिल्ली।** मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय अपराधों पर रोक लगाने के लिए फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट-इंडिया (एफआईयू-आईएनडी) ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के साथ दो अलग-अलग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय के अनुसार, इन समझौतों का उद्देश्य वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख नियामकों के बीच बेहतर सूचना साझा करने और आपसी समन्वय को मजबूत करना है ताकि मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे अपराधों से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके।

इन एमओयू के तहत, सभी एजेंसियां अपने-अपने डेटाबेस से जरूरी जानकारी और खुफिया इनपुट साझा करेंगी। साथ ही, रेगुलेटेड संस्थाओं द्वारा एफआईयू-इंडिया को रिपोर्टिंग के लिए एक तय प्रक्रिया विकसित की जाएगी, जो प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएल) नियमों के अनुसार होगी।

इस सहयोग के तहत विदेशी वित्तीय खुफिया इकाइयों के साथ भी जानकारी साझा की जाएगी, जो एगमोंट सूचना विनिमय सिद्धांत के अनुरूप होगा।

सेबी और पीएफआरडीए, एफआईयू-इंडिया के साथ मिलकर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे, जिससे रेगुलेटेड संस्थाओं में एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग (एएमएल) और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने (सीएफटी) की क्षमता को मजबूत किया जा सके।

सरकार के अनुसार, इस सहयोग में वित्तीय सेक्टर के अलग-अलग हिस्सों में जोखिम का आकलन, संदिग्ध लेनदेन की पहचान के लिए रेड-फ्लैग संकेतकों को साझा करना और धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत नियमों के पालन को और सख्त करना शामिल है।

इन समझौतों के तहत नोडल अधिकारियों के जरिए नियमित समन्वय किया जाएगा और हर तिमाही बैठकें होंगी, जिनमें जरूरी जानकारी साझा की जाएगी और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

यह समझौता एफआईयू-इंडिया के निदेशक अमित मोहन गोविल, सेबी के पूर्णकालिक सदस्य संदीप प्रधान और पीएफआरडीए के पूर्णकालिक सदस्य रणदीप सिंह जगपाल के बीच हुआ। पीएफआरडीए के चेयरमैन शिवसुब्रमण्यम रमण की मौजूदगी में यह समझौता संपन्न हुआ। एफआईयू-इंडिया देश की प्रमुख एजेंसी है जो संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से जुड़ी जानकारी को एकत्र, विश्लेषण और साझा करती है।

# 2001 के भूकंप के बाद कच्छ बना विकसित और समृद्ध क्षेत्रः सीएम भूपेंद्र पटेल

**भुज ।** गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को कहा कि 2001 के भूकंप के बाद कच्छ जिला एक विकसित और समृद्ध क्षेत्र के रूप में उभरा है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और स्थानीय लोगों के लगातार प्रयासों को दिया। यह बात उन्होंने स्थानीय निकाय चुनाव से पहले आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कही।

सीएम ने 'विकास संकल्प सभा' कार्यक्रमों में कहा, ''2001 के भूकंप के बाद जब कच्छ का पुनर्निर्माण मुश्किल लग रहा था, आज वही कच्छ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और नेतृत्व तथा कच्छ के लोगों की कड़ी मेहनत से एक जीवंत क्षेत्र बन गया है।

उन्होंने कहा कि जिले का विकास बिना किसी रुकावट के लगातार जारी है।

शासन और नेतृत्व पर जोर देते हुए पटेल ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं, वही करते हैं, इसलिए उन पर जनता का भरोसा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री 'छोटा नहीं सोचते,' और इसी सोच के कारण कच्छ के घर-घर तक नर्मदा का पानी पहुंचाने जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर विकास संभव हो पाए हैं।

पर्यटन के विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''व्हाइट रण और धोर्डो आज वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमक रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में जी-20 जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजन का होना गर्व की बात है।

कल्याणकारी और शिक्षा योजनाओं का जिक्र करते हुए पटेल ने 'नमो लक्ष्मी' और 'नमो सरस्वती' जैसी योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भी गुजरात का विकास नहीं रुका।

उन्होंने कहा, ''कोविड जैसी वैश्विक महामारी के दौरान भी गुजरात का विकास नहीं रुका और आगे भी नहीं रुकेगा।

उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड योजना के जरिए गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को मुफ्त इलाज मिल रहा है।

आर्थिक विकास पर बात करते हुए पटेल ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की संख्या 2001 में 1.83 लाख से बढ़कर अब 27 लाख से ज्यादा हो गई है, जिसका श्रेय 'वाइब्रेंट गुजरात' जैसी पहल को जाता है।उन्होंने 'कैच द रेन' अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल बचत के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं, और छोटे-छोटे प्रयासों से स्वच्छता में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ झूठे नारे लगाने से कुछ नहीं होता, सही योजना और उसके क्रियान्वयन की जरूरत होती है।

# महारानी की छतरियांः राजपूत वंश की महिलाओं को समर्पित, इतिहास और सुंदरता का अनूठा संगम

**नई दिल्ली।** राजस्थान का जयपुर, यानी पिंक सिटी, अपने नाम की तरह ही अनोखा है। यह स्थल सिर्फ सुंदरता का ही संगम नहीं है, बल्कि जयपुर की राजपूताना इतिहास को खुद में समेटे हुए है। आज हम आपके लिए ऐसे पर्यटक स्थल की जानकारी लेकर आए हैं, जो खास तौर पर राजपूत वंश से जुड़ी महिलाओं को समर्पित है।

जयपुर के शंकर नगर के पास महारानी की छतरियां नाम की जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। यहां पर्यटक कम ही संख्या में आते हैं, लेकिन यह इतिहास और सुंदरता का अनूठा संगम है।

महारानी की छतरियां उस स्थान को कहते हैं, जहां उनके स्मारक स्थल बने हुए हैं। यह छतरियां कछुवाहा राजपूत वंश की महिलाओं को समर्पित है। यहां कई स्मारक स्थल बने हुए हैं।जयपुर की बाकी छतरियों से अलग, महारानी की छतरियां बेहद अलग हैं। बाकी जगहों पर मिश्रित या सिर्फ पुरुषों की छतरियों का निर्माण किया गया। लेकिन, ये छतरियां राजपूत वंश से जुड़ी महिलाओं को समर्पित हैं। यहां पर्यटकों को महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय की तीनों पत्नियों, महारानी मरुधर कंवर, महारानी किशोर कंवर और तीसरी पत्नी महारानी गायत्री देवी की छतरियां देखने को मिल जाएंगी।

छतरियों का निर्माण भी महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय ने कराया था। इसके साथ ही इसी कुल की अन्य महिलाओं और रानियों की छतरियां भी यहीं बनाई गई हैं। यहां बारीक और शानदार नक्काशी के साथ कई गुबंद देखने को मिल जाएंगे। गुंबद चार स्तंभों पर टिका है, जिस पर कई वाद्य यंत्रों को बारीकी से उकेरा गया है। स्तभों पर सारंगी, ढोलक और मंजीरों के चित्र बने हैं, जो राजपूत वंश के संगीत प्रेम को दिखाते हैं।

गुंबद को ओहदे के अनुसार शुद्ध सफेद संगमरमर या फिर स्थानीय पत्थरों से बनाया गया है। वंश की महारानी की छतरियों का निर्माण संगमरमर से किया गया है, जबकि कुछ के स्मारक स्थल स्थानीय पत्थर से तैयार किए गए हैं। स्थानीय मान्यता की मानें तो स्मारक का गुंबद तभी पूरा होता है, जब रानी की मौत राजा से पहले हो जाती है। जिनकी मौत राजा के बाद हुई, उनके गुंबद आज भी अधूरे हैं। महारानी की छतरियां देखने के लिए किसी भी समय जा सकते हैं।

यह हर समय खुला रहता है और स्मारक स्थल की एंट्री फीस मात्र 30 रुपए है। यहां परिवार के साथ घूमने जाया जा सकता है।

# सीआरपीएफ की 72वीं बटालियन ने किया 'नशा मुक्ति अभियान' का आयोजन, युवाओं को जागरूक करने पर जोर

**राजौरी ।** जम्मू-कश्मीर के नौशेरा क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 72वीं बटालियन ने 'नागरिक कार्य कार्यक्रम 2025-26' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण 'नशा मुक्ति अभियान' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नौशेरा स्थित 'क्राइस्ट हाई स्कूल' में आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं और स्थानीय नागरिकों को नशीले पदार्थों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना और एक नशामुक्त समाज की दिशा में प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन 72वीं बटालियन के कमांडेंट जितेंद्र सिंह यादव के मार्गदर्शन में सेकंड कमांडेंट नीरज कुमार सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर 72वीं बटालियन के डिप्टी कमांडेंट कपिल देव, असिस्टेंट कमांडेंट तेजा राम चौधरी, अन्य अधीनस्थ अधिकारी तथा जवान भी मौजूद रहे। स्कूल के प्रिंसिपल सुजीत मैथ्यू, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न विभागों के अधिकारी और आम नागरिकों ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों और बच्चों को सम्मानित किया गया। नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संदेश को मजबूत करने के लिए प्रतिभागियों को निकोटीन गम, ओआरएस, टी-शर्ट, टोपी, टॉफी, चॉकलेट और जागरूकता संबंधी पर्चे वितरित किए गए।

मीडिया को संबोधित करते हुए सेकंड कमांडेंट नीरज कुमार सिंह ने कहा, 'सीआरपीएफ केवल आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं निभाती, बल्कि सामाजिक विकास और जन-कल्याण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। नशा मुक्ति अभियान ऐसे ही प्रयासों का हिस्सा है।

हमारा लक्ष्य युवाओं को नशे की लत से बचाना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहें और अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएं। उन्होंने सभी उपस्थित नागरिकों और स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और कहा कि सीआरपीएफ भविष्य में भी ऐसे जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेगी।स्थानीय नागरिकों ने सीआरपीएफ की इस पहल की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान युवाओं के लिए बेहद उपयोगी हैं ।

और भविष्य में भी सीआरपीएफ द्वारा ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।


शेष पेज - 01


## 'नारी शक्ति को नई उड़ान संसद में आरक्षण बिल पेश'...

परिसीमन विधेयक, 2026 के जरिए जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं फिर से निर्धारित की जाएंगी। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी, जबकि 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण टल गई थी।विपक्ष ने परिसीमन को संघीय ढांचे पर हमला बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया है। खासतौर पर तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों ने आशंका जताई है कि इससे उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे हिंदीभाषी राज्यों को अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही अपने-अपने स्तर पर सदन में रणनीति बनाने में जुटे हैं।

## परिसीमन से दक्षिणी राज्यों की बढ़ेगी ताकत, भ्रांति नहीं फैलानी चाहिए : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह...

और लगभग 3.67 प्रतिशत बनी रहेंगी, जबकि कर्नाटक की 28 सीटें 5.15 प्रतिशत से बढ़कर 42 सीटें हो जाएंगी और 5.14 प्रतिशत के आसपास रहेंगी।

तमिलनाडु को लेकर अमित शाह ने कहा कि वहां की 39 सीटें, जिनकी वर्तमान क्षमता 7.18 प्रतिशत है, बढ़कर 59 हो जाएंगी और उनकी हिस्सेदारी 7.23 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जिससे राज्य को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत को लेकर जो नैरेटिव फैलाया जा रहा है, वह पूरी तरह भ्रामक है, क्योंकि वर्तमान में 543 सदस्यीय लोकसभा में दक्षिण के 129 सांसद हैं, जो 23.76 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं, जबकि परिसीमन के बाद यह संख्या बढ़कर 195 हो जाएगी और हिस्सेदारी 23.87 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, यानी स्पष्ट रूप से दक्षिण की शक्ति में वृद्धि होगी।

गृह मंत्री ने अपने बयान में यह भी कहा कि मोदी कैबिनेट ने जाति जनगणना कराने का निर्णय ले लिया है और वर्तमान में जो जनगणना प्रक्रिया चल रही है, वह इसी आधार पर हो रही है, इसलिए इस मुद्दे पर किसी तरह का भ्रम फैलाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि परिसीमन आयोग से संबंधित कानून पहले की तरह ही है और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रक्रिया का मौजूदा चुनावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

## यह विषय आधी आबादी से जुड़ा है : प्रियंका...

उन्होंने कहा कि हमारे देश की राजनीतिक व्यवस्था में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना भी दुनिया में एक अनोखा कदम था। पंचायतों और नगरपालिकाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी कांग्रेस ने राजीव गांधी की अध्यक्षता में सदन में पेश किया था, लेकिन यह पारित नहीं हो पाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में इसका जिक्र तो किया, लेकिन आधी बात ही बोली। उन्होंने कहा कि विरोध हुआ, लेकिन किसने किया, यह नहीं बताया। विरोध करने वाले आप ही लोग थे। कुछ साल बाद पी.वी. नरसिम्हा राव के नेतृत्व में कांग्रेस ने इस अधिनियम को पारित किया। आज अपने भाषण में जब पीएम मोदी ने पंचायत की आंदोलित महिलाओं का जिक्र किया, तो यह समझ लीजिए कि इस कदम के चलते ही 40 लाख पंचायत प्रतिनिधियों में से 15 लाख महिलाएं लोकतंत्र में भागीदारी कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि साल 2010 में मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण देने की फिर से कोशिश की। राज्यसभा में इसे पारित भी कराया गया, लेकिन लोकसभा में आम सहमति नहीं बन पाई। 2018 में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिखा और उसमें कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण 2019 तक लागू होना चाहिए। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री सदन में राहुल गांधी का मजाक बना लेते हैं, लेकिन घर जाकर उनकी बातों पर गौर जरूर करते हैं, क्योंकि आज हम उसी पर चर्चा कर रहे हैं। आज पीएम मोदी की बातों से लगा कि भाजपा ही महिला आरक्षण की चैंपियन, प्रस्तावक, और सबसे बड़ी समर्थक रही है, जबकि वे कह रहे थे कि उन्हें श्रेय नहीं चाहिए। कोई भी महिला आपको बता देगी कि बार-बार बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं पहचान लेती हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि साल 2023 में राहुल गांधी का पत्र पढ़ने के कुछ साल बाद पीएम मोदी की सरकार ने इस अधिनियम को सर्वसम्मति से पारित किया, तब कांग्रेस ने इसका पूरा समर्थन किया। आज भी इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए कि कांग्रेस महिला आरक्षण के पक्ष में डटकर खड़ी है, लेकिन सच्चाई यह है कि आज की चर्चा महिला आरक्षण पर नहीं है। जो विधेयक सरकार ने पेश किया है, उसे हमने पढ़ा है और उससे पूरी चर्चा बदल गई है। इसमें लिखा है कि महिला आरक्षण 2029 तक लागू होना चाहिए। हम सहमत हैं। आगे कहा गया है कि इसे लागू करने के लिए लोकसभा में सदस्यों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ानी होगी। मतलब सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 850 तक हो जाएगी। इसके लिए परिसीमन आयोग बनाया जाएगा, जो 2011 की जनगणना को आधार बनाकर यह काम करेगा। इसमें कोई आपत्तिजनक बात नहीं लगती, लेकिन गहराई से समझने पर इसका असली मकसद सामने आता है।

इसमें पूरी तरह से राजनीति घुली हुई है। इसी सरकार ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित कराया था। उसमें दो बातें थीं, जो इस विधेयक में नहीं हैं। उसमें कहा गया था कि इसे लागू करने से पहले नई जनगणना और परिसीमन कराया जाएगा। अब अचानक क्या हो गया?

उन्होंने सवाल उठाया कि अब सरकार पुराने आंकड़ों पर आगे क्यों बढ़ना चाहती है? यह सच्चाई है कि प्रतिनिधित्व का सवाल जनसंख्या से जुड़ा हुआ है। जब तक जातीय जनगणना नहीं होती, तब तक सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल सकेगा। यह अनिवार्य है।

सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर आगे बढ़ना चाहती है, क्योंकि उसमें ओबीसी वर्ग की जनसंख्या का आंकड़ा नहीं है। आज प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ग और उस वर्ग के बारे में हम बाद में देखेंगे। यह कौन सा वर्ग है? क्या ओबीसी वर्ग की बात हो रही थी? इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसे तकनीकी मुद्दा बताकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। हम कह रहे हैं कि इन्हें भी अपना हक मिलना चाहिए। पीएम मोदी किस बात से घबरा रहे हैं? क्या इस बात से कि नई जनगणना में ओबीसी वर्ग के असली आंकड़े सामने आएंगे और पता चलेगा कि यह वर्ग कितना बड़ा और मजबूत है? फिर उसके हक को कोई नकार नहीं पाएगा।

## लोन फ्रॉड केसः अनिल अंबानी के पूर्व सहयोगी 5 दिन ईडी की हिरासत में ...

झुनझुनवाला पहले रिलायंस ग्रुप के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर रह चुके हैं और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड में वाइस चेयरमैन और डायरेक्टर भी थे। सूत्रों के अनुसार, उस दौरान आरएचएफएल और आरसीएफएल के कामकाज में उनकी अहम भूमिका थी।

वहीं, बापना रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और आरएचएफएल के डायरेक्टर रह चुके हैं और उन पर भी वित्तीय फैसलों में शामिल होने का आरोप है।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने दोनों को कथित तौर पर बैंक लोन के पैसे के दुरुपयोग और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल पाए जाने के बाद गिरफ्तार किया।

इससे पहले इसी महीने सीबीआई ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसमें आरोप है कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 3,750 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

सीबीआई के अनुसार, एलआईसी को कंपनी की वित्तीय स्थिति और निवेश सुरक्षा को लेकर गलत जानकारी देकर 4,500 करोड़ रुपए के निवेश के लिए प्रेरित किया गया था।

एजेंसी रिलायंस ग्रुप से जुड़े अन्य बैंक फ्रॉड मामलों की भी जांच कर रही है, जिसमें एसबीआई से जुड़े करीब 2,929.05 करोड़ रुपए के कथित घोटाले का मामला भी शामिल है।

इस मामले में पहले अनिल अंबानी से भी पूछताछ की जा चुकी है।

इस बीच, रिलायंस ग्रुप ने बयान जारी कर कहा कि झुनझुनवाला और बापना अब कंपनी के साथ जुड़े नहीं हैं और फिलहाल समूह की किसी भी कंपनी में काम नहीं कर रहे हैं।

कंपनी के अनुसार, झुनझुनवाला ने दिसंबर 2019 में और बापना ने सितंबर 2019 में समूह छोड़ दिया था और अब उनका रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड सहित किसी भी कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

## लश्कर का फाउंडर और हाफिज सईद का खास अमीर हमजा ढेर...

इसे संगठन का मुख्य विचारक माना जाता था, जो युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें आतंक की राह पर धकेलता था। इसकी अहमियत का अंदाजा इसी से लगा लीजिए कि अमेरिका ने इसे 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित कर रखा है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान के भीतर भारत के कई दुश्मनों का रहस्यमयी तरीके से खात्मा हुआ है। अमीर हमजा पर हुए इस हमले ने उन चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है कि क्या पड़ोसी मुल्क में छिपे बैठे आतंकियों का 'सफाई अभियान' अब अपने अगले चरण में पहुँच चुका है? हमजा को संभलने तक का मौका नहीं मिला, और अब उसकी नाजुक हालत पाकिस्तान के सुरक्षित पनाहगाहों के दावों पर सवालिया निशान लगा रही है।

# छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने जनगणना 2027 के लिए 'ऑनलाइन स्व-गणना' अभियान का किया शुभारंभ

## डिजिटल जनगणना 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' के संकल्प को साकार करने का बनेगी आधार

### प्रदेश के नागरिक 16 से 30 अप्रैल तक 'स्व-गणना' पोर्टल के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे अपनी जानकारी

**रायपुर।** 16वीं राष्ट्रीय जनगणना के सफल निष्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज मुख्यमंत्री निवास में जनगणना 2027 के 'ऑनलाइन स्व-गणना' चरण का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। केंद्रीय पोर्टल पर अपने परिवार का विवरण दर्ज कर, नेताओं ने केंद्र सरकार के कागज रहित, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी संचालित जनगणना के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। यह राज्य-स्तरीय शुभारंभ गृह मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय रोलआउट के अनुरूप है, जो इस दशक में होने वाले अभ्यास को अधिक सटीक और नागरिक-केंद्रित प्रक्रिया में बदलने का प्रयास करता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया जनगणना 2027 राष्ट्रीय महत्व का एक मिशन है जो केवल जनसंख्या की गिनती से कहीं बढ़कर है; यह 'विकसित भारत' और 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण की आधारशिला है। केंद्र सरकार ने नागरिकों को आसानी और गोपनीयता के साथ राष्ट्रीय डेटाबेस में सीधे योगदान करने के लिए सशक्त बनाने हेतु डिजिटल स्व-गणना की शुरुआत की है। मैं छत्तीसगढ़ के प्रत्येक निवासी से 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक की इस 15-दिवसीय अवधि में भाग लेने की अपील करता हूं। सटीक डेटा सबसे शक्तिशाली उपकरण है जिससे हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आवास से लेकर स्वास्थ्य देखभाल तक प्रत्येक केंद्रीय और राज्य कल्याणकारी योजना अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचे।

स्व-गणना चरण के तहत परिवार मोबाइल नंबर का उपयोग करके लॉग इन कर 33-बिंदुओं वाली प्रश्नावली भर सकते हैं। पूरा होने पर, एक विशिष्ट 11-अंकीय स्व-गणना आईडी (SE ID) उत्पन्न होती है, जिसे जानकारी सत्यापित करने के लिए क्षेत्र दौरे के दौरान प्रगणक के साथ साझा करना अनिवार्य है।

यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक घर की आवश्यकताओं को उच्च सटीकता के साथ रिकॉर्ड किया जाए, जिससे राज्य और देश के लिए संसाधनों के उचित आवंटन और प्रभावी विधायी योजना में सहायता मिले।

# छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के कारण स्कूलों में छुट्टियां: 20 अप्रैल से ग्रीष्मकालीन अवकाश

### 20 अप्रैल 2026 से 15 जून 2026 तक छुट्टियां रहेंगी

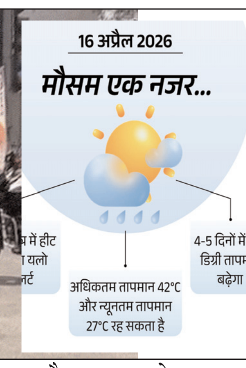


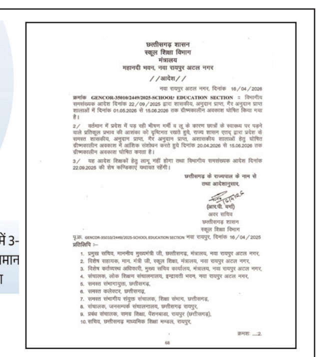

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए राज्य सरकार ने स्कूलों की छुट्टियां पहले करने का फैसला लिया है। ग्रीष्मकालीन अवकाश 1 मई से शुरू होना था, लेकिन अब इसे 20 अप्रैल से ही लागू कर दिया गया है।

इस फैसले के अनुसार प्रदेश के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त और निजी स्कूलों में 20 अप्रैल 2026 से 15 जून 2026 तक छुट्टियां रहेंगी।

मौसम विभाग ने 16 से 19 अप्रैल के बीच बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग में लू (हीट वेव) का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों में तापमान 1 से 2 डिग्री बढ़ा है और अगले 3 दिनों में 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 43°C तक पहुंच चुका है।

प्रदेश में फिलहाल मौसम पूरी तरह ड्राई बना हुआ है। बीते 24 घंटों में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43°C राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 19°C अंबिकापुर में दर्ज हुआ।

# मंत्री के रिश्तेदार को थाने में एएसआई ने जड़े थप्पड़, एसएसपी ने किया सस्पेंड!

**बिलासपुर।** बिलासपुर के रतनपुर थाना में अपने केस की स्थिति जानने आये एक शख्स के साथ थाने में मौजूद एएसआई ने मारपीट की और जेल भेजने की धमकी दी।

इस घटना की शिकायत के बाद एसएसपी रजनेश सिंह ने एएसआई को सस्पेंड और थाने में मारपीट का अपराध दर्ज करने का आदेश दिया है।

रतनपुर के बनियापारा निवासी विनोद जायसवाल 12 अप्रैल को दोपहर करीब 2:30 बजे अपने केस की जांच रिपोर्ट की जानकारी लेने थाने पहुंचे थे। जिस पर एएसआई दिनेश तिवारी भड़क गया और कथित तौर पर मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान एएसआई ने उसे धमकाते हुए कहा बड़ा नेता है क्या, तेरी नेतागिरी निकाल दूंगा, जेल भिजवा दूंगा।

पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के एवज में एएसआई द्वारा पैसे की मांग की जा रही थी।

मामले की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी और ट्रेनी आईपीएस अंशिका जैन ने एसएसपी रजनेश सिंह को इस घटना से अवगत कराया।बिलासपुर जिले में घटित इस घटना के पीड़ित ने खुद को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का रिश्तेदार बताया है।

अब इस पूरे मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली और थानों में आम नागरिकों के साथ व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।सवाल यह भी उठता है कि क्या इतनी तेजी से कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि मामला मंत्री के रिश्तेदार से जुड़ा था? एक आम आदमी की शिकायत पर भी इसी तत्परता और सक्रियता से काम होता है।

# रायपुर निगम से 100 एकड़ जमीन की फाइल गायब

### जोन कमिश्नर हटाए गए

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के जोन 10 अमलीडीह के अपार्टमेंट से निजी बिल्डर की एक ले आउट फाइल चोरी हो गई है। यह फाइल जोन कार्यालय से निगम मुख्यालय के बजाय सीधे नगर निवेश विभाग जो एवं आवास पर्यावरण विभाग के स्वामित्व में भेजी गई है। निगम मुख्यालय का अमला यह चोरी बता रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार जॉन 10 के अंतर्गत 69 एसेट की फाइलें मिलीं, जो लगभग 100 एकड़ जमीन की हैं। यह मामला सामने आया है कि जोन कमिश्नर को हेडक्वार्टर लगाया गया है।

बताया गया है कि बोरियाकला क्षेत्र के ओम नगर, साईं नगर, बिलाल नगर क्षेत्र की फाइलें गायब हो गई हैं। बिल्डर की ओर से जमा फाइल जोन कार्यालय से निगम मुख्यालय से सीधे टाउन एंड बिजनेस कंपनी को भेजी गई। यह मामला सामने आते ही कमिश्नर ने जांच के आदेश देते हुए जोन कमिश्नर को बदल दिया है।

# राजनांदगांव सबसे गर्म, रायपुर का पारा 42 के पार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में नौतपा से पहले भीषण गर्मी ने लोगों को झुलसाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में मौसम पर एंटी साइक्लोन का बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

पिछले 24 घंटों में तापमान में 3 डिग्री तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। रायपुर मौसम केंद्र के मुताबिक, अब पारा 44 डिग्री की दहलीज पर आ पहुचा है।

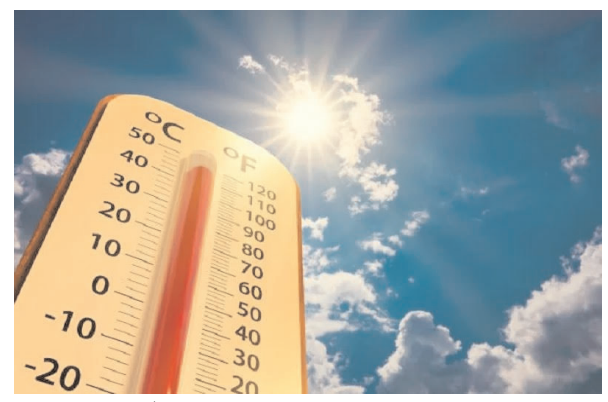

**राजनांदगांव में तापमान 43 डिग्री , अंबिकापुर में राहत**

राजनांदगांव प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी रही, जहां तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर उत्तर छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में हल्की राहत है, जहां न्यूनतम तापमान 19 डिग्री दर्ज किया गया।

**क्यों बढ़ रही है इतनी गर्मी ?**

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा जी के अनुसार, गर्मी बढ़ने के पीछे दो मुख्य जलवायु कारण हैं। एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश से कोमोरिन तक बनी हुई है। कर्नाटक और महाराष्ट्र के ऊपर एक प्रति मील सक्रिय है, जो छत्तीसगढ़ की ओर गर्म हवाएँ चल रही है। अगले दो दिनों में मध्य छत्तीसगढ़ (रायपुर-दुर्ग संभाग) में तापमान 2 से 3 डिग्री और बढ़ सकता है।

राजधानी रायपुर मेंआकाश बिल्कुल साफ रहेगा।

# मंत्री के बर्थडे जश्न पर उठे सवाल कांग्रेस ने साधा निशाना!

**सक्ती ।** जिले के वेदांता पावर प्लांट में हुए भीषण हादसे के बाद जहां एक तरफ शोक, आक्रोश और सिस्टम पर सवालिया निशान लग रहे है। वहीं दूसरी ओर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन अपने जन्मदिन समारोह में केक काट रहे है जिसके बाद , अब राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है।

कांग्रेस के शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर ने आरोप लगाया है कि मंत्री लखनलाल देवांगन का जन्मदिन 12 अप्रैल को था लेकिन कोरबा के साहित्य भवन में 14 अप्रैल की शाम आयोजित एक लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उनका जन्मदिन समारोह रखा गया।कांग्रेस ने आरोप लगाया की मंत्री देवांगन संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घटनास्थल पर पहुंचने की बजाय वे अपने निर्धारित कार्यक्रमों में रात 8 बजें तक शामिल होते रहे।

राठौर ने सवाल उठाते हुए कहा की एक तरफ सूबे के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय घटना को लेकर शोक संदेश दे रहे थे और दूसरी तरफ मंत्री लखनलाल देवांगन केक काट रहे थे।कांग्रेस ने मांग की है कि इस पूरे मामले में सरकार स्पष्ट करे कि हादसे के समय संबंधित विभाग और जिम्मेदार लोग क्या कर रहे थे साथ ही संयंत्र में सुरक्षा मानकों की स्थिति और हादसे के कारणों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

# पत्रकारिता में मौलिकता अनिवार्य तत्व: प्रो.दयाल

### कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय का 22वीं स्थापना दिवस समारोह

**रायपुर।** कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में 22 वां स्थापना दिवस समारोह 16 अप्रैल गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के बतौर प्रो. रवि आर सक्सेना कुलपति, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि आर. कृष्णा दास माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार और प्रभात मिश्र माननीय अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग रहे।

विश्वविद्यालय के स्वर्णिम उपलब्धियों पर कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि प्रो. रवि आर सक्सेना ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारिता शब्दों को निखारने की कला है और यह समाज में छवि निर्माण की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने पत्रकारिता लेखन को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि आज के दौर में विषयों की गहराई को समझते हुए संवेदनशील लेखन की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से कृषि पत्रकारिता, क्लाइमेट चेंज और किसानों से जुड़े मुद्दों पर लेखन की चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसानों तक सही समय पर सही जानकारी पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. सक्सेना ने कहा कि विचारों से ही समाज का निर्माण होता है, इसलिए पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते समय सतर्क और जिम्मेदार रहने की सलाह दी। उन्होंने पत्रकरिता विश्वविद्यालय और उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय बीच एमओयू के माध्यम से सहयोग बढ़ाने की बात कही, ताकि शोध और व्यवहारिक ज्ञान का आदान-प्रदान हो सके।

विशिष्ट अतिथि श्री आर. कृष्णा दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारिता की चुनौतियां बढ़ी हैं, लेकिन अवसर भी उतने ही व्यापक हैं। विश्वविद्यालय 22 वर्षों की यात्रा के साथ अब युवावस्था में प्रवेश कर चुका है और यही वह चरण होता है जहां प्रोफेशनलिज्म की वास्तविक शुरुआत होती है। विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयासों से ही संस्थान आज इस मुकाम तक पहुंचा है। अकादमिक जीवन ही एक ऐसा स्थान होता जहां सफलता के साथ-साथ विफलताओं को भी स्वीकारा जाता है। जीवन के हर क्षेत्र में चुनौतियां आती हैं, और उनसे जूझते हुए ही व्यक्तित्व का विकास होता है। इस संदर्भ में उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की नेतृत्व क्षमता का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से उनके जीवन मूल्यों और लीडरशिप को अपनाने की बात कही।

विशिष्ट अतिथि प्रभात मिश्र ने कहा कि राजभाषा को आगे बढ़ाना हमारा कृत संकल्प है। उन्होंने रायपुर, छत्तीसगढ़ के समृद्ध इतिहास का विस्तार से वर्णन किया।

# सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर की जाएगी भर्ती

**परीक्षा 11 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित**

**रायपुर।** विष्णु देव साय द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत कुल 5000 शिक्षकीय पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इसी क्रम में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सहायक शिक्षक के 2292 पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया जा रहा है। इन पदों में से 795 पद ई-संवर्ग की शालाओं तथा 1497 पद टी-संवर्ग की शालाओं में भरे जाएंगे। उक्त पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक अर्हता, आयु सीमा एवं अन्य शर्तें विस्तृत विज्ञापन में उल्लिखित रहेंगी।

लोक शिक्षण संचालनालय के उपसंचालक अशोक नारायण बंजारा ने बताया कि विस्तृत विज्ञापन छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाइट https//vyapam-cg.cgstate.gov.in/ एवं स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट https//eduportal.cg.nic.in पर जारी किया जाएगा तथा भर्ती परीक्षा का पाठ्यक्रम भी व्यापम की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। इन पदों हेतु लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा किया जाएगा।

# आईपीएल सट्टा गिरोह का भांडाफोड़, कार-आईफोन समेत 5 लाख का सामान जब्त

**धमतरी।** धमतरी पुलिस ने आईपीएल सट्टा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कुरूद थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 5 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। जिलेभर में जुआ और सट्टा जैसे अवैध अपराध के खिलाफ पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देश पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कुरूद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बीएसएनएल ऑफिस के पास दो व्यक्तिगत ऑनलाइन ऐप के माध्यम से आईपीएल सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने मस्जिद पर घेराबंदी कर दी। कार्रवाई के दौरान दोनों ने अपने मोबाइल फोन में BLIS-SEXC॥ ऐप के जरिए रुपए का दांव लगाए रंगे हाथ पकड़ लिए गए।

दोनों के विरुद्ध कुरूद में छत्तीसगढ़ जुआ अधिनियम की धारा 7 एवं बी.एस.ओस की धारा 112, 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार दोनों बुनियादी आदतन अपराधी हैं। जीवन यादव के खिलाफ पहले भी जुआ एक्ट, खतरनाक और ग़रीब जैसे कई मामले दर्ज हैं, वहीं कौशल साहू के खिलाफ भी जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज हैं।

महादेव के बाद साईं सट्टा ऐप...हर ओवर पर लग रहे थे दांव, फार्महाउस से 5 गिरफ्तार

राजानंदगांव. छत्तीसगढ़ में महादेव के बाद साईं सट्टा ऐप के ऑफ़लाइन सट्टा संचालित होने का मामला सामने आया है। आईपीएल शुरू हो रहा है।

# करोड़ों का कर्ज और देनदारों से मिल रही थी धमकी, हताश व्यापारी समेत परिवार ने खाया जहर

**कबीरधाम।** कवर्धा में एक व्यापारी और उनकी पत्नी व दो बच्चों ने जहर का सेवन कर लिया। इन सभी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि करोड़ों के कर्ज के चलते व्यापारी ने ऐसा आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस ने मौके से तीन पन्नों का सुसाइड नोट बरामद किया है। मामले में पुलिस द्वारा जाँच की जा रही है। पीड़ित व्यापारी का नाम योगेश जैन बताया जा रहा है।

**व्यापारी को जान से मारने की मिल रही थी धमकी**

यह घटना कवर्धा थाना क्षेत्र की है। जब्त सुसाइड नोट में लिखा है कि व्यापारी पर 4 करोड़ का कर्ज है। लेनदारों द्वारा रूपए वापस करने को लेकर उसके ऊपर दबाव बनाया जा रहा था। व्यापारी को रुपये वापस नहीं करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। इन सभी बातों से तंग आकर उसने परिवार के साथ जहर का सेवन कर लिया।

वहीं, इस पूरे मामले की पूछताछ के लिए पुलिस पीड़ितों के होश में आने का इंतजार कर रही है। व्यापारी परिवार से पूछताछ के बाद मामले में आगे की जांच कार्रवाई पुलिस द्वारा की जाएगी।

इस घटना को लेकर कवर्धा थाना प्रभारी ने मीडिया को बताया कि व्यापारी का नाम योगेश जैन है। व्यापारी के भाई द्वारा पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। होश में आने के बाद व्यापारी से बयान लिया जाएगा। घटनास्थल को सील कर दिया गया है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

## भीषण आग से सैकड़ों झुग्गियां जलकर राख, सिलेंडर ब्लास्ट होने से मचा हड़कंप

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित कनवानी गांव में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई, जिसने देखते ही देखते सैकड़ों झुग्गी-झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया।

आग इतनी भयानक थी कि उसका धुआं कई किलोमीटर दूर से भी साफ तौर पर देखा जा सकता था। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस क्षेत्र में आग लगी वहां लगभग 500 झुग्गी-झोपड़ियां मौजूद थीं। आग लगने के बाद लगातार गैस सिलेंडरों में धमाके होने लगे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई। लोग अपने घरों से जरूरी सामान और गैस सिलेंडर लेकर बाहर निकलते दिखाई दिए।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही समय में पूरा इलाका धुएं और आग की चादर में लिपट गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 22 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने नोएडा से भी अतिरिक्त दमकल 5 गाड़ियों को बुलाया। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है और आसपास के घरों को एहतियातन खाली कराया जा रहा है ताकि किसी बड़ी जनहानि से बचा जा सके।

अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक अब तक करीब 150 से अधिक झुग्गियों में आग लगने की पुष्टि हुई है। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां कबाड़ का काम किया जाता था और वहीं काम करने वाले लोग झुग्गियां बनाकर रहते थे।

फिलहाल, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, जो राहत की बात है। हालांकि, प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और यदि किसी के लापता होने की सूचना मिलती है तो तत्काल सर्वे कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

# सीएम युवा योजना को गति देने के लिए क्रेडिट काउंसलर्स की ट्रेनिंग शुरू, पहले बैच में 50 और दूसरे बैच में 25 जिले शामिल

**लखनऊ ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देशों के तहत प्रदेश सरकार ने सीएम युवा योजना में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए इस वर्ष 1.5 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी क्रम में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें बैंकिंग प्रक्रिया में सक्षम बनाने के उद्देश्य से गोमतीनगर में सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर्स (सीसीसी) की विशेष ट्रेनिंग आयोजित की गई। पहले बैच में 50 जिलों और दूसरे बैच में 25 जिलों को शामिल किया गया है।

यूपीकॉन के सभी कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे जमीनी स्तर पर युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन दे सकें। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद कुल 90 सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात किए जाएंगे। ये काउंसलर सीएम युवा योजना के तहत ऋण लेने वाले लाभार्थियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं, दस्तावेजीकरण और प्रोजेक्ट तैयार करने में मदद करेंगे, जिससे युवाओं को आसानी से ऋण प्राप्त हो सके।

यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह ने बताया कि सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर एमएसएमई उद्यमियों और बैंकों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेंगे। वे न केवल उद्यमियों को उपयुक्त ऋण योजनाओं की जानकारी देंगे, बल्कि प्रोजेक्ट रिपोर्ट, वित्तीय विवरण और आवश्यक दस्तावेज तैयार करने में भी सहयोग करेंगे।

उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में क्रेडिट रेटिंग, सिबिल स्कोर और ग्रीन एवं नए प्रोजेक्ट्स के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सही वित्तीय योजना और बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल के माध्यम से युवा उद्यमी न केवल आसानी से ऋण प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि अपने व्यवसाय को भी सफल बना सकते हैं।

यह पहल न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि अनुभवी पेशेवरों विशेषकर सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों को भी अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करने का अवसर प्रदान करती है। प्रदेश सरकार की यह पहल वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करते हुए एमएसएमई सेक्टर को नई ऊर्जा देने का कार्य करेगी। आने वाले समय में यह मॉडल प्रदेश में रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तीकरण का मजबूत आधार बनेगा।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है।

खास बात यह है कि यह सीसीसी कोर्स रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित है, जिसे प्रदेश में व्यापक स्तर पर लागू किया जा रहा है। सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर योजना आरबीआई की वित्तीय समावेशन समिति की सिफारिशों पर आधारित है। इसका उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना और उन्हें ऋण प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना है। इस ढांचे के अंतर्गत सिड्बी को एक्रीडिटिंग एजेंसी और इंप्लीमेंटिंग एंड रजिस्टरिंग अथॉरिटी की भूमिका दी गई है, जबकि आईआईबीएफ द्वारा इस कोर्स को विकसित किया गया है।

## आरबीआई में निकली जूनियर इंजीनियर की भर्ती, 11 पदों के लिए आवेदन शुरू

**नई दिल्ली ।** देश का एकमात्र केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में नौकरी करने की ख्वाहिश रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जूनियर इंजीनियर (जेई) के विभिन्न 11 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। आरबीआई ने जेई के जिन 11 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं, उनमें जूनियर इंजीनियर (सिविल) के 7 और जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) के 4 पद शामिल हैं। आरबीआई की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया गुरुवार, 16 अप्रैल से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 6 मई निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय लास्ट डेट तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान, विश्वविद्यालय या बोर्ड से संबंधित इंजीनियरिंग विषय में न्यूनतम 65% अंकों के साथ 3 वर्षीय डिप्लोमा होना चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता और तय सालों का अनुभव होना भी अनिवार्य है।उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 20 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी। योग्य अभ्यर्थियों का चयन ऑनलाइन परीक्षा, भाषा प्रवीणता परीक्षा (एलपीटी), मेडिकल परीक्षा और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा।

# दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति का भारत दौरा, जानें क्या है पूरा शेड्यूल

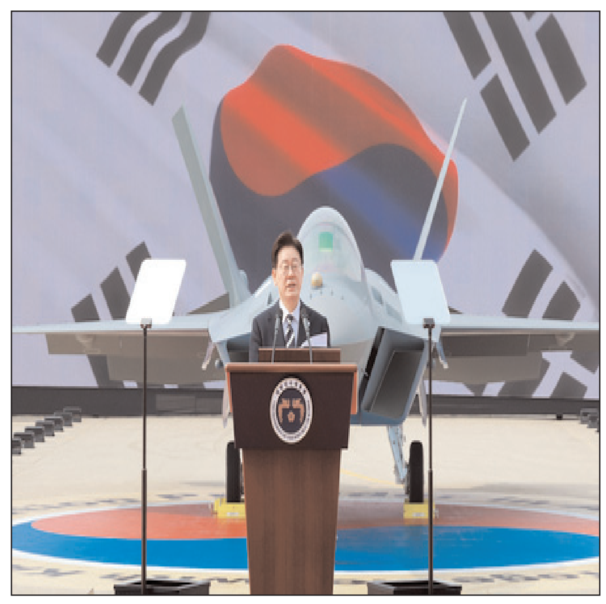

**नई दिल्ली।** ली जे-म्योंग 19 से 22 अप्रैल तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी, व्यापार और निवेश को नई गति देने पर विशेष जोर रहेगा। दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा का कार्यक्रम कूटनीतिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री कार्यालय के तहत कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक पॉलिसी (केआईईपी) में भारत और साउथ एशिया टीम के अध्यक्ष क्यूंगहून किम ने उनके दौरे का पूरा ब्योरा दिया है। उनके अनुसार दोनों देशों की आर्थिक सेहत के लिहाज से ये दौरा बहुत अहम है।

यात्रा की शुरुआत में राष्ट्रपति ली, एस. जयशंकर के साथ शिष्टाचार भेंट करेंगे, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। इसके बाद वे भारत में रह रहे कोरियाई समुदाय के साथ रात्रिभोज में शामिल होंगे, जो लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करने का संकेत माना जा रहा है।

अगले दिन राष्ट्रपति ली का औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। वे राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद उनकी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय शिखर वार्ता होगी।

शिखर बैठक में रक्षा सहयोग, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहनों, हरित ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी किया जाएगा।

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रपति ली भारत-कोरिया बिजनेस डायलॉग और बिजनेस फोरम में भी भाग लेंगे, जिसमें दोनों देशों के उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

यह मंच निवेश, तकनीकी सहयोग और नई साझेदारियों के अवसर तलाशने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

उम्मीद है कि यह यात्रा भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी सहयोग को लेकर नई चुनौतियां सामने आ रही हैं।

## भारत बनाम साउथ अफ्रीका: विमेंस टी20 वर्ल्ड कप से पहले तैयारियों को पुख्ता करने उतरेंगी दोनों टीमें

**नई दिल्ली।** भारत और साउथ अफ्रीका की महिला टीमें 17-27 अप्रैल के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी, जो 12 जून से शुरू होने जा रहे टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी के लिहाज से अहम होगी। यह सीरीज डीवाई पाटिल स्टेडियम में वनडे वर्ल्ड कप 2025 के दौरान हुई उनकी पिछली बड़ी टक्कर की यादें भी ताजा कराती है, जहां 'विमेन इन ब्लू' ने फाइनल में साउथ अफ्रीका को शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया था।

साउथ अफ्रीका धीरे-धीरे महिला क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में से एक बन गई है। हालांकि, कोई भी खिताब न जीत पाना अब भी उनकी कहानी का एक अहम हिस्सा बना हुआ है। हाल के टी20 मुकाबलों में उनका प्रदर्शन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जहां पाकिस्तान के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीत ने दबाव झेलने की उनकी क्षमता दिखाई, वहीं न्यूजीलैंड के हाथों 1-4 से मिली हार ने उनकी कमजोरियों को उजागर किया। साउथ अफ्रीका, खासकर मैरिजेन कैप की गैरमौजूदगी में, लौरा वोल्वार्ड्ट और ताजमिन ब्रित्स जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहेगा। मेजबान साउथ अफ्रीका को पारी की शुरुआत में लगातार अच्छा प्रदर्शन न कर पाने और शुरुआती ओवरों में गेंदबाजी के दबाव से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की जरूरत होगी।

इसके उलट, भारत इस सीरीज में जबरदस्त लय के साथ उतर रहा है।

# आईजीपीएल साउथ अफ्रीका: उदय, मिलिंद और मानव ने की शानदार शुरुआत

**जोहान्सबर्ग।** साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में खेले जा रहे आईजीपीएल इनविटेशनल गोल्फ टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत की है। पहले दिन के खेल के बाद ओलंपियन उदय माने, मिलिंद सोनी और मानव शाह संयुक्त रूप से बढ़त बनाए हुए हैं। तीनों खिलाड़ियों ने 7-अंडर 65 का बेहतरीन स्कोर बनाया और बाकी खिलाड़ियों पर एक शॉट की बढ़त हासिल की।

उदय माने ने बिना किसी बोगी के शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहले नौ होल में 2-अंडर से शुरुआत की और बाद के नौ होल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बर्डी बनाईं। उनके खेल में आत्मविश्वास साफ नजर आया। उदय टोक्यो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उदय ने इस सीजन की शुरुआत चंडीगढ़ में टी-50 पर रहकर धीमी शुरुआत की थी। उन्होंने मॉरीशस में अपनी लय पकड़ी (जहां वे टी-3 पर रहे), और अब जोहान्सबर्ग में भी उसी लय को बरकरार रखा है। शानदार खेल दिखाने के बाद माने ने कहा, 'रॉयल जोहान्सबर्ग एक बहुत ही शानदार कोर्स और क्लब है। यहां खेलना भी एक बेहतरीन अनुभव है। सीजन की शुरुआत में ही अच्छी फॉर्म में आ जाना बहुत बढ़िया बात है।'

मिलिंद सोनी ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने शुरुआत भले ही बोगी से की, लेकिन बाद में शानदार वापसी करते हुए एक ईगल और कई बर्डी बनाए। खास बात यह है कि उन्होंने लगातार पांच होल में बर्डी लगाई, जिससे उनका स्कोर तेजी से बेहतर हुआ। दूसरी ओर, मानव शाह ने भी शानदार खेल दिखाया और पूरे राउंड में संतुलन बनाए रखा। शाह ने बैक नाइन से अपने खेल की शुरुआत की, जहां उन्होंने तीन बर्डी बनाईं और कोई बोगी नहीं की। हालांकि, सेकंड नाइन (अगले नौ होल) काफी रोमांचक रहा, जहां उन्होंने 4-अंडर 32 का स्कोर बनाते हुए चार बर्डी, एक ईगल और दो बोगी बनाईं।

लीडरबोर्ड में चौथे स्थान पर पुखराज सिंह गिल हैं, जिन्होंने 6-अंडर 66 का स्कोर किया। वहीं, गगनजीत भुल्लर, करनदीप कोचर और सार्थक छिब्बर 5-अंडर 67 के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। भुल्लर का खेल भी बोगी-फ्री रहा, हालांकि वह कुछ आसान मौके चूक गए। टीम मुकाबले में 'ग्रीन फ्यूल्स हैदराबाद' टीम शीर्ष पर है। इस टीम को मानव शाह और मिलिंद सोनी के शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला, और उनका कुल स्कोर 14-अंडर रहा। होनर गुरुग्राम टीम 9-अंडर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि कृष्णा पंजाब 8-अंडर के साथ तीसरे स्थान पर है।

महिला वर्ग में विधात्री उर्स और वाणी कपूर संयुक्त रूप से आगे हैं। दोनों ने 72 का इवन पार स्कोर बनाया, जिसमें दो बर्डी और दो बोगी शामिल रहे। यह टूर्नामेंट अफ्रीकन स्विंग सीरीज का हिस्सा है और आगे के मुकाबले और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ियों की मजबूत शुरुआत से उनके खिताब जीतने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

# पाकिस्तान: निजी स्कूलों ने तोड़ा कमजोर तबके से किया वादा, स्कॉलरशिप कोटे की धज्जियां उड़ाईं

**इस्लामाबाद ।** पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के प्राइवेट स्कूल आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों स्टूडेंट्स के लिए 10 प्रतिशत स्कॉलरशिप कोटा को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर इस्लामाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। याचिका के अनुसार ये देश में बने ' निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार एक्ट, 2012' के तहत जरूरी है।

एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि ये शैक्षिक संस्थान कानून तोड़कर हर साल पांच अरब से छह अरब पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) कमाते हैं।

पाकिस्तान के जाने-माने अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के एक संपादकीय में स्कूलों की मनमानी की पूरी दास्तां है। इसमें बताया गया है कि सोच ये थी कि स्कूलों में स्कॉलरशिप कोटा शुरू करने से कमजोर तबकों के मेधावी छात्रों को फायदा होगा और उनकी आने वाली जिंदगी बेहतर होगी।

सम्पादकीय के अनुसार, 'एक अंदाजा है कि अब तक कम से कम 38,900 छात्र इस अधिकार से वंचित रह गए। (तंज कसा) अगर इन प्राइवेट संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई इसी रफ्तार से जारी रही, तो यह संख्या जरूर बढ़ेगी। इसके अलावा, सिर्फ स्कॉलरशिप कोटा इस नुकसान को ठीक करने के लिए काफी नहीं होगा। इन प्राइवेट संस्थानों को गैर-कानूनी तरीके से कमाए गए हर पैसे को वापस करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए, और उन छात्रों को मुआवजा दिया जाना चाहिए जिन्होंने जिंदगी बदलने वाले शैक्षिक मौकों को गंवा दिया।'

पिछले महीने, एक रिपोर्ट ने दयनीय शैक्षिक व्यवस्था की पोल खोली थी। इससे पता चला कि पाकिस्तान में 5-16 साल की उम्र के लगभग 28 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं। चिंता की बात यह है कि लड़कियों की संख्या ज्यादा है। 22 फीसदी लड़कों के मुकाबले 34 फीसदी लड़कियां स्कूल नहीं जा पाती हैं। ये पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में अधिक देखा जाता है। वहां लैंगिक असमानता स्पष्ट दिखती है।द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने गैलप पाकिस्तान के एचआईईएस सर्वे का हवाला देते हुए बताया कि 10 साल और उससे ज्यादा उम्र के दो-तिहाई पाकिस्तानी कभी न कभी स्कूल गए हैं ।

# मणिपुर: 5 जिलों में 18 अप्रैल तक इंटरनेट पर प्रतिबंध बढ़ाया गया

**इंफाल ।** मणिपुर सरकार ने गुरुवार को इंफाल घाटी के पांच जिलों में ब्रॉडबैंड सहित मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं के निलंबन को 18 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। मौजूदा कानून-व्यवस्था की चिंताओं के मद्देनजर यह फैसला लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर दुष्प्रचार और झूठी अफवाहों के प्रसार के बारे में चिंताओं के कारण यह कदम जरूरी हो गया था।मोबाइल इंटरनेट और डेटा सेवाओं पर पहली बार 7 अप्रैल को बिष्णुपुर जिले में एक घातक बम हमले के कुछ घंटों बाद तीन दिनों के लिए निलंबन लगाया गया था। कथित तौर पर संदिग्ध कुकी आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में दो बच्चों की जान चली गई और उनकी मां घायल हो गईं। ?उसके बाद से, इन पाबंदियों को कई बार बढ़ाया गया है, हर बार आमतौर पर सिर्फ 2 दिन के लिए। यह रोक सिर्फ 5 जिलों में लगाई गई है: इम्फाल वेस्ट, इम्फाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर। इसका मकसद है कि कोई हिंसा न फैले और हालात बिगड़ने न पाएं।

आयुक्त-सह-सचिव (गृह) एन अशोक कुमार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, निलंबन बढ़ाने का निर्णय इन जिलों में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया। अधिसूचना में कहा गया कि राज्य सरकार मोबाइल डेटा उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण और नियामक तंत्र के लिए अपर्याप्त तकनीकी व्यवहार्यता का हवाला देते हुए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, मोबाइल डेटा सेवाओं और वीपीएन एक्सेस को निलंबित करना जारी रखना आवश्यक समझती है। ? अधिकारियों ने गलत सूचना फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के संभावित दुरुपयोग के बारे में भी चिंता व्यक्त की अधिसूचना में कहा गया, 'गलत सूचना और झूठी अफवाहों का प्रसार और बड़ी संख्या में एसएमएस संदेश भेजने से आंदोलनकारियों और प्रदर्शनकारियों की भीड़ को इकट्ठा करने में मदद मिल सकती है।

## संपादकीय

# लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का भविष्य

महेन्द्र तिवारी

*भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है, लेकिन प्रतिनिधित्व के स्तर पर यह लंबे समय तक आधा अधूरा रहा है क्योंकि जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा होने के बावजूद महिलाएं राजनीतिक संस्थाओं में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं हो पाई हैं। इसी ऐतिहासिक असंतुलन को दूर करने के उद्देश्य से 2023 में पारित संविधान का 106वां संशोधन अधिनियम, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है, एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सामने आया। यह अधिनियम लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी उप आरक्षण शामिल है।*

*यह कानून लगभग 27 वर्षों से चल रही बहस और राजनीतिक प्रयासों का परिणाम है। 19 सितंबर 2023 को इसे लोकसभा में प्रस्तुत किया गया और 20 तथा 21 सितंबर को दोनों सदनों से पारित कर दिया गया। 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद यह संविधान का हिस्सा बन गया। यह घटना न केवल विधायी दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि यह इस बात का संकेत भी थी कि भारतीय राजनीति अब महिलाओं की भागीदारी को एक संरचनात्मक आवश्यकता के रूप में स्वीकार कर रही है। हालांकि इस अधिनियम का उद्देश्य स्पष्ट है, लेकिन इसकी वास्तविकता को समझने के लिए वर्तमान स्थिति पर नजर डालना जरूरी है। आज लोकसभा की 543 सीटों में से केवल 74 सीटों पर महिलाएं हैं, जो लगभग 13.6 प्रतिशत है। यह संख्या 2019 के 78 से थोड़ी कम है। वहीं देशभर में कुल 4666 सांसदों और विधायकों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत के आसपास है। 2024 के लोकसभा चुनाव में कुल 8360 उम्मीदवारों में केवल 797 महिलाएं थीं, यानी लगभग 9.6 प्रतिशत, और लगभग 28 प्रतिशत सीटों पर कोई महिला प्रत्याशी ही नहीं था। यह आंकड़े इस बात को स्पष्ट करते हैं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी अभी भी संरचनात्मक बाधाओं से घिरी हुई है। इसके विपरीत यदि पंचायती राज संस्थाओं को देखा जाए तो तस्वीर बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां महिलाओं की भागीदारी लगभग 46.6 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और कई राज्यों में यह 50 प्रतिशत से भी अधिक है। उत्तराखंड लगभग 56 प्रतिशत के साथ अग्रणी है, जबकि आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ भी इस दिशा में उल्लेखनीय हैं। यह अनुभव इस बात का प्रमाण है कि जब आरक्षण को सही तरीके से लागू किया जाता है तो महिलाएं न केवल प्रतिनिधित्व प्राप्त करती हैं बल्कि प्रभावी नेतृत्व भी प्रस्तुत करती हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो 1957 में लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 5.46 प्रतिशत थी, जो धीरे धीरे बढ़कर 2024 में 13.6 प्रतिशत तक पहुंची है। यह वृद्धि महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। वैश्विक तुलना में भी भारत पीछे है। रवांडा में संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 64 प्रतिशत है, क्यूबा में 53 प्रतिशत, निकारागुआ में 52 प्रतिशत और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत। इस परिप्रेक्ष्य में भारत का आंकड़ा अपेक्षाकृत कम है, जो यह दर्शाता है कि केवल लोकतांत्रिक ढांचा पर्याप्त नहीं है, बल्कि समावेशी नीतियों की भी आवश्यकता होती है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस कमी को दूर करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है, लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी शर्तें इसे जटिल बना देती हैं। अधिनियम में जोड़ा गया अनुच्छेद 334 यह स्पष्ट करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण तब तक लागू नहीं होगा जब तक अगली जनगणना के आंकड़े प्रकाशित नहीं हो जाते और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती। इसका अर्थ यह है कि कानून पारित होने के बावजूद इसका प्रभाव तुरंत नहीं दिखेगा। यही बिंदु इस अधिनियम की सबसे बड़ी आलोचना का कारण भी बना हुआ है। 2021 की जनगणना पहले ही टल चुकी है और अब यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि नई जनगणना 2026 के बाद होगी। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया भी समय लेगी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि महिलाओं का आरक्षण 2029 या उससे भी बाद के चुनावों में लागू हो सकता है। इस देरी को कई विशेषज्ञ न्याय में विलंब के रूप में देखते हैं। हालांकि सरकार और कुछ संवैधानिक विशेषज्ञों का तर्क है कि बिना अद्यतन जनसंख्या आंकड़ों के सीटों का पुनर्वितरण करना उचित नहीं होगा। संविधान के अनुसार परिसीमन एक आवश्यक प्रक्रिया है ताकि प्रतिनिधित्व समान और संतुलित रहे। यदि पुराने आंकड़ों के आधार पर आरक्षण लागू किया जाता है तो भविष्य में इसे न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। इस प्रकार यह बहस केवल राजनीतिक नहीं बल्कि संवैधानिक भी है। इस अधिनियम के साथ एक और महत्वपूर्ण मुद्दा जुड़ा हुआ है, वह है संघीय संतुलन। परिसीमन की प्रक्रिया जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण करती है, जिससे उत्तर और दक्षिण भारत के बीच प्रतिनिधित्व का अनुपात बदल सकता है। दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है, इसलिए उन्हें यह आशंका है कि उनकी सीटें घट सकती हैं जबकि उत्तर भारत की सीटें बढ़ सकती हैं। यह स्थिति राजनीतिक तनाव को जन्म दे सकती है और संघीय ढांचे को चुनौती दे सकती है।*

# लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

**उमेश चतुर्वेदी**

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं।

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है।

मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है।

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं।

जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है। जब तक ऐसे कदम नहीं उठाए जाएंगे, जंगलों और आदिवासी इलाकों की बंदूकें भले ही शांत हो जाएं, सामाजिक तौर पर वाम वैचारिकी मजबूत उपस्थिति बनाए रखेगी और अगर वह प्रभावी रही तो देर-सवेर किसी और रूप में फिर से लाल आतंक को सिर उठाने के लिए प्रेरित करेगी।

# जल सुरक्षा और क्षेत्रीय शांतिः बदलते जलवायु में सिंधु जल संधि का भविष्य

**मियां मसूद तारिक**

दक्षिण एशिया में जल को जीवन रेखा माना जाता है, और सिंधु नदी बेसिन में यह बात सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जो पाकिस्तान और भारत में लाखों लोगों का सहारा है। विश्व बैंक की मध्यस्थता से संपन्न सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) लंबे समय से इन दोनों परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी देशों के बीच सहयोग और संघर्ष समाधान का आधार रही है। लगभग छह दशकों से इसने अनेक युद्धों और राजनीतिक संकटों का सामना किया है, और इसे अक्सर सफल द्विपक्षीय जल कूटनीति के एक दुर्लभ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

हालांकि, यह समझौता वर्तमान में अभूतपूर्व दबाव में है। जलवायु परिवर्तन सिंधु बेसिन के जलवैज्ञानिक पैटर्न को बदल रहा है, और भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव ने जल संबंधी विवादों की संभावना को बढ़ा दिया है। इस संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय जल संरक्षण समझौता (IWT) मात्र एक तकनीकी समझौता नहीं है; यह क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने का एक रणनीतिक साधन है।

**सिंधु जल संधिः एक ऐतिहासिक अवलोकन**

अंतर्राष्ट्रीय जलसंधि संधि (IWT) सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन करती है, जिससे दोनों देशों के बीच नियंत्रण विभाजित हो जाता है। संधि के अनुसार, तीन 'पूर्वी नदियाँ' (रावी, ब्यास, सतलुज) भारत को सौंपी गई हैं, जबकि तीन 'पश्चिमी नदियाँ' (सिंधु, झेलम, चिनाब) मुख्य रूप से पाकिस्तान में बहती हैं, और भारत को सिंचाई और जलविद्युत परियोजनाओं जैसे सीमित उपयोगों की अनुमति है।

स्पष्ट होने के बावजूद, इस समझौते को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा है। भारत द्वारा पश्चिमी नदियों पर पनबिजली बांधों का निर्माण, संभावित जलमार्ग परिवर्तन को लेकर पाकिस्तान की आशंकाएं और विवाद समाधान प्रणालियों में देरी, इन सभी ने द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा किया है। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय जलसंधि (आईडब्ल्यूटी) की दीर्घायु का श्रेय आंशिक रूप से इसकी व्यापक तकनीकी आवश्यकताओं और एक तटस्थ मध्यस्थ (पूर्व में विश्व बैंक) की उपस्थिति को जाता है।

**जलवायु परिवर्तन और इसका प्रभाव**

हाल के अध्ययनों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन का सिंधु नदी प्रणाली पर बढ़ता प्रभाव पड़ रहा है। तापमान में वृद्धि के कारण सिंधु नदी को पानी देने वाले हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदी के प्रवाह में उतार-चढ़ाव आ रहा है और बाढ़ एवं सूखे का खतरा बढ़ रहा है। मानसून के मौसमी पैटर्न कम पूर्वानुमानित होते जा रहे हैं, और चरम मौसम की घटनाएं भारत और पाकिस्तान में कृषि पर निर्भर लोगों के लिए खतरा पैदा कर रही हैं।

ये बदलाव पाकिस्तान की खाद्य सुरक्षा और आजीविका के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, क्योंकि सिंधु नदी देश की सिंचित कृषि भूमि के 90% से अधिक हिस्से को सींचती है। सूखे वर्षों में जल प्रवाह में कमी या बारिश के वर्षों में अचानक वृद्धि से जल आवंटन को लेकर विवाद बढ़ सकते हैं, खासकर यदि भारत अपनी जलविद्युत अवसंरचना का निर्माण करता है। इस स्थिति में, सिंधु नदी जलसंधि (ङ्कङ्खञ्ज) को न केवल कानूनी व्याख्याओं के अनुरूप ढलने का दबाव है, बल्कि उन पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप भी ढलना होगा जिनकी भविष्यवाणी इसके मूल निर्माताओं ने नहीं की थी।

**राजनीतिक तनाव के बीच जल कूटनीति**

दक्षिण एशिया में जल का मुद्दा अत्यधिक राजनीतिकरण का विषय है। भारत और पाकिस्तान कई युद्ध लड़ चुके हैं ।

## बोध कथा

# आत्मचिंतनः- आखिर में यह भी नहीं रहेगा

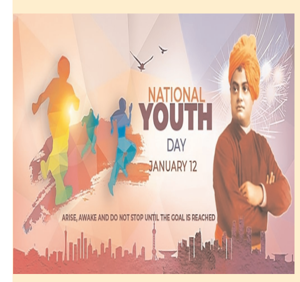


एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया।

साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की – 'भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे।' साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला – 'अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला।' साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया।

दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया।

आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा – 'हे भगवान्! ये तूने क्या किया?'

आनंद पुनः हँस पड़ा और बोला – 'महाराज आप क्यों दुःखी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान् इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा – 'मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद।' कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था ।

## तीर तेवर — सागर कुमार

## व्यंग्य केसरी

# सबको एक अच्छी पत्नी दे!

**अशोक मतवाला**

आजकल दुनिया में हर चीज़ के लिए आवेदन फॉर्म है—पासपोर्ट के लिए, लोन के लिए, नौकरी के लिए, यहाँ तक कि प्यार के लिए भी एल्गोरिद्म है। लेकिन एक चीज़ है जो अब तक किसी सरकारी पोर्टल पर नहीं दिखी— 'अच्छी पत्नी के लिए आवेदन'।

मैंने सोचा, अगर यह सुविधा होती, तो मैं सबसे पहले लाइन में खड़ा होता और फॉर्म में साफ़ लिखता—

'सबको एक अच्छी पत्नी दे!'

अब 'अच्छी पत्नी' की परिभाषा भी बड़ी रोचक है। यह वह जीव है जो सुबह अलार्म से पहले उठती है, पति को जगाती है, चाय भी बनाती है और फिर भी मुस्कुराती रहती है—बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के।

वैज्ञानिक अभी तक इसे 'संभावित प्रजाति' मानते हैं, लेकिन गृहस्थ जीवन वाले लोग इसे 'अनिवार्य आवश्यकता' मानते हैं।

मेरे एक मित्र ने कहा, 'अच्छी पत्नी वह है जो तुम्हारी बात सुनती है।'

दूसरे मित्र ने तुरंत सुधार किया, 'नहीं, अच्छी पत्नी वह है जो तुम्हारी बात सुनने से पहले ही समझ ले।'

तीसरे ने कहा, 'असल में अच्छी पत्नी वह है जो तुम्हें बोलने ही न दे, ताकि बाद में बहस की जरूरत न पड़े।'

मैंने तीनों की बात सुनकर सोचा—यह परिभाषा नहीं, घरेलू गणित का कठिन प्रश्न है।

अब अगर सच में 'अच्छी पत्नी वितरण योजना' शुरू हो जाए, तो दुनिया में भारी हलचल मच जाएगी।

लोग अपनी-अपनी प्राथमिकताएँ बदल देंगे—कोई 'कुकिंग स्किल' मांगेगा, कोई 'मूड मैनेजमेंट सिस्टम', कोई 'लो-डिस्कशन, हाई-अंडरस्टैंडिंग मॉडल'।

सरकारी दफ्तर में लाइन कुछ ऐसी होगी—

'भाई, तुम्हारी फाइल में क्या लिखा है?'

'मैंने लिखा है—कम बोलने वाली, ज्यादा समझने वाली, और महीने के अंत तक भी नाराज़ न होने वाली पत्नी चाहिए।'

क्लर्क सिर उठाकर बोलेगा—'सर, यह अभी आउट ऑफ स्टॉक है।'

असल बात यह है कि 'अच्छी पत्नी' कोई रेडीमेड प्रोडक्ट नहीं है। वह एक 'कस्टम मेड अनुभव' है—जिसमें प्यार, झगड़ा, समझौता, और चुप्पी सब मिलाकर एक जीवन बनता है। और मज़ेदार बात यह है कि जो चीज़ हमें शुरू में कठिन लगती है, वही बाद में सबसे जरूरी लगने लगती है।

कभी-कभी लगता है कि अगर हर किसी को उसकी सोच के अनुसार 'परफेक्ट पत्नी' मिल जाए, तो दुनिया में बहस खत्म हो जाएगी। लेकिन फिर याद आता है—अगर बहस खत्म हो गई, तो इंसान आधा खाली हो जाएगा। क्योंकि रिश्तों की असली जान ही छोटे-छोटे टकरावों में बसती है।

असल में, 'अच्छी पत्नी' का मतलब यह नहीं कि वह कभी गलत न हो, बल्कि यह है कि वह गलतियों को भी रिश्ते का हिस्सा बना दे।

## इतिहास

16 अप्रैल का इतिहास भारत और विश्व के लिए कई प्रमुख घटनाओं का गवाह है, जिसमें 1853 में भारत में पहली यात्री ट्रेन चलना सबसे ऐतिहासिक है। इस दिन टीपू सुल्तान की मौत की घेराबंदी शुरू हुई (1799) और 2007 में वर्जीनिया टेक गोलीबारी की घटना हुई।

16 अप्रैल की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ: 1853 (भारत): भारत में पहली यात्री ट्रेन बोरीबंदर (बॉम्बे) से ठाणे के बीच चलाई गई, जिसने 35 किमी (21 मील) की दूरी तय की।

1799 (विश्व): श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी शुरू हुई, जो अंततः टीपू सुल्तान की मौत और मैसूर पर ब्रिटिश नियंत्रण के साथ समाप्त हुई। 1801 (भारत): पेशवा साम्राज्य के योद्धा विठोजी होल्कर की हत्या कर दी गई। 1848 (भारत): प्रमुख तेलुगु लेखक और सामाजिक सुधारक कंदुकुरी वीरेशलिंगम का जन्म हुआ। 2007 (विश्व): अमेरिका के वर्जीनिया टेक में गोलीबारी की घटना में 32 लोगों की मौत हो गई।

# कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 122 अंक फिसला

**मुंबई।** पश्चिम एशिया तनाव के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। इस दौरान घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों में मामूली गिरावट देखने को मिली।

बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 122.56 अंक यानी 0.16 प्रतिशत गिरकर 77,988.68 पर था, जबकि निफ्टी50 34.55 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 24,196.75 पर कारोबार करते नजर आया।

व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में 0.63 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.89 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो सबसे ज्यादा निफ्टी मेटल में 1.53 प्रतिशत की तेजी और निफ्टी आईटी में 0.88 प्रतिशत की तेजी देखी गई। इसके अलावा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एफएमसीजी ने भी बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी ऑटो और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी 50 में सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में एचडीएफसी बैंक, ओएनजीसी, एचडीएफसी लाइफ, टाइटन, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अपोलो हॉस्पिटल्स शामिल रहे, जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इटरनल, अदानी पोर्ट्स और बीईएल के शेयरों में सबसे ज्याद तेजी देखने को मिली।

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर दूसरे दौर की वार्ता पर संशय बने रहने के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।एक्सपर्ट्स का कहना है कि निकट भविष्य के लिए बाजार का रुख अनिश्चित बना हुआ है, क्योंकि निफ्टी 24,300 के रेजिस्टेंस स्तर को निर्णायक रूप से पार करने में विफल रहा। हालांकि, अगर अगले सत्र में यह 24,300 से ऊपर मजबूती से बढ़ता है, तो निकट भविष्य में एक स्थायी तेजी देखने को मिल सकती है। अन्यथा, मुनाफावसूली का एक बड़ा दौर शुरू हो सकता है, जो संभावित रूप से इंडेक्स को 24,000 की ओर खींच सकता है।

डॉलर में मामूली मजबूती और वैश्विक जोखिम भावना में सुधार के चलते भारतीय रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 61 पैसे बढ़कर 93.98 पर बंद हुआ, जबकि पिछले दिन यह 93.37 पर बंद हुआ था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह मजबूती मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों से प्रेरित है, जिसके चलते पिछले 48 घंटों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे भारत के आयात बिल पर दबाव कम हुआ है।

इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी और भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों से भी बाजार की भावना को बल मिल रहा है, क्योंकि पूंजी प्रवाह में सुधार से मुद्रा मजबूत होती है।

# सोने की चमक बढ़ी, चांदी का दाम 2.55 लाख रुपए हुआ

**मुंबई ।** सोने और चांदी की कीमत में गुरुवार को उछाल देखने को मिला, जिससे दोनों की कीमती धातुओं की कीमत क्रमशः करीब 1.55 रुपए प्रति 10 ग्राम और 2.55 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 10:45 पर सोने का कॉन्ट्रैक्ट (5 जून 2026) 1,016 रुपए या 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,964 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,54,501 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,54,990 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का कॉन्ट्रैक्ट (5 मई 2026) 3,258 रुपए या 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,55,000 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,54,074 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,55,735 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,856 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, अमेरिका के उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के उम्मीद से कमजोर आंकड़ों के बाद अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में गिरावट होने से सोने की कीमतों में तेजी आई। इससे मुद्रास्फीति संबंधी तात्कालिक चिंताएं कम हुईं और बाजार का समग्र माहौल बेहतर हुआ। आंकड़ों से पता चला कि पीपीआई में मामूली वृद्धि हुई, जो उम्मीदों से कम रही। इससे संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति का दबाव मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान संघर्ष जैसे बाहरी झटकों से प्रेरित है।

उन्होंने आगे बताया कि इससे डॉलर की सुरक्षित निवेश के रूप में मांग कम हुई और सोने की कीमतों में वृद्धि हुई, क्योंकि डॉलर के कमजोर होने से विदेशी खरीदारों के लिए सोना अधिक आकर्षक हो जाता है। दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 97.80 पर पहुंच गया है ।

# आईईए प्रमुख की बड़ी चेतावनी, जेट फ्यूल स्टॉक के कम होने से उड़ानों पर मंडरा सकता है संकट

**नई दिल्ली ।** अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने गुरुवार को चेतावनी दी कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहा तो यूरोप में हवाई यात्रा प्रभावित हो सकती है, क्योंकि जेट फ्यूल का स्टॉक (हवाई जहाज के ईंधन के भंडार) तेजी से कम हो रहा है।

बिरोल ने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा कि यूरोप के पास 'शायद सिर्फ 6 हफ्तों का जेट फ्यूल बचा है' और अगर सप्लाई बाधित रही तो जल्द ही फ्लाइट्स कैंसिल होने लगेंगी।

आईईए की इस हफ्ते जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगर यूरोप मिडिल ईस्ट से होने वाले अपने कम से कम आधे आयात की भरपाई नहीं कर पाया, तो जून तक हालात और गंभीर हो सकते हैं और स्टॉक खतरनाक स्तर पर पहुंच जाएगा।

फातिह बिरोल ने इस स्थिति को 'अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट' बताया। उन्होंने कहा कि यह संकट वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डालेगा और जितना लंबा चलेगा, उतना ही आर्थिक विकास और महंगाई पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

आईईए की रिपोर्ट के मुताबिक, खाड़ी क्षेत्र से होने वाला निर्यात वैश्विक जेट फ्यूल सप्लाई का सबसे बड़ा स्रोत है। वहीं, कोरिया, भारत और चीन जैसे बड़े निर्यातक देश भी कच्चे तेल के लिए मिडिल ईस्ट पर निर्भर हैं, जिससे यह संकट और गहरा हो गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य, जो जेट फ्यूल के लिए एक अहम रास्ता है, पिछले छह हफ्तों से प्रभावी रूप से बंद है। यह स्थिति ईरान द्वारा अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में उठाए गए कदमों के कारण बनी है, जिससे कीमतें बढ़ गई हैं और सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है।

बिरोल ने कहा कि इस संकट का सबसे ज्यादा असर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों पर पड़ेगा। इसके बाद यूरोप और अमेरिका भी इसकी चपेट में आएंगे।

उन्होंने ईरान द्वारा जहाजों से कथित 'टोल' वसूलने की व्यवस्था पर भी चिंता जताई और कहा कि अगर यह आम प्रथा बन गई तो इसके वैश्विक व्यापार पर गंभीर असर हो सकते हैं।

# निर्यात में वृद्धि और सेवाओं के अधिशेष के चलते भारत का व्यापार घाटा कम हुआः रिपोर्ट

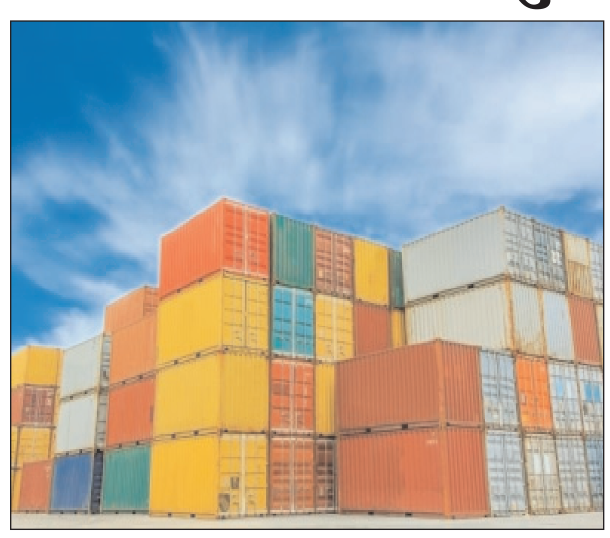

**नई दिल्ली।** भारत की बाहरी आर्थिक स्थिति मार्च 2026 में मजबूत बनी रही, क्योंकि सामान (गुड्स) का व्यापार घाटा घटकर 21 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से कीमती धातुओं के आयात में तेज कमी और निर्यात में सुधार के कारण आई। वहीं, मजबूत सर्विस सेक्टर का अधिशेष (सरप्लस) लगातार इस घाटे को संतुलित करने में मदद करता रहा। गुरुवार को जारी एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, मार्च के दौरान भारत का कुल आयात लगभग 6 प्रतिशत घटकर 59.6 अरब डॉलर रह गया, जबकि कुल निर्यात 6 प्रतिशत बढ़कर 38.9 अरब डॉलर पहुंच गया। इसी दौरान नेट सर्विस एक्सपोर्ट बढ़कर 18.2 अरब डॉलर हो गया और पूरे वित्त वर्ष 2026 में इसमें 13 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि देखी गई।

ध्यान देने वाली बात यह है कि कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बावजूद तेल आयात में करीब 6 प्रतिशत की मासिक गिरावट आई। इसका कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से आयात की मात्रा में 35-40 प्रतिशत की गिरावट माना जा रहा है। वहीं वित्त वर्ष 2026 में कुल निर्यात में 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें अमेरिका के टैरिफ के असर को नए बाजारों में निर्यात बढ़ाकर संतुलित किया गया।

गुड्स ट्रेड डेफिसिट में कमी का बड़ा कारण सोने के आयात में 59 प्रतिशत और चांदी के आयात में 63 प्रतिशत की गिरावट रहा।होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा के कारण कच्चे तेल के आयात की मात्रा में 35-40 प्रतिशत तक गिरावट आई। इसके विपरीत, तेल निर्यात लगभग 51 प्रतिशत बढ़कर 5.2 अरब डॉलर हो गया, जो मई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। मध्य पूर्व में तनाव के कारण सऊदी अरब और यूएई को निर्यात में क्रमशः 44 प्रतिशत और 60 प्रतिशत की गिरावट आई। इसका असर रत्न और आभूषण निर्यात पर भी पड़ा, जो लगभग 22 प्रतिशत घट गया।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2027 के लिए अनुमान लगाया गया है कि यदि ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल रहती है, तो चालू खाता घाटा (सीएडी) जीडीपी का करीब 1.7 प्रतिशत रह सकता है और भुगतान संतुलन (बीओपी) में 35 अरब डॉलर से अधिक की कमी हो सकती है।

साथ ही रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026 में सर्विस निर्यात मजबूत बना रहा, जिसमें ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) का बड़ा योगदान रहा। हालांकि, अगर मध्य पूर्व संकट लंबा चलता है।

तो वित्त वर्ष 2027 में वैश्विक आर्थिक सुस्ती के कारण इस सेक्टर पर दबाव आ सकता है।

# मध्य पूर्व में तनाव के बाद भारत में स्थिर पेट्रोल और डीजल की कीमतें, पाकिस्तान और नेपाल में 42 प्रतिशत तक बढ़े दाम

**नई दिल्ली।** मध्य पूर्व में तनाव के बाद भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। वहीं, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देशों में ईंधन की कीमतों में 42 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

पाकिस्तान में 28 फरवरी को पेट्रोल का दाम 266.17 प्रति लीटर पाकिस्तानी रुपया और डीजल का दाम 280.86 रुपए प्रति लीटर पाकिस्तानी रुपया था। वहीं, 16 अप्रैल को पेट्रोल का दाम 366.58 रुपए बढ़कर प्रति लीटर पाकिस्तानी रुपया और डीजल का दाम बढ़कर 385.54 रुपए प्रति लीटर पाकिस्तानी रुपया हो गया है।

यह दिखाता है कि समीक्षा अवधि के दौरान पाकिस्तान में पेट्रोल का दाम 37.74 प्रतिशत और डीजल की कीमत में 37.27 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

नेपाल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते एक महीने में चार बार कीमतों में इजाफा हुआ है। इससे पूरे दक्षिण एशिया में नेपाल में सबसे महंगा पेट्रोल और डीजल मिल रहा है।

पेट्रोल की कीमत 219 नेपाली रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल 207 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, 28 फरवरी को नेपाल में पेट्रोल का दाम 154 नेपाली रुपए प्रति लीटर और डीजल का दाम 156 नेपाली रुपए प्रति लीटर था।

यह दिखाता है कि समीक्षा अवधि के दौरान नेपाल में पेट्रोल का दाम 42.20 प्रतिशत और 32.59 प्रतिशत बढ़ गया है।

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से आम उभोक्ताओं को बचाने के लिए मोदी सरकार ने भार स्वयं वहन करने का फैसला लिया है।

बीते महीने, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता से सुरक्षित रखने के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा नहीं किया है।

# ग्वालियर से सप्ताह में 6 दिन रहेगी दिल्ली और बेंगलुरु की उड़ान : सिंधिया

**ग्वालियर ।** केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बताया है कि ग्वालियर से नई उड़ान सेवा शुरू होने वाली है जिससे ग्वालियर से सप्ताह में छह दिन दिल्ली और बेंगलुरु के लिए हवाई सेवा सुलभ रहेगी। बताया गया है कि ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट से ग्वालियर-दिल्ली-बेंगलुरु तथा बेंगलुरु-दिल्ली-ग्वालियर के लिए एक और हवाई सेवा शीघ्र प्रारम्भ होने जा रही है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा है कि इस उड़ान सेवा के शुरू होने से ग्वालियर एवं ग्वालियर-चंबल क्षेत्र सहित मध्य प्रदेश की कनेक्टिविटी और सुदृढ़ होगी तथा यात्रियों को प्रमुख शहरों से बेहतर एवं तेज़ आवागमन सुविधा प्राप्त होगी। जानकारी के अनुसार, अकासा एयर द्वारा इस रूट पर नई उड़ानें शुरू की जाएंगी।

वर्तमान में ग्वालियर से इंडिगो की उड़ानें सप्ताह में तीन दिन (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार) संचालित होती हैं, जबकि प्रस्तावित अकासा एयर की नई उड़ानों (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार) के साथ अब सप्ताह में छह दिन हवाई सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

इस सेवा के शुरू होने से बेंगलुरु जैसे प्रमुख आईटी एवं स्टार्टअप हब से ग्वालियर का सीधा जुड़ना क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नई उड़ान सेवा से व्यापार, उद्योग, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को नई गति मिलेगी। दिल्ली और बेंगलुरु जैसे प्रमुख महानगरों से सीधी कनेक्टिविटी मिलने से नागरिकों, व्यवसायियों और विद्यार्थियों को विशेष लाभ होगा तथा आवागमन अधिक सुगम और समयबद्ध हो सकेगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक एयरपोर्ट के माध्यम से क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर की हवाई सुविधाओं से जोड़ने का संकल्प साकार हो रहा है और यह पहल ग्वालियर के समग्र विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।

# शुक्रवार से दिल्ली और कश्मीर के बीच शुरू होगी मालगाड़ी सेवाः उत्तरी रेलवे

**जम्मू ।** उत्तरी रेलवे के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि शुक्रवार से नई दिल्ली के आदर्श नगर से कश्मीर के बडगाम के बीच संयुक्त पार्सल प्रोडक्ट रैपिड कार्गो सर्विस (जेपीपी-आरसीएस) ट्रेन चलाई जाएगी।

उत्तरी रेलवे के बयान के अनुसार, यह ट्रेन नई दिल्ली के आदर्श नगर स्टेशन और मध्य कश्मीर के बडगाम के बीच संचालित होगी।

अधिकारियों ने कहा कि इससे घाटी के व्यापारियों, खासकर फल उत्पादकों और हस्तशिल्प कारीगरों को बड़ी राहत मिलेगी।

आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह सेवा फिलहाल 31 मई तक ट्रायल आधार पर नियमित रूप से चलाई जाएगी। इसके बाद यात्रियों और माल की मांग (ऑक्यूपेंसी) संतोषजनक रहने पर इसे स्थायी सेवा में शामिल किया जा सकता है।

ट्रेन संख्या 00462 बडगाम से सुबह 6:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 5 बजे दिल्ली के आदर्श नगर पहुंचेगी।

रास्ते में माल चढ़ाने और उतारने की सुविधा के लिए ट्रेन बाड़ी ब्राह्मण और अंबाला कैंट स्टेशन पर भी निर्धारित ठहराव करेगी।

बयान में कहा गया कि बाड़ी ब्राह्मण रेलवे स्टेशन पर ट्रेन 00462 का समय व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बदला गया है।

वापसी यात्रा में ट्रेन संख्या 00461 आदर्श नगर से सुबह 5 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 10:45 बजे बडगाम पहुंचेगी। इस विशेष पार्सल ट्रेन में आठ पार्सल वैन और एक सीटिंग-कम-लगेज कोच होगा।

रेलवे के अनुसार, यह सेवा सड़क परिवहन की तुलना में ज्यादा तेज होगी और 23-24 घंटे में दूरी तय करेगी, जिससे सेब और चेरी जैसे जल्दी खराब होने वाले सामान ताजे बने रहेंगे।

बयान में कहा गया कि इस पहल का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और केसर, अखरोट, पश्मीना शॉल और अन्य हस्तशिल्प उत्पादों को देश भर के बाजारों तक तेजी से पहुंचाना है।

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल ने पत्रकारों को बताया कि व्यापारियों और किसानों की लगातार मांग को देखते हुए 17 अप्रैल से 31 मई तक इस पार्सल ट्रेन को नियमित रूप से चलाने का फैसला लिया गया है।

## ‘आपके पांव देखे’ डायलॉग का राज ये पैर मीना कुमारी के नहीं, बॉडी डबल के थे

**मुंबई।** जो साज़ से निकली है, वो धुन सबने सुनी है, जो साज़ पे गुजरी है, वो किस दिल को पता है... यह मीना कुमारी की जिंदगी के लिए सटीक है, जिन्हें बॉलीवुड की ट्रेजडी क्वीन भी कहा जाता है। एक्ट्रेस मीना कुमारी का निधन 31 मार्च 1972 को हुआ था। सिनेमा के पर्दे पर जब भी एक अधूरी मोहब्बत और मुकम्मल अदाकारी का जिक्र होता है तो मीना कुमारी की फिल्म पाकीजा का नाम सबसे पहले आता है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि कमाल अमरोही का आलीशान सपना और मीना कुमारी की दर्द की कहानी थी। इस फिल्म को बनने में एक दशक से ज्यादा का समय लगा और फिल्म ऑइकॉनिक बन गई। फिल्म में मीना कुमारी की अदायगी, आंखों की चमक और क्लासिकल डांस ने उनके किरदार को जीवंत कर दिया। फिल्म के डायलॉग आज भी सदाबहार हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म का कुछ हिस्सा और महत्वपूर्ण डांस स्टेप्स मीना कुमारी ने शूट ही नहीं किए थे।

आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें ज़मीं पे मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे, यह आइकॉनिक डायलॉग मुहब्बत की दास्तान बना, जिसमें मीना कुमारी के खूबसूरत पैरों को दिखाया गया, लेकिन असल में वो पैर मीना कुमारी के नहीं थे। ये पैर थे पद्मा खन्ना के। सिर्फ पैर ही नहीं, बल्कि उन्होंने पाकीजा के आइकॉनिक सॉन्ग %ठाड़े रहियो,% %तीर-ए-नजर,% और %चलो दिलदार चलो% जैसे गानों में उनकी जगह क्लासिकल डांस किया था।

दरअसल, पाकीजा की शूटिंग के वक्त मीना कुमारी की बीमारी लिवर सिरोसिस गंभीर हो चुकी थी। अभिनेत्री का पेट भी फूलने लगा था। फिल्म में सामान्य सीन फिल्माना भी मुश्किल हो गया था। ऐसे में फिल्म को आगे बढ़ाने के लिए कमाल अमरोही को ऐसी कलाकार की तलाश थी, जो मीना कुमारी जैसी दिखती और उनका क्लॉसिकल डांस भी उनके जैसा हो, जिसके बाद फिल्म की शूटिंग के लिए पद्मा खन्ना को लाया गया। ठाड़े रहियो में लॉन्ग शॉर्ट और तेज डांस के सीक्वेंस को पद्मा खन्ना ने फिल्माया था। गाने में मीना कुमारी के क्लोजअप शॉर्ट और एक्सप्रेशन का इस्तेमाल किया गया था। इसी फिल्म का दूसरा गाना %तीर-ए-नजर% में मीना कुमारी ने मुंह पर दुपट्टा रखकर शानदार क्लासिकल डांस किया, लेकिन वो असल में मीना कुमारी नहीं, पद्मा खन्ना थीं। गाने को जीवंत करने के लिए बेहतरीन क्लासिकल डांस की पेशकश करनी थी, लेकिन मीना कुमारी की हालत खराब थी। वे चलते-चलते गाने में बेहोश हो गई थीं, जिसके बाद बाकी का गाना पद्मा खन्ना की मदद से पूरा किया गया था।

# क्या भारत में घरेलू कामगार न्यूनतम वेतन के हकदार हैं? घरेलू सहायकों के बारे में कानून क्या कहता है

क्या आप अपनी घर में काम करने वाली मददगार को पर्याप्त वेतन दे रहे हैं? शायद आपको इसका पता ही न हो, क्योंकि भारत में घरेलू कामगारों को कितना भुगतान किया जाना चाहिए, इसे तय करने के लिए कोई स्पष्ट नियम पुस्तिका नहीं है। मंगलवार, 14 अप्रैल को, जब नोएडा में फैक्ट्री मजदूर न्यूनतम वेतन बढ़ाने और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों की मांग को लेकर विरोध कर रहे थे, उसी से प्रेरित होकर घरेलू कामगार भी सामने आए। नोएडा के सेक्टर 121 स्थित क्लियो काउंटी के बाहर कई घरेलू कामगार इकट्ठा हुए और अधिक वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

इन घरेलू कामगारों ने सवाल उठाया कि उन्हें सरकार के न्यूनतम वेतन नियमों के तहत क्यों नहीं लाया गया है। उनका कहना था कि नोएडा, गुरुग्राम और दिल्ली जैसे शहरों में जीवन-यापन की लागत काफी बढ़ने के बावजूद उनकी तनख्वाह वर्षों से स्थिर बनी हुई है। वेतन बढ़ाने के अलावा, घरेलू कामगारों ने यह भी मांग की कि उन्हें हर महीने चार दिन की छुट्टी दी जाए, जबकि फिलहाल उन्हें केवल दो दिन की छुट्टी मिलती है।

घरेलू कामगारों की इन मांगों ने एक बड़े सवाल को सामने ला दिया है- क्या घरेलू सहायकों को भारत के श्रम कानूनों के तहत कवर किया गया है और क्या वे न्यूनतम वेतन के हकदार हैं? इस सवाल का जवाब, भले ही अधिकतर मामलों में नकारात्मक दिखता हो, लेकिन वास्तव में यह काफी जटिल है।

क्या भारत में घरेलू कामगार न्यूनतम वेतन के पात्र हैं?

सिद्धांत रूप में, भारत में घरेलू कामगारों को न्यूनतम वेतन मिलना चाहिए। लेकिन वास्तविकता में यह स्थिति असमान है और काफी हद तक राज्यों पर निर्भर करती है। कानून मौजूद है, लेकिन इसका कवरेज अधूरा है और लागू करने की प्रक्रिया कमजोर है।

वेतन संहिता, 2019 राज्य सरकारों को न्यूनतम वेतन तय करने का अधिकार देती है और निर्धारित दरों से कम भुगतान को अवैध बनाती है। हालांकि यह प्रावधान घरेलू कामगारों पर भी लागू होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में ऐसा नहीं होता।

घरेलू कामगार असंगठित क्षेत्र का हिस्सा हैं और उन्हें हर जगह स्वतः कवर नहीं किया जाता। उनका कवरेज राज्य सरकारों की अधिसूचनाओं पर निर्भर करता है।

कुछ राज्यों ने घरेलू काम को न्यूनतम वेतन सूची में शामिल किया है,

तमिलनाडु
केरल
कर्नाटक
आंध्र प्रदेश
राजस्थान
बिहार

इन राज्यों में नियोक्ताओं के लिए घरेलू कामगारों को राज्य द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन देना कानूनी रूप से अनिवार्य है। हालांकि, यहां भी इन वेतनों को लागू कराना मुश्किल होता है, क्योंकि ये कामगार निजी घरों में काम करते हैं, जिन्हें औपचारिक संस्थान के रूप में मान्यता नहीं दी जाती।

वहीं, कई राज्यों में अभी भी उन्हें पूरी तरह शामिल नहीं किया गया है। कई जगह घरेलू कामगारों को बाहर रखा गया है या उनके लिए कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है। इसका मतलब है कि वहां न्यूनतम वेतन से कम भुगतान करना स्पष्ट रूप से अवैध नहीं माना जाता।

घरेलू सहायकों के न्यूनतम वेतन पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा घरेलू कामगारों से जुड़ी कानूनी अस्पष्टता को भारत के सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वीकार किया है, लेकिन देशभर में एक समान समाधान लागू करने से परहेज किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि घरेलू कामगार कानूनी सुरक्षा के हकदार हैं, लेकिन वह पूरे देश में एक समान न्यूनतम वेतन लागू करने के पक्ष में नहीं है।

एक मामले में अदालत ने कहा कि घरेलू कामगारों को ÷कानून की सुरक्षा÷ की जरूरत है, लेकिन केंद्र सरकार को वेतन तय करने का निर्देश देने से बचते हुए यह जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ दी। हाल ही में भी कोर्ट ने यही रुख दोहराया और राज्य सरकारों से घरेलू कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन नीतियां बनाने पर विचार करने को कहा, बिना इसे अनिवार्य बनाए।

इसका नतीजा यह है कि एक ऐसी स्थिति बनी हुई है, जहां सुरक्षा की आवश्यकता को न्यायपालिका ने स्वीकार तो किया है, लेकिन कार्रवाई की जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं है, जिससे घरेलू कामगारों का क्षेत्र अभी भी आंशिक रूप से मान्यता प्राप्त लेकिन पूरी तरह विनियमित नहीं है।घरेलू कामगारों के वेतन के लिए कानूनी ढांचा बनाना मुश्किल क्यों है?

तीन प्रमुख कारण हैं जिनकी वजह से घरेलू कामगारों को एक समान न्यूनतम वेतन प्रणाली के तहत लाना कठिन होता है-

काम निजी घरों के अंदर होता है और घरों को औपचारिक ÷संस्थान÷ नहीं माना जाता, इसलिए श्रम निरीक्षण कानूनी और सामाजिक रूप से जटिल हो जाता है।

घरेलू कामगारों का रोजगार बिखरा हुआ होता है। एक कामगार 5ङ्क10 घरों में काम कर सकता है, जिससे पारंपरिक अर्थ में एक ÷नियोक्ता÷ तय करना मुश्किल हो जाता है।

संघीय ढांचा- श्रम आंशिक रूप से राज्य का विषय है, इसलिए यह राज्यों पर निर्भर करता है कि वे घरेलू कामगारों को श्रम कानूनों में शामिल करें और वेतन तय करें।

क्या एजेंसियों के जरिए रखे गए घरेलू कामगार ज्यादा सुरक्षित हैं?

एजेंसी के जरिए काम करने वाली घरेलू सहायिकाओं की स्थिति स्वतंत्र कामगारों की तुलना में थोड़ी बेहतर हो सकती है, लेकिन पूरे भारत में इनके लिए भी कोई स्पष्ट और एक समान कानूनी ढांचा नहीं है।

भले ही आप किसी एजेंसी के माध्यम से कामगार रखें, उनका कार्यस्थल निजी घर ही रहता है और वे असंगठित क्षेत्र का हिस्सा ही माने जाते हैं।

कुछ राज्यों, जैसे महाराष्ट्र और दिल्ली (केंद्र शासित प्रदेश), ने प्लेसमेंट एजेंसियों के पंजीकरण और कामगारों के पुलिस सत्यापन जैसे नियम लागू करने की कोशिश की है। हालांकि, इन नियमों का पालन अभी भी असमान है और कई एजेंसियां अनौपचारिक रूप से काम करती रहती हैं।

क्या ऐप्स जैसे स्नैबिट, प्रोंटो, इंस्टा हेल्प स्थिति बदल रहे हैं?

अर्बन कंपनी, प्रोंटो और स्नैबिट जैसे प्लेटफॉर्म अधिक संरचना, कीमतों में पारदर्शिता और ट्रैकिंग की सुविधा लाते हैं, लेकिन वे घरेलू कामगारों को श्रम कानून के तहत पूर्ण रूप से संरक्षित कर्मचारी नहीं बनाते।

इन ऐप्स पर काम करने वाले कामगारों को गिग या स्वतंत्र कामगार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्लेटफॉर्म उन्हें पार्टनर यासर्विस प्रोफेशनल कहते हैं।

इसलिए कानूनी रूप से वे कर्मचारी नहीं माने जाते और उन्हें न्यूनतम वेतन की कोई गारंटी या औपचारिक नियोक्ता-कर्मचारी अनुबंध नहीं मिलता।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 ही ऐसा कानून है जो गिग कामगारों को सीधे तौर पर पहचानता है। यह गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों की परिभाषा देता है और सरकार को बीमा व कल्याण योजनाएं बनाने की अनुमति देता है, लेकिन न्यूनतम वेतन की गारंटी नहीं देता।

वेतन के बजाय, ये कामगार सफाई, खाना बनाने जैसे कार्यों के लिए प्रति-कार्य भुगतान के आधार पर कमाई करते हैं। प्लेटफॉर्म इन भुगतानों का एक हिस्सा कमीशन के रूप में लेते हैं। साथ ही, रेटिंग, काम की संख्या और पीक समय के आधार पर प्रोत्साहन भी मिलता है।

हालांकि इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए भुगतान में पारदर्शिता और बेहतर मानक स्थापित होने की दिशा में कदम बढ़े हैं, लेकिन भारत में घरेलू कामगारों के लिए न्यूनतम वेतन अभी भी हकीकत से काफी दूर है।

## 15 साल बड़े गणपत राव से पहली शादी, तलाक के 20 साल बाद थामा था छह साल छोटे आरडी बर्मन का हाथ

**मुंबई।** सिंगर आशा भोसले की मधुर आवाज ने दशकों तक करोड़ों दिलों को छुआ, लेकिन उनकी निजी जिंदगी का एक हिस्सा विवादों और संघर्षों से भरा रहा। 92 वर्ष की उम्र में दुनिया से विदा लेने वाली आशा ताई ने दो शादियां कीं। पहली शादी उनसे 15 साल बड़े व्यक्ति गणपत राव से हुई थी, जबकि दूसरी शादी तलाक के करीब 20 साल बाद उनसे 6 साल छोटे संगीतकार आरडी बर्मन से हुई।

उनकी दोनों शादियां सिनेमा जगत में हमेशा चर्चा का विषय बनी रहीं। आशा भोसले की पहली शादी बहुत कम उम्र में हुई थी। जानकारी के अनुसार, वह मात्र 16 साल की थीं, जब उन्होंने लता मंगेशकर के सेक्रेटरी गणपत राव भोसले से शादी कर ली। गणपत राव उनसे 15 साल बड़े थे। इस लव मैरिज को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया।

जैसे-तैसे शादी कुछ साल चली। शादी के 11 साल बाद 1960 में गणपत राव और आशा भोसले दोनों अलग हो गए थे। इस रिश्ते से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए बेटी वर्षा भोसले, बेटे हेमंत भोसले और आनंद भोसले। गणपत राव ने आशा भोसले को दो बच्चों के साथ और तीसरे बच्चे की गर्भावस्था के दौरान ही घर से निकाल दिया था। तलाक के बाद आशा भोसले ने अपनी जिंदगी को संवारने पर पूरा ध्यान दिया। उन्होंने गाने गाकर अपनी पहचान बनाई और करियर में आगे बढ़ती गईं।

उन्होंने 20 से ज्यादा भाषाओं में गाने गाए और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने करीब 12 हजार गाने रिकॉर्ड किए, जो किसी भी भारतीय गायिका के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। तलाक के लगभग 20 साल बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर प्यार आया। एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान उनकी मुलाकात मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर राहुल देव बर्मन यानी आरडी बर्मन से हुई। आरडी बर्मन आशा भोसले से 6 साल छोटे थे। आरडी बर्मन ने ही पहले आशा भोसले से अपने प्यार का इजहार किया था। इसके बाद दोनों ने जिंदगी साथ में गुजारने का फैसला लिया और साल 1980 में शादी कर ली। यह आरडी बर्मन की भी दूसरी शादी थी। उनकी पहली पत्नी रीता पटेल से 1971 में तलाक हो चुका था। हालांकि, आरडी बर्मन की मां इस रिश्ते के खिलाफ थीं।

## भारतीय सिनेमा का पहला सुपरस्टार रेलवे में टाइमकीपर तो होटल में काम, जिन्होंने देवदास को अमर कर दिया

**मुंबई।** फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे कई सितारे हुए जिनका नाम लेते ही फिल्में हों या गाने प्रशंसकों के मानस पटल पर छा जाते हैं। भारतीय सिनेमा जगत के ऐसे ही एक सितारे का नाम कुंदन लाल सहगल है, जिन्हें केएल सहगल के नाम से खूब लोकप्रियता मिली।

छोटी नौकरियों से शुरू करके उन्होंने भारतीय सिनेमा को अपनी अनोखी आवाज और अभिनय से समृद्ध किया। देवदास के जरिए उन्होंने न सिर्फ एक चरित्र को अमर बनाया, बल्कि खुद को भारतीय सिनेमा का पहला सुपरस्टार साबित किया। उनकी मेहनत, संघर्ष और संगीत की विरासत आज भी नई पीढ़ी को प्रेरित करती है। 11 अप्रैल 1904 को जम्मू के नवा शहर में जन्में अभिनेता को भारतीय फिल्म जगत का पहला सुपरस्टार माना जाता है। उनकी एक्टिंग ही नहीं आवाज भी कमाल थी। कहा जाता है कि फिल्में उनके नाम से ही सुपरहिट हो जाती थीं। संगीत की दुनिया में मेलोडी की नींव रखने वाले कलाकार के रूप में भी वह याद किए जाते हैं। कुंदन लाल सहगल के पिता तहसीलदार थे, लेकिन घर में संगीत की कोई पारंपरिक विरासत नहीं थी। मां केसर बाई के भजनों ने बचपन से ही कुंदन के मन में सुरों का बीज बो दिया। उनकी संगीत शिक्षा किसी बड़े उस्ताद के घर पर नहीं हुई। उन्होंने सूफी संतों की दरगाहों और रामलीला के मंचों पर गाकर खुद को संगीत की दुनिया से जोड़ा। फिल्मों में आने से पहले सहगल की जिंदगी संघर्ष भरी थी। उन्होंने स्कूल छोड़कर रेलवे में टाइमकीपर के रूप में काम शुरू किया। बाद में वे टाइपराइटर कंपनी में सेल्समैन बने। इस नौकरी ने उन्हें पूरे भारत घूमने का मौका दिया। अलग-अलग जगहों की भाषाएं, संस्कृति और लोक संगीत उन्होंने अपने अंदर समेट लिया। यहीं नहीं कुछ समय के लिए उन्होंने होटल में भी काम किया। इन छोटी-छोटी नौकरियों के बीच उनका गाने का शौक कभी नहीं रुका। 1930 का दशक भारतीय सिनेमा में बोलती फिल्मों का दौर था। सहगल कोलकाता पहुंचे, जहां न्यू थिएटर्स के बीएन सरकार ने उनकी अनोखी आवाज को पहचाना। शुरुआत सहगल कश्मीरी% नाम से हुई, लेकिन असली पहचान 1935 में आई फिल्म देवदास से मिली। शरतचंद्र चट्टोपाध्याय की प्रसिद्ध कहानी देवदास में सहगल ने मुख्य भूमिका निभाई। उनकी अभिनय और गायकी ने इस चरित्र को अमर बना दिया। फिल्म के गीत जैसे बालम आए बसो मोरे मन में और दुख के अब दिन बीतत नाहीं ने पूरे देश में धूम मचा दी।

## तापमान 40°C के पार; घर को ठंडा रखने के 5 प्राकृतिक तरीके

भारत के कई हिस्सों में तापमान 40एष्ट से ऊपर पहुंचने के साथ ही इसका असर सिर्फ बाहर ही नहीं, बल्कि घरों के अंदर भी महसूस होने लगता है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी असहज हो जाती है। लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव से डिहाइड्रेशन, थकान, खराब नींद और यहां तक कि गर्मी से जुड़ी बीमारियां भी हो सकती हैं। ऐसे में घर के अंदर का माहौल ठंडा रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

हालांकि एयर कंडीशनर तुरंत राहत देते हैं, लेकिन वे हर किसी के लिए सुलभ या टिकाऊ विकल्प नहीं होते। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान और प्राकृतिक तरीकों से भी आप बिना ज्यादा बिजली खर्च किए अपने घर को ठंडा रख सकते हैं।

गर्मी को घर में आने से रोकें

घर को ठंडा रखने का सबसे प्रभावी तरीका है कि गर्मी को अंदर आने से ही रोका जाए। तेज धूप के समय, खासकर पश्चिम और दक्षिण दिशा की खिड़कियों पर परदे या ब्लाइंड्स बंद रखें।

मोटे कॉटन के परदे, बांस के ब्लाइंड्स या रिफ्लेक्टिव विंडो फिल्म का इस्तेमाल करें, जिससे गर्मी का अवशोषण कम हो। हल्के रंग के कपड़े इस्तेमाल करना भी फर्क डाल सकता है।

क्रॉस वेंटिलेशन बढ़ाएं

हीटवेव के दौरान हवा का सही प्रवाह बहुत जरूरी होता है। सुबह जल्दी और शाम को खिड़कियां खोलें, ताकि ठंडी हवा घर के अंदर आ सके।

घर के विपरीत दिशाओं की खिड़कियां खोलकर क्रॉस वेंटिलेशन बनाएं, इससे गर्म हवा बाहर निकलती है और ताजी हवा अंदर आती है, जिससे तापमान स्वाभाविक रूप से कम होता है।

इनडोर पौधे लगाएं

घर के पौधे न केवल सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि तापमान नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। पौधे ट्रांसपिरेशन प्रक्रिया के जरिए हवा में नमी छोड़ते हैं, जिससे हल्का ठंडक का प्रभाव पैदा होता है।अरेका पाम, एलोवेरा और स्नेक प्लांट जैसे पौधे कम देखभाल वाले हैं और भारतीय घरों के लिए उपयुक्त हैं। पानी का इस्तेमाल ठंडक के लिए करें पानी घर के अंदर तापमान कम करने में काफी मददगार होता है। खिड़कियों के पास पानी से भरे बर्तन रखें, गीले परदे लगाएं या दिन के सबसे गर्म समय में हल्का पोछा लगाएं, ताकि सतह ठंडी हो सके।

आप पंखे के सामने बर्फ से भरा बर्तन रखकर ठंडी हवा का एहसास भी पैदा कर सकते हैं।

हल्के और सांस लेने वाले कपड़े अपनाएं

घर के अंदर इस्तेमाल होने वाले कपड़े भी गर्मी को प्रभावित करते हैं। गर्मियों में भारी सोफा कवर, कालीन और बिस्तर हटाकर कॉटन और लिनन जैसे हल्के व सांस लेने वाले कपड़े इस्तेमाल करें।

ये कपड़े हवा के बेहतर प्रवाह में मदद करते हैं और गर्मी को अंदर फंसने नहीं देते।

निष्कर्ष

जैसे-जैसे हीटवेव ज्यादा आम और तीव्र होती जा रही है, अपने रहने की जगह को उसके अनुसार ढालना अब जरूरी हो गया है। छोटे-छोटे और समझदारी भरे बदलाव आपके घर को ठंडा, आरामदायक और ऊर्जा-कुशल बना सकते हैं। क्योंकि तापमान चाहे जितना बढ़ जाए, आराम हमेशा आपके पहुंच में होना चाहिए।

## जब क्लैपर बॉय राज कपूर को केदार शर्मा ने जड़ दिया थप्पड़, अगले ही दिन नील कमल के लिए किया था कास्ट

**मुंबई ।** तारीख बदलती गई, दिन ढलते गए, मगर सिनेमा जगत के कुछ सितारे ऐसे हुए जो कभी पुराने नहीं हुए। आज भी जब उनका जिक्र होता है तो सिनेमा का सुनहरा दौर अपनी बेहतरीन फिल्मों के साथ सामने आ जाता है। ऐसे ही बेहतरीन निर्देशक, गीतकार, और लेखक थे केदार शर्मा।

केदार शर्मा ने सिनेमा जगत को चित्रलेखा, अनाथ, ‘जोगन’, ‘सुहागरात’, ‘गौरी’, ‘विश्वकन्या’ और ‘विद्यापति’ जैसी नायाब फिल्में दीं। केदार शर्मा की 12 अप्रैल को जयंती है। फिल्म जगत में उनका नाम हमेशा सम्मान के साथ लिया जाता है। केदार शर्मा का जन्म पंजाब के नरौल शहर में हुआ था। आरंभिक शिक्षा अमृतसर में पूरी करने के बाद वे रोजगार की तलाश में मुंबई आए, लेकिन शुरुआती दिनों में संघर्ष करना पड़ा। बाद में वे कोलकाता पहुंचे, जहां देवकी बोस की फिल्म ‘पुराण भगत’ देखकर वे फिल्मी दुनिया में आने के लिए प्रेरित हुए। देवकी बोस की सिफारिश पर वह न्यूज थिएटर में छायाकार के रूप में जुड़े।

साल 1934 में ‘सीता’ फिल्म से उन्होंने सिनेमैटोग्राफर के रूप में शुरुआत की। 1936 में आई देवदास फिल्म उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। हालांकि, बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म ‘अनाथ’ रही। इसके बाद आई %चित्रलेखा,% जो भगवती चरण वर्मा के उपन्यास पर आधारित थी। साल 1964 में उन्होंने ‘चित्रलेखा’ का रीमेक किया, जिसमें अशोक कुमार, मीना कुमारी और प्रदीप कुमार मुख्य भूमिका में थे। केदार शर्मा की जिंदगी की सबसे चर्चित और अनोखी कहानी है राज कपूर से जुड़ी—जब उन्होंने क्लैपर बॉय बने राज कपूर को गुस्से में एक जोरदार थप्पड़ जड़ दिया और अगले ही दिन उन्हें अपनी फिल्म ‘नील कमल’ का हीरो बना दिया था।

केदार शर्मा पृथ्वीराज कपूर के अच्छे मित्र थे। पृथ्वीराज ने एक दिन उनसे कहा कि उनके बेटे राज कपूर को फिल्मों का काम सिखाएं। इस तरह राज कपूर केदार शर्मा के यहां क्लैपर बॉय बन गए। एक दिन शूटिंग के दौरान राज कपूर क्लैप देने के बजाय बालों में कंघी कर रहे थे। इससे केदार शर्मा को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने राज कपूर को जोरदार थप्पड़ मार दिया, लेकिन उसी पल उन्हें एहसास हुआ कि राज कपूर कैमरे के सामने आना चाहते हैं।

फिर क्या था, अगले ही दिन केदार शर्मा ने फैसला कर लिया और राज कपूर को अपनी फिल्म ‘नील कमल’ में हीरो बनाएंगे और अगले ही दिन उन्हें कास्ट भी कर लिया। इस फिल्म में उनकी नायिका थीं मधुबाला।

## थिएटर में बेबी की एक्टिंग देख इंप्रेस हो गए थे यूसुफ-निगार सुल्ताना, ऐसे मिला था मनोज कुमार की हीरोइन को ऑफर

**मुंबई।** गुजरे दौर की अभिनेत्री जबीन जलील ने 1954 में फिल्म ‘गुजारा’ से करियर की शुरुआत की और 1974 में ‘वचन’ उनकी आखिरी रिलीज फिल्म बनी। बीस साल के करियर में उन्होंने 34 फिल्मों में काम किया, जिसमें कई यादगार भूमिकाएं शामिल हैं।

1 अप्रैल को जन्मीं जबीन जलील की फिल्मी यात्रा एक अनोखे संयोग से शुरू हुई। स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने थिएटर भी किया। एक कॉलेज प्रोग्राम में जब वह मंच पर एक बच्ची का रोल निभा रही थीं, तो उस समय के मशहूर फिल्मकार एस.एम. यूसुफ और अभिनेत्री निगार सुल्ताना दर्शकों के बीच बैठे थे। बच्ची की एक्टिंग देख वे दोनों बहुत इंप्रेस हो गए। उन्हें वो बच्ची इतनी भा गई कि कार्यक्रम के बाद वे जबीन से मिले और सीधे ऑफर दे दिया कि वे उनकी फिल्म में हीरोइन का रोल करेंगी।

जबीन ने एक इंटरव्यू में खुद इस बात का जिक्र किया था। उन्होंने बताया, मैं फिल्म इंडस्ट्री में 1954 में आई थी। 1954 से 1968 तक यानी लगभग 14 साल मैंने फिल्मों में काम किया। असल में मैं फिल्म इंडस्ट्री से बिल्कुल नहीं थी। मैं बहुत अच्छी छात्रा थी। मैंने बॉम्बे की क्वीन मेरी स्कूल से पढ़ाई की और सीनियर कैंब्रिज में मुझे डिस्टिंक्शन मिला था। इसलिए पढ़ाई-लिखाई पर मेरा ज्यादा ध्यान था। कॉलेज के समय मैंने ‘नेक परवीन’ नाम का एक ड्रामा किया था। उसी दौरान एक थिएटर प्रोग्राम हुआ जिसमें मैंने काम किया। उस कार्यक्रम में मशहूर फिल्मकार एस.एम. यूसुफ और अभिनेत्री निगार सुल्ताना भी आए थे और दर्शकों के बीच बैठे थे। प्रोग्राम खत्म होने के बाद दोनों मुझे मिलने आए और कहने लगे, ‘बेबी, आप हमारी फिल्म में हीरोइन का काम करेंगी?’

उन्होंने आगे बताया, मैं तो यह सुनकर एकदम चकित रह गई। मैंने कहा, ‘मैं फिल्म इंडस्ट्री से बिल्कुल नहीं हूं, तो मैं इस फिल्म में कैसे काम कर सकती हूं?’ उन्होंने कहा, ‘नहीं-नहीं, आप अपने माता-पिता से बात कीजिए।’ उस समय मेरे पिता गुजर चुके थे, इसलिए मैंने अपनी मां को समझाया कि मुझे एक अच्छा मौका मिल रहा है, क्यों न मैं ट्राई करूं? अगले ही दिन मुझे वर्ली स्थित ईस्टर्न स्टूडियो बुलाया गया। वहां मेरा स्क्रीन टेस्ट हुआ। टेस्ट इतना अच्छा हुआ कि मैं खुद हैरान रह गई। खासकर मेरी आंखें स्क्रीन पर इतनी छा गई थीं कि मैं खुद हैरान थी। इस तरह मुझे फिल्म में काम करने का मौका मिल गया।

जबीन ने ‘पंचायत’ फिल्म में मनोज कुमार की पहली हीरोइन बनकर काम किया। यह फिल्म काफी सफल रही। इसके अलावा उन्होंने किशोर कुमार, शमी कपूर, प्रदीप कुमार, जवाहर कौल, सुदेश कुमार, प्रेम चोपड़ा, चंद्रशेखर और सत्यजीत रे की फिल्म ‘अभिजन’ में भी काम किया। ‘अभिजन’ के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला।जबीन जलील ने इंडस्ट्री में हमेशा न्यू कमर्स को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सुरेश पुरी और धर्मेंद्र जैसी नई प्रतिभाओं के साथ काम किया। अपने करियर के बारे में उन्होंने ईमानदारी से कहा, कुछ अच्छा, कुछ बुरा रहा। इंडस्ट्री आसान नहीं है। यहां बहुत सारी उम्मीदें टूटती हैं। मैंने कभी अपने आत्म सम्मान से समझौता नहीं किया। बड़े बैनर और बड़े निर्देशकों की फिल्मों से मुझे हटा दिया गया, लेकिन मैंने कभी शिकायत नहीं की।

जबीन जलील की शादी कश्मीरी पंडित अशोक काक से हुई थी। उन्होंने बताया कि दोनों धर्म अलग थे, लेकिन उन्होंने कभी एक-दूसरे को बदलने की कोशिश नहीं की। उनकी शादी सिविल मैरिज थी। अब वह अपनी जिंदगी से पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने अपने बेटे को भी फिल्म लाइन में आने से रोका क्योंकि आजकल की फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें कलात्मकता कम और व्यापार ज्यादा दिखता है।

# ‘कई ट्रायल के बाद फाइनल हुआ लैला का लुक’, ‘गली’ सीरीज के लिए हंसिका मोटवानी ने की कड़ी मेहनत

**मुंबई।** फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में किसी किरदार को यादगार बनाने के लिए सिर्फ अच्छी एक्टिंग ही काफी नहीं होती, बल्कि उस किरदार का लुक, पहनावा और पूरा व्यक्तित्व भी उतना ही मायने रखता है। दर्शक तभी उस किरदार से जुड़ पाते हैं। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने भी अपनी आने वाली सीरीज ‘गली’ की तैयारी की है। उन्होंने अपने किरदार के लिए किए गए ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर खुलकर बात की। हंसिका मोटवानी जल्द ही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली इस सीरीज में ‘लैला’ नाम का किरदार निभाती नजर आएंगी।

इस किरदार को खास बनाने के लिए हंसिका ने काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, ‘’लैला का लुक तैयार करने में काफी मेहनत लगी। यह एक बार में तय नहीं हुआ, बल्कि इसके लिए कई बार ट्रायल किए गए। इस किरदार में कई अलग-अलग पहलू हैं, इसलिए उसका लुक भी उसी हिसाब से तैयार करना जरूरी था। लगभग 3 से 4 बार अलग-अलग टेस्ट करने के बाद फाइनल लुक तय किया गया।’’

हंसिका ने कहा, ‘’लैला का स्वभाव और उसकी पर्सनैलिटी उसके लुक को तय करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इस किरदार में एक खास नजाकत और तहजीब है, जिसे उसके कपड़ों और स्टाइल के जरिए दिखाना जरूरी था, इसलिए उसके पहनावे को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया, ताकि वह किरदार के हर पहलू को सही तरीके से दर्शा सके। मेरा मानना है कि किसी भी किरदार की पहचान सिर्फ उसके डायलॉग से नहीं, बल्कि उसके पूरे लुक से बनती है।’’

उन्होंने आगे कहा, ‘’इस पूरे प्रोसेस में टीमवर्क बहुत जरूरी था। मैंने और सीरीज के डायरेक्टर ने मिलकर इस लुक पर काम किया। दोनों के पास अपने-अपने विचार थे। मैंने भी अपने सुझाव दिए और डायरेक्टर ने भी अपनी सोच साझा की, जिन्हें मिलाकर एक ऐसा लुक तैयार किया गया, जो किरदार के साथ पूरी तरह फिट बैठता है।

# टाइम मैगजीन ने 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की; सुंदर पिचाई, रणबीर कपूर और विकास खन्ना शामिल

**नई दिल्ली।** टाइम मैगजीन ने 2026 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट को जारी कर दिया है। इसमें गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और सेलिब्रिटी शेफ विकास खन्ना को शामिल किया है।

मैगजीन ने अपनी ताजा सूची में विभिन्न क्षेत्रों के उन व्यक्तियों को शामलि किया है जिनका काम इनोवेशन, क्रिएटिविटी, लीडरशीप और सामाजिक प्रभाव के माध्यम से ग्लोबल नैरेटिव को प्रभावित कर रहा है।

लिस्ट में सुंदर पिचाई को गूगल इकोसिस्ट में उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में लीडरशीप के लिए जगह दी गई है।

उनकी लीडरशीप में, एआई टूल्स को सर्च, एंड्रॉइड और क्रोम जैसे उत्पादों में एकीकृत किया गया है, और कंपनी बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच अपने जेमिनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है।

टाइम मैगजीन में प्रकाशित पिचाई की प्रोफाइल लिखने वाले एआई एक्सपर्ट एंड्रयू एनजी ने कहा कि ऐसे युग में जहां एआई ज्ञान और कार्य को नया आकार दे रही है, उनका प्रभाव इस बात में निहित है, कि इसका कितना व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

वहीं, ‘आर्टिस्ट’ लिस्ट में रणवीर कपूर को उनकी विशिष्ट अभिनय शैली और सहज प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, जिसने भारतीय सिनेमा में दर्शकों की अपेक्षाओं को नया रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उनके कार्यों ने भारतीय कहानी कहने की कला को व्यापक वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने में भी योगदान दिया है।इसके अलावा, शेफ विकास खन्ना को उनकी कुकिंग में उत्कृष्टता के साथ-साथ मानवीय और सांस्कृतिक योगदान के लिए भी सम्मानित किया गया।

टाइम मैगजीन में कहा गया कि उनके काम की सराहना इस बात के लिए की जाती है कि उन्होंने भोजन को संस्कृतियों के बीच एक सेतु के रूप में इस्तेमाल किया और भारतीय परंपराओं को विश्व स्तर पर प्रदर्शित किया।खन्ना की प्रोफाइल लिखने वाले शेफ एरिक रिपर्ट ने कहा कि खन्ना का प्रभाव केवल सफलता में ही नहीं, बल्कि ‘दूसरों को प्रेरित करने और उनसे जुड़ने’ में भी निहित है। उन्होंने आगे कहा कि अपने रेस्टोरेंट बंगलो के माध्यम से खन्ना ने एक ऐसा स्थान बनाया है जहां भोजन स्मृति और विरासत से जुड़ी कहानियों का माध्यम बन जाता है।इसके अलावा लिस्ट में शामिल व्यक्तियों में यूट्यूब के सीईओ नील मोहन, न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी, पोप लियो एक्सआईवी, आर्टेमिस ढ्ढ मिशन के कमांडर रीड विजमैन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शामिल हैं। इस सूची में प्रमुख एशियाई नेता भी शामिल हैं, जिनमें जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और नेपाल के युवा प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह शामिल हैं।वार्षिक ‘टाइम100’ लिस्ट राजनीति, प्रौद्योगिकी, मनोरंजन, व्यापार और संस्कृति के क्षेत्र में उन वैश्विक हस्तियों को सम्मानित करती है ।

# ‘कॉकटेल-2’ के सेट पर रश्मिका मंदाना की मस्ती, शाहिद व कृति के साथ सिसिली में जमकर किया डांस

**मुंबई।** अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘कॉकटेल-2’ में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे दीया नाम की लड़की का किरदार अदा कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना ‘जब तलक’ रिलीज हुआ था, यह एक मस्ती भरा बीट वाला गाना है, जिसमें शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन समुद्र किनारे डांस करते नजर आ रहे हैं।

गुरुवार को अभिनेत्री रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर सॉन्ग ‘जब तलक’ का बीटिएस वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वे अपने को-स्टार शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ खूब मस्ती करते नजर आ रही हैं। रश्मिका ने अपनी पोस्ट में बताया कि गाने की शूटिंग इटली के सिसिली में हुई थी।

शूटिंग के दौरान शॉट्स के बीच में तीनों अभिनेता अचानक डांस करने लगते और छोटी-छोटी बातों पर हंसते रहते थे।

रश्मिका ने लिखा कि यह अनुभव उनके लिए बहुत यादगार रहा। अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, ‘दिया की डायरी का एक पन्ना, हमने सॉन्ग ‘जब तक’ गाने की शूटिंग इटली के सिसिली में की, वहां सब कुछ मजेदार था। शॉट्स के बीच में यूं ही डांस करना, हर वक्त मस्ती, छोटी-छोटी बातों पर हंसना और फिर भी पूरे स्टाइल के साथ शूट पूरा कर लेना।

अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में लिखा, ‘दिया उस समय अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे पल जी रही थी और जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा क्यों यहां बहुत सारी मस्ती थी और उससे भी ज्यादा डांस।

रश्मिका ने अपने डांस के साथी, कृति और शाहिद के लिए उन्होंने लिखा, ‘एली और कुंजी सच में डांस और शरारत के पार्टनर। मुझे नहीं लगता कि दिया, कुणाल और एली एक पल के लिए भी सीरियस रहे, तब भी जब उन्हें सीरियस होना चाहिए था।

उन्होंने आखिरी में लिखा, ‘तुम लोग पागल हो और यही पागलपन मुझे बहुत पसंद है। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।’ ‘कॉकटेल-2’ 19 जून को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म कॉकटेल-2 में रश्मिका के अलावा शाहिद कपूर और कृति सेनन भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है और दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देने वाली है।

# अनुराग कश्यप का साइन किया चेक आज भी अंजुम बत्रा के लिए है ‘अनमोल’

**मुंबई।** अभिनेता अंजुम बत्रा इन दिनों वेब सीरीज ‘मामला लीगल है-2’ में अपने बेहतरीन अभिनय को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने मिंटू का रोल निभाया है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आ रहा है। अभिनेता ने बताया कि उनकी पहली सैलरी का चेक उनके लिए बहुत खास है।

अंजुम ने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया, ‘मेरी पहली कमाई, जिस पर अनुराग कश्यप के दस्तखत हैं। वह मेरे दिल मे खास जगह रखता है। मेरे एक दोस्त ने इसकी एक कॉपी अपने पास रखी हुई है। मैंने इसे सालों से नहीं देखा है, लेकिन अब याद आने पर इसे जरूर दोबारा देखूंगा।

अभिनेता ने आगे ‘देव डी’ का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय उन्हें एक्टिंग की बारीकियां बिल्कुल नहीं पता थीं। उन्होंने कहा, ‘’मिड-शॉट’, ‘क्लोज-अप’ या ‘ओवर-द-शोल्डर’ जैसे टेक्निकल शब्दों का भी मतलब नहीं समझ आता था। अगर आज वही रोल मिले तो वे उसे ज्यादा समझदारी और परिपक्वता के साथ निभा सकूंगा। अभिनेता ने आगे कहा कि एक अभिनेता के तौर पर पहचान बनाना और अपने अंदर का हुनर साबित करना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा, ‘जब दर्शक और इंडस्ट्री के लोग आपके काम की तारीफ करते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। यह संतोष की बात होती है।

अंजुम का मानना है कि कंटेंट बेस्ड शोज अभिनेताओं को अच्छे मौके देते हैं। खासकर कॉमेडी में, जो सबसे मुश्किल कामों में से एक हैं। उन्होंने कहा, ‘इससे किरदार को गहराई से समझने और निभाने का मौका मिलता है। ‘मामला लीगल है 2’ जैसी सीरीज में कॉमेडी और कोर्टरूम ड्रामा का मिश्रण दर्शकों को खूब भा रहा है।

# ‘मोर सब दा बनुगा’ के लिए पूरी तरह बदले राहुल देव, कहा- ‘यह रोल अनुशासन और समर्पण मांगता है’

**मुंबई।** फिल्मों में किसी किरदार को पर्दे पर जीवंत बनाने के लिए कलाकार को पूरी तरह बदलना पड़ता है। कई बार यह बदलाव शारीरिक होता है, तो कई बार मानसिक रूप से भी गहराई से उतरना पड़ता है। ऐसे में अनुभवी अभिनेता राहुल देव ने अपनी भावनाओं को साझा किया, जो आने वाले प्रोजेक्ट में अपने किरदार के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

राहुल देव इन दिनों पंजाबी फिल्म ‘मोर सब दा बनुगा’ की तैयारी में जुटे हुए हैं, जिसमें उनके साथ प्रिंस कवलजीत सिंह भी नजर आएंगे। इस फिल्म में राहुल ‘राणा’ नाम के किरदार को निभा रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने खुद को पूरी तरह बदलने की कोशिश की है। इस पर उन्होंने कहा, ‘’यह रोल सिर्फ एक्टिंग का नहीं, बल्कि पूरी तरह समर्पण और अनुशासन का है, जिसके लिए मैं खुद को हर स्तर पर तैयार कर रहा हूं।’’

राहुल देव ने बताया कि उन्होंने अपने इस किरदार को असली दिखाने के लिए कई खास कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ‘मैंने गांव में बोली जाने वाली पंजाबी भाषा को सीखने और उसे सही तरीके से बोलने के लिए काफी समय दिया, ताकि मेरा किरदार बिल्कुल सच्चा लगे। इसके अलावा मैंने इस फिल्म में बिना मेकअप के काम करने का फैसला लिया, जिससे मेरा लुक नेचुरल दिखाई दे।‘

भाषा और लुक के अलावा, राहुल देव ने अपनी फिटनेस पर भी खास ध्यान दिया। उन्होंने कहा, ‘’मैंने एक सख्त डाइट फॉलो की और कड़ी ट्रेनिंग की, ताकि मेरा शरीर मेरे किरदार के मुताबिक दिख सके। इन सब कदमों के पीछे मेरा मकसद यही है कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे और वे इससे जुड़ाव महसूस कर सकें।’’

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए राहुल देव ने कहा, ‘’यह किरदार पूरी मेहनत और अनुशासन की मांग करता है। मैं खुद को एक ऐसे स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहा हूं, जहां मेरा अभिनय और किरदार की सच्चाई एक साथ नजर आए। मेरा मानना है कि भूमिका के लिए सिर्फ एक खास लुक बनाना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस किरदार को अंदर से महसूस करना सबसे जरूरी होता है।’’

फिल्म ‘मोर सब दा बनुगा’ की कहानी भी काफी दमदार बताई जा रही है। इसकी टैगलाइन है, ‘छोटे घरों में जन्म, लेकिन बड़े काम करने के लिए बने।’ फिल्म आम लोगों के बड़े सपनों और संघर्ष की कहानी दिखाएगी। यह एक क्राइम-थ्रिलर है, जिसमें सत्ता, बदला और टकराव जैसे मुद्दों को दिखाया जाएगा।

# कहां हैं शाका की शबनम, कई हिट फिल्में करने के बाद भी लाइमलाइट से दूर

**मुंबई ।** फूल और कांटे और दिलजले जैसी फिल्मों में काम करने वाली एक्ट्रेस मधु शाह ने अजय देवगन के साथ स्क्रीन पर शानदार रोमांस किया गया था, लेकिन अब लाइटलाइट से दूर हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी फिल्मों के रोमांटिक गाने शेयर करती रहती हैं लेकिन उन्हें उतनी पॉपलैरिटी नहीं मिल रही, जो 90 के दशक के बाकी अभिनेत्रियों को मिल रही है।

मधु शाह 90 के दशक की खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार थीं, जिन्होंने अपनी मेहनत के बलबूते पर हिंदी और साउथ सिनेमा में पहचान बनाई थी।

अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत तमिल फिल्म ‘अझगन’ से की थी, जिसके बाद जेंटलमैन नाम की फिल्म में दिखीं। अभिनेत्री ने तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषी फिल्मों में काम किया। हालांकि हिंदी फिल्मों में अभिनेत्री को ज्यादा सफलता मिली। उन्होंने पहली हिंदी फिल्म ‘फूल और कांटे’ में अजय देवगन के साथ काम किया और रातों-रात अपनी पहचान बना ली।

साल 1992 में आई फिल्म ‘रोजा’ मधु के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। फिल्म मणिरत्नम की थी, जिसमें उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया, जिसके बाद उन्होंने एलान, पहचान, हम हैं बेमिसाल, जालिम और दिलजले जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्म ‘दिलजले’ में अजय देवगन ने शाका और अभिनेत्री ने शबनम का रोल प्ले किया। दोनों की केमिस्ट्री ने पर्दे पर आग लगा दी थी।

# ईरान की कमर तोड़ने के लिए अमेरिका ने तेल व्यापार से जुड़े देशों को दी सेकेंडरी बैन की चेतावनी

**वॉशिंगटन।** पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान की वार्ता विफल होने के बाद अमेरिकी सरकार अब तेहरान को घेरने के लिए दूसरा तरीका अपना रही है। अमेरिका का कहना है कि ईरान के आर्थिक रूप से कमजोर करना होगा। ऐसे में ट्रंप सरकार ने ईरान के खिलाफ अपना आर्थिक कैंपेन तेज कर दिया है।

अमेरिका ने ईरान को कड़े प्रतिबंधों की चेतावनी दी है, जिसमें ईरानी तेल से डील करने वाले देशों और बैंकों पर सेकेंडरी पेनल्टी भी शामिल है। अधिकारियों ने इसे वित्तीय और भू-राजनीतिक दबाव को मिलाकर एक बड़ी रणनीति बताया है।

अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि वॉशिंगटन ईरान के खिलाफ अपने वित्तीय हमले को बढ़ा रहा है, जिसे उन्होंने 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' बताया। बेसेंट ने कहा, 'एक साल से ज्यादा समय से ईरानी सरकार में पेमेंट रोकने और आईआरजीसी के अकाउंट्स पर नजर रखने के लिए हमने ईरानियों पर सबसे ज्यादा दबाव डाला है।'

उन्होंने कहा कि अमेरिका अब साझेदार देशों पर तेहरान के खिलाफ और ज्यादा कड़े कदम उठाने के लिए दबाव डाल रहा है, जिसमें ईरान के नेतृत्व से जुड़े फंड्स को फ्रीज करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमने उनसे यह अपील की है कि हम आईआरजीसी और ईरानी लीडरशिप के किसी भी सदस्य के और फंड्स को फ्रीज करना चाहते हैं। बेसेंट ने चेतावनी दी कि सरकार उन देशों और संस्थान पर सेकेंडरी बैन लगाने के लिए तैयार है जो ईरानी तेल रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने देशों से कहा है कि अगर आप ईरानी तेल खरीद रहे हैं, अगर ईरानी पैसा आपके बैंकों में पड़ा है, तो हम अब सेकेंडरी बैन लगाने को तैयार हैं।' अमेरिकी नेता ने इसे बहुत सख्त कदम बताया।

वित्त सचिव ने कहा कि कार्रवाई पहले से ही चल रही है और वित्तीय संस्थान को चेतावनी भी जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा, 'दो चीनी बैंकों को अमेरिकी वित्त मंत्रालय से चिट्ठी भेजी गई है, अगर उनके सिस्टम से ईरानी फंड का पता चला तो कार्रवाई की जाएगी।

बेसेंट ने कहा, 'अमेरिका ऊर्जा से जुड़े प्रतिबंधों को और सख्त करेगा। हम ईरानी तेल पर जनरल लाइसेंस रिन्यू नहीं करेंगे।' अमेरिकी की तरफ से की जा रही कार्रवाई को देखकर तेहरान के एक्सपोर्ट रेवेन्यू को सीमित करने के लिए सख्त रवैया अपनाने का संकेत मिलता है।उन्होंने बढ़ते दबाव को हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों से जोड़ते हुए कहा कि ईरान की कार्रवाइयों ने पड़ोसी देशों का रुख बदल दिया है। उन्होंने कहा, 'ईरानियों की एक गलती यह थी कि उन्होंने अपने जीसीसी पड़ोसियों पर बमबारी की। वे देश अब वित्तीय फ्लो को ट्रैक करने में बहुत ज्यादा पारदर्शी हो गए हैं।

# यूएई का कर्ज चुकाने के लिए पाकिस्तान ने दूसरे देश के सामने फैलाया हाथ, सऊदी अरब ने दिए 2 अरब डॉलर

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तीन देशों, सऊदी अरब, कतर और तुर्किए, के दौरे पर हैं। पीएम शहबाज के दौरे के बीच सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर की मदद दी है।

दरअसल, पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात ने इस महीने के अंत तक तीन अरब डॉलर का कर्ज लौटाने के लिए कहा था। ऐसे में पाकिस्तान ने अब सऊदी अरब से मदद मांगी है, ताकि वह यूएई से लिया कर्ज लौटा सके।

पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने गुरुवार को पुष्टि की है कि पाकिस्तान को सऊदी अरब से 2 अरब डॉलर मिले हैं। सेंट्रल बैंक ने कहा कि राशि 15 अप्रैल 2026 की वैल्यू डेट में मिली थी। यह डेवलपमेंट ऐसे समय में हुआ है, जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मिडिल ईस्ट में शांति को बढ़ावा देने और डिप्लोमैटिक कोशिशों को आगे बढ़ाने के लिए सऊदी अरब गए हैं।

डॉन के अनुसार, सऊदी अरब ने एक दिन पहले पाकिस्तान के लिए अतिरिक्त 3 अरब डॉलर डिपॉजिट देने का वादा किया था और अपनी मौजूदा 5 बिलियन डॉलर की फैसिलिटी को तीन साल के लिए बढ़ा दिया।

वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि मौजूदा 5 बिलियन डॉलर सऊदी डिपॉजिट अब पिछले सालाना रोलओवर अरेंजमेंट के तहत नहीं आएगा और इसके बजाय इसे लंबे समय के लिए बढ़ाया जाएगा।

पाकिस्तान के आर्थिक हालात बहुत बुरे हो चुके हैं, देश में महंगाई अपनी सीमा पार कर चुकी है। पाकिस्तान के ऊपर विदेशी कर्ज बहुत ज्यादा है और यह पहले से ही बढ़ती ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतों और मिडिल ईस्ट में तनाव से जुड़े आर्थिक असर से दबाव में है। डॉन ने आधिकारिक आंकड़ों के हवाले से बताया कि 27 मार्च तक पाकिस्तान का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व 16.4 बिलियन डॉलर था, जो करीब तीन महीने के इंपोर्ट को कवर करने के लिए काफी है।

# भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत-ईयू समझौता बहुत महत्वपूर्ण : क्रिश्चियन स्टॉकर

**नई दिल्ली।** भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर ने द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसके बाद दोनों देशों के प्रमुखों ने अपना संबोधन दिया। ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को आज के समय में बेहद महत्वपूर्ण बताया।

ऑस्ट्रिया के फेडरल चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर ने कहा, 'मेरा दौरा भारत-ऑस्ट्रिया संबंध के लिए मील का पत्थर है। मैं बहुत खुश हूं और मुझे लगता है कि 40 सालों में पहले फेडरल चांसलर के तौर पर भारत आना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। पीएम मोदी आप 2024 में वियना के दौरे पर आए थे और मैं ये पूरी तरह से कह सकता हूं कि हमारा 75 सालों का जो कूटनीतिक संबंध है, वह काफी मजबूत है। मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

स्टॉकर ने कहा, 'मैं अकेले भारत नहीं आया हूं। मैं 60 उच्च स्तर के व्यापारिक नेताओं के साथ आया हूं, जो ऑस्ट्रिया के व्यापार की दुनिया के लिए जरूरी हैं। इस डेलिगेशन का नेतृत्व विदेश मंत्री और ऑस्ट्रिया के इकोनॉमिक चेंबर के उपाध्यक्ष कर रहे हैं। हमारे करीबी राजनीतिक संबंध से हमारे व्यापार को काफी लाभ मिल रहा है। भारत पहले से ही ऑस्ट्रिया के लिए यूरोपीय संघ से इतर अहम व्यापारिक साझेदार है। हमारे द्विपक्षीय व्यापार संबंध सकारात्मक तरीके से विकास कर रहे हैं और पिछले दस सालों में 3 बिलियन यूरो तक पहुंचा है।

उन्होंने बताया कि 10060 ऑस्ट्रियाई कंपनियां भारतीय बाजार के मुख्य तकनीकी क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। यह दर्शाता है कि हमारी दोस्ती बहुत गहरी है। भारत की विकास दर काफी दिलचस्प है, जो लगभग 7 फीसदी है। हमारे लिए वह एक अहम रणनीतिक साझेदार है। भविष्य में ऑस्ट्रियाई कंपनियों को भारत के इस डायनेमिक बाजार से और फायदा होगा। आज मैं भारत-ऑस्ट्रिया बिजनेस समिट की शुरुआत करूंगा। यह मंच फैसले लेने वालों को एक साथ लाएगा और भारत-ऑस्ट्रिया कंपनियों के लिए अवसर पैदा करेगा।भारत-यूरोपीय संघ एफटीए को लेकर उन्होंने कहा, 'भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौता सकारात्मक विकास को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

# चीनी एयरलाइनों पर होर्मुज संकट का असर, तेल की कीमतों में उछाल से कई इंटरनेशनल फ्लाइट कैंसिल

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज संकट का असर साफ-साफ नजर आ रहा है। होर्मुज संकट की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। इसकी वजह से कई चीनी एयरलाइन कंपनियों ने फ्लाइट्स कैंसिल करना शुरू कर दिया है। इसका असर दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया पर भी पड़ सकता है।

कई चीनी यात्रियों ने अमेरिकी मीडिया सीएनएन को बताया कि पिछले कुछ दिनों में अलग-अलग चीनी एयरलाइनों ने मशहूर छुट्टियों वाली जगहों के लिए फ्लाइट कैंसिल कर दी हैं।

फ्लाइट अचानक कैंसिल होने से कुछ यात्री फंस गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में छुट्टियां मना रही 24 साल की ली हुओयू ने बताया कि उन्हें सिचुआन एयरलाइंस से एक टेक्स्ट मिला, जिसमें बताया गया कि अप्रैल के आखिर में चीन जाने वाली उनकी वापसी की फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। ली ने कहा कि उन्होंने लौटने के बाद अगले दिन काम पर जाने का प्लान बनाया था।

उन्होंने कहा, 'अगर आखिरी मिनट में फ्लाइट कैंसिल की जाती है, तो मैं अगले दिन काम पर नहीं जा पाऊंगी और मुझे अपने बॉस को सब कुछ समझाना होगा।'

हेबेई प्रांत की एक ग्रेजुएट स्टूडेंट ऊना हान ने कहा कि उन्हें इस हफ्ते चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस से एक टेक्स्ट मिला, जिसमें बताया गया था कि अप्रैल के आखिर में बीजिंग से थाईलैंड के लिए उनकी फ्लाइट कैंसिल हो गई है। हान ने कहा, 'मैं बहुत परेशान हूं, क्योंकि मैं इस ट्रिप को लेकर बहुत उत्साहित थी और यह चीन के बाहर मेरा पहला सफर था।

अमेरिकी मीडिया ने बताया कि चीन में मई के महीने में लेबर डे की पांच दिन की छुट्टी होती है, जिसे गोल्डन वीक कहा जाता है। ऐसे में फ्लाइट कैंसिल की गई है। गोल्डन वीक चीन के सबसे बिजी ट्रैवल सीजन में से एक है, जब बहुत से लोग इंटरनेशनल ट्रैवल करते हैं।

किसी भी चीनी एयरलाइन ने फ्लाइट कैंसिल करने के बारे में सार्वजनिक ऐलान नहीं किया। सीएनएन ने चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस और सिचुआन एयरलाइंस से बात की, और दोनों ने पॉलिसी एडजस्टमेंट का हवाला देते हुए फ्लाइट कैंसिल करने की पुष्टि की।

# तुर्की स्कूल शूटिंग मामला: 8 मासूमों समेत 9 की मौत, 1104 सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक

**इस्तांबुल।** तुर्की ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर उन पोस्ट्स पर कार्रवाई की जिनमें दो दिनों में दो स्कूल शूटिंग की तारीफ की गई थी, दो ऐसी घटनाएं जिसने देश में उथल पुथल मचा दी थी। पीड़ितों के अंतिम संस्कार से पहले कई लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया, इनमें ज्यादातर बच्चे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि हमलों की तारीफ के बाद 95 लोगों को हिरासत में लिया गया, सैकड़ों अकाउंट ब्लॉक किए गए और ग्रुप बंद कर दिए गए। पिछले दो दिनों में तुर्की में घटी दो वारदातों ने पूरी दुनिया को झकझोर के रख दिया। महज 24 घंटों के भीतर दो किशोरों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। मंगलवार की फायरिंग में 16 लोग घायल हुए, और बुधवार की शूटिंग में नौ लोग मारे गए जबकि 13 घायल हुए।

सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू एजेंसी (एए) ने न्याय मंत्री गुरलेक के हवाले से कहा, 'जनता के बीच भय, चिंता और दहशत पैदा करने वाली सामग्री फैलाने के आरोप में 95 लोगों को हिरासत में लिया गया है और 1104 सोशल मीडिया खातों का एक्सेस ब्लॉक कर दिया गया है।'

मरने वालों में आठ बच्चे थे जिनकी उम्र 10-11 साल थी। हमले में 55 साल के टीचर भी मारे गए। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मामलों के संदिग्ध भी मारे गए।

मंगलवार को दक्षिण-पूर्वी प्रांत सानलिउरफा में हुए हमले में एक पूर्व छात्र ने हाई स्कूल में गोलीबारी की। पुलिस ने जब उसे सरेंडर करने को कहा तो उसने खुद को गोली मार ली।

बुधवार को हुए हमले को भी कथित तौर पर 14 साल के छात्र ने अंजाम दिया, जो दक्षिणी प्रांत कहरमनमारस के स्कूल में पांच बंदूकें लेकर पहुंचा और गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने कहा है कि किशोर एक पूर्व पुलिस अधिकारी का बेटा था। उसके कंप्यूटर पर 11 अप्रैल को मिले दस्तावेज से पता चलता है कि वह 'जल्द ही एक बड़ी वारदात करने वाला था। 'स्थानीय पुलिस के अनुसार उसकी मौके पर ही मौत हो गई, हालांकि यह तुरंत साफ नहीं था कि कैसे। पुलिस ने कहा कि उसके पिता को हिरासत में लिया गया था, जबकि स्थानीय मीडिया ने बताया कि उसकी मां, जो एक टीचर थीं, को भी हिरासत में ले लिया गया था।

पुलिस ने कहा कि 14 साल के संदिग्ध ने अपने वॉट्सएप प्रोफाइल पर एक फोटो में यूनाइटेड स्टेट्स में एक मास शूटर का जिक्र किया था।

पुलिस ने एक बयान में कहा, 'जांच से शुरुआती नतीजों से पता चला है कि अपराधी ने अपने वॉट्सएप प्रोफाइल पर इलियट रॉजर का जिक्र करते हुए एक इमेज का इस्तेमाल किया था, जिसने 2014 में यूनाइटेड स्टेट्स में एक हमला किया था।'

रॉजर, 22 साल का अमेरिकन था जिसने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सांता बारबरा के कैंपस में छह लोगों को मार अपनी जान दे दी थी।

शुरुआती जांच के मुताबिक, बुधवार की शूटिंग का आतंकवाद से कोई लिंक नहीं मिला है, पुलिस और प्रॉसिक्यूटर दोनों ने कहा। पुलिस ने आगे कहा, 'यह एक अलग-थलग घटना लगती है।'

इस बीच, कहरामनमारस में गुरुवार और शुक्रवार को स्कूल बंद रहेंगे। पुलिस ने यह भी कहा कि उन्होंने शूटिंग की तारीफ में पोस्ट करने वाले कई लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने एक बयान में कहा, 'अपराध और अपराधियों की तारीफ करने वाले और पब्लिक ऑर्डर पर बुरा असर डालने वाले पोस्ट और गतिविधि में शामिल पाए गए 95 लोगों को हिरासत में लेने के ऑर्डर जारी किए गए हैं।

# ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकारों पर समझौते से किया इनकार, यूएस पर युद्ध भड़काने का लगाया आरोप

**तेहरान।** ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान अपने न्यूक्लियर संवर्धन अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगा। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि न्यूक्लियर एनर्जी पर उसका अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर आधारित है।

तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बाघेई ने पश्चिमी मीडिया में ईरान के यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को लेकर फैल रही अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के वैध अधिकार पर कोई समझौता नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण परमाणु संवर्धन का अधिकार किसी बाहरी शक्ति की कृपा या रियायत नहीं है, जिसे दबाव या संघर्ष के समय वापस लिया जा सके। जब तक ईरान एनपीटी का सदस्य है, उसे इस संधि के सभी प्रावधानों का पूरा लाभ मिलना चाहिए।पाकिस्तान में हाल ही में हुई ईरान-अमेरिका वार्ता को लेकर संवर्धन से जुड़ी चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए बाघेई ने कहा कि किसी भी संभावित समझौते के लिए पहले एक व्यापक ढांचा तय होना जरूरी है। जब तक बुनियादी शर्तें तय नहीं होतीं, तब तक युद्ध और शांति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विस्तृत बातचीत जल्दबाजी होगी।

लेबनान प्रतिरोध को लेकर उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा 'वैध प्रतिरोध' का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान में युद्ध समाप्त करना भी उस सीजफायर समझौते का हिस्सा था, जिस पर इस्लामाबाद वार्ता में चर्चा हुई थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरा पक्ष (इजरायल) शुरू से ही सीजफायर की शर्तों का पालन नहीं कर रहा है। बाघेई ने यह भी कहा कि किसी समझौते के तहत यदि एक पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो दूसरे पक्ष को भी अपनी जिम्मेदारियों को उसी अनुपात में समायोजित करने का अधिकार होता है।

उन्होंने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया कि ईरान ने लेबनान में प्रतिरोध मोर्चों का समर्थन कम किया है। बाघेई ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर यूरोपीय प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ईरान और उसके क्षेत्रीय साझेदार इस महत्वपूर्ण जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि ईरान ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र का संरक्षक रहा है और पिछले 40 दिनों में जो भी व्यवधान हुए हैं, वे अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए संघर्ष का परिणाम हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि बाहरी हस्तक्षेप से क्षेत्रीय स्थिति और जटिल हो सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ यूरोपीय देश अमेरिकी और इजरायल की रणनीति के जाल में नहीं फंसे हैं, यह सकारात्मक संकेत है।

अंत में उन्होंने दोहराया कि यदि अमेरिका का हस्तक्षेप समाप्त हो जाए, तो ईरान क्षेत्रीय देशों के साथ मिलकर होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रख सकता है।

# अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान की दिखी घबराहट, देश बचाने खाड़ी देशों की शरण में शहबाज; तेहरान पहुंचे मुनीर

**नई दिल्ली।** अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान मध्यस्थता की कोशिशों को तेज कर रहा है। पहली वार्ता विफल होने के बाद दूसरे राउंड की वार्ता को लेकर पाकिस्तान की घबराहट साफ नजर आ रही है। पाकिस्तान के चीफ मार्शल असीम मुनीर अगले राउंड की वार्ता को लेकर बातचीत करने के लिए ईरान पहुंचे हैं। वहीं दूसरी तरफ आर्थिक मदद के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सऊदी अरब, कतर और तुर्किए के दौरे पर हैं।

दरअसल, पाकिस्तान की घबराहट की कई वजहें हैं। पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ बनकर ना केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि सुधारना चाहता है, बल्कि आर्थिक राहत की भी उम्मीद कर रहा है।

दरअसल, अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से पाकिस्तान के लिए ईरान से तेल खरीद पाना असंभव हो गया है। ऐसे में अगर पाकिस्तान मध्यस्थ बनकर संघर्ष रोकने में कोई पहल कर सकता है, तो संभव है कि अमेरिका आगे चलकर उसे थोड़ी सी राहत दे और पाकिस्तान ईरान से तेल खरीद सके। चूंकि दूसरा पक्ष ईरान भी है, तो संभवत: अमेरिका से छूट लेने के बाद पाकिस्तान सस्ते दामों पर भी तेल खरीद सकेगा।

आर्थिक रूप से पाकिस्तान गहरे संकट का सामना कर रहा है। अप्रैल के आखिर तक पाकिस्तान को संयुक्त अरब अमीरात से लिया 3.5 अरब डॉलर का कर्ज लौटाना होगा। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तीन देशों की यात्रा पर पहुंचे हैं, ताकि उनकी देश को कहीं से आर्थिक मदद मिल सके।

पाकिस्तान को अपनी अर्थव्यवस्था बचाने के लिए खाड़ी देशों के सहारे की जरूरत है। होर्मुज संकट की वजह से आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए तेल और अधिक महंगा हो जाएगा। इसकी वजह से उसके ऊपर आर्थिक दबाव और बढ़ेगा। ऐसे में इस मध्यस्थता की एक वजह सस्ता या उधार पर तेल लेना हो सकता है।

ईरान-अमेरिका वार्ता फेल होने के बाद इसका असर शिपिंग रूट्स पर भी होगा, जिसका खर्च वहन करना अमेरिका के लिए मुश्किल होगा। होर्मुज अगर बंद होता है, तो पाकिस्तान की ऊर्जा सप्लाई बुरी तरह से प्रभावित होगी। वर्तमान समय में भी पाकिस्तान में महंगाई चरमसीमा पर पहुंची हुई है, ऐसे में संघर्ष और बढ़ने पर इसका दुगना असर देखने को मिलेगा।

शहबाज शरीफ के इस दौरे पर सऊदी अरब और कतर से अरबों डॉलर की मदद मिलने की उम्मीद है। एक तरफ पाकिस्तान ईरान के साथ बातचीत में शामिल हो रहा है और अमेरिका का मैसेज वहां तक पहुंचा रहा है; दूसरी तरफ खाड़ी देशों के सामने मदद के लिए हाथ फैला रहा है।बता दें, 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद ईरान ने पश्चिम एशिया के देशों में इजरायल और अमेरिका की संपत्तियों को निशाना बनाया। ईरान इन हमलों में खाड़ी देशों को भी आर्थिक नुकसान हुआ है।

# आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों की घोषणा

**हैदराबाद।** रेलवे यात्रियों के लिए रेल मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच यात्रा को आसान बनाने के लिए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों को मंजूरी दी है।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के अनुसार, चारलापल्ली-नरसापुर-चारलापल्ली वीकली एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 17061/17062) को शुरू करने की मंजूरी दी गई है। यह ट्रेन पहले चल रही स्पेशल ट्रेन (07061/07062) को नियमित रूप से चलाने के तहत शुरू की जा रही है।

ट्रेन नंबर 17061 चारलापल्ली-नरसापुर एक्सप्रेस हर शनिवार को चलेगी, जबकि 17062 नरसापुर-चारलापल्ली एक्सप्रेस रविवार को संचालित होगी। इस ट्रेन की पहली सेवा 2 मई से शुरू होगी। चारलापल्ली से यह ट्रेन शाम 7:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7 बजे नरसापुर पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन नलगोंडा, गुंटूर, विजयवाड़ा, गुडीवाड़ा, कैकालूर, अकिवीडु, भीमावरम टाउन, वीरवासरम और पालाकोल्लु स्टेशनों पर रुकेगी।

वापसी में यह ट्रेन नरसापुर से रात 8 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 7:50 बजे चारलापल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2ए, 3ए, स्लीपर और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

इसके अलावा, नरसापुर-तिरुपति-नरसापुर वीकली एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 17428/17427) को भी मंजूरी मिली है। यह ट्रेन पहले चल रही स्पेशल सेवा (07131/07132) को नियमित करेगी। ट्रेन नंबर 17428 नरसापुर-तिरुपति हर सोमवार को चलेगी, जबकि 17427 तिरुपति-नरसापुर एक्सप्रेस रविवार को संचालित होगी।

यह सेवा 27 अप्रैल से शुरू होगी। नरसापुर से ट्रेन दोपहर 3:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 3:40 बजे तिरुपति पहुंचेगी। यह ट्रेन पालाकोल्लु, भीमावरम जंक्शन, भीमावरम टाउन, अकिवीडु, कैकालूर, गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर और रेनीगुंटा स्टेशनों पर रुकेगी। तिरुपति से वापसी सेवा 3 मई को रात 10:10 बजे शुरू होगी और अगली सुबह 9:30 बजे नरसापुर पहुंचेगी।

# उत्तराखंड के पहाड़ों पर महादेव की तपोस्थली, जहां साक्षात नजर आता है 'ओम'

**पिथौरागढ़।** भारत प्रकृति की अपार सुंदरता और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा देश है। यहां ऐसी कई अनोखी जगहें हैं, जहां घूमने या दर्शन करने मात्र से मन तरोताजा हो जाता है और भक्ति भाव से भर उठता है। जब बात देवाधिदेव महादेव की होती है, तो देश में उनकी शक्ति और दिव्यता को दिखाने वाली अनेक पवित्र जगहें मौजूद हैं। इन्हीं में से एक अद्भुत स्थान है उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित ओम पर्वत।

उत्तराखंड की देवभूमि में स्थित पिथौरागढ़ जिला न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां महादेव की तपोस्थली भी है। पहाड़ों के बीच स्थित एक अनोखा पर्वत, जहां प्रकृति ने खुद ही पवित्र हिंदू प्रतीक 'ओम' का भव्य रूप रच दिया है। इसे ओम पर्वत के नाम से जाना जाता है। दूर से देखने पर यह पर्वत बिल्कुल 'ओम' के आकार में नजर आता है, जो श्रद्धालुओं के मन में भक्ति और आश्चर्य दोनों भर देता है।

ओम पर्वत हिमालय पर्वतमाला का हिस्सा है और पिथौरागढ़ जिले में स्थित नाभीढांग (नबीधांग) क्षेत्र में 5900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह पर्वत कृत्रिम नहीं, बल्कि पूरी तरह प्राकृतिक रूप से बना हुआ है।

धार्मिक ग्रंथों में 'ओम' की उत्पत्ति का उल्लेख मिलता है। शिव पुराण के अनुसार 'ओम' की उत्पत्ति ब्रह्मांड की रचना से पहले हुई थी। पौराणिक मान्यताओं में विश्व के आठ छिपे हुए प्राकृतिक 'ओम' प्रतीकों में से एक उत्तराखंड का ओम पर्वत है। हिंदू और बौद्ध दोनों धर्मों में इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है और इसे भगवान शिव का निवास स्थान भी समझा जाता है।

ओम पर्वत कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर पड़ता है। श्रद्धालु नाभीढांग शिविर से इस पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। नाभीढांग शिविर पिथौरागढ़ से करीब 170 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां से ओम पर्वत साफ दिखाई देता है।

## संक्षिप्त खबर

### 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' क्रांतिकारी निर्णय : सीएम मोहन यादव

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत करते हुए कहा कि यह 21वीं सदी का क्रांतिकारी निर्णय है। महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया जा रहा है।

केंद्र सरकार की पहल का मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वागत करते हुए कहा कि ये नारी शक्ति अधिनियम एक बहुत बड़ा निर्णय है, लोकतंत्र और बहनों के लिए क्रांतिकारी निर्णय, इसका लाभ हमारी आधी आबादी को मिलेगा।

सीएम मोहन यादव ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता भी है और हम उसे खुले मन से भी बोलते है, परंतु कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सिर्फ कहते है कि महिला आरक्षण होना चाहिए, लेकिन उनकी नीति और नीयत में फर्क दिखता है। एक बार फिर कांग्रेस बेनकाब होगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि विपक्ष हमेशा मीन मेख निकालता है और इसी कारण से लगातार उसका जनाधार भी घट रहा है। किसी भी विषय पर उनको अगर बात करनी है तो फ्लोर पर बात करें। विरोध करने वाली बात अगर ला रहे है तो जनता के बीच गलत संदेश जाएगा। आधी आबादी उनके बारे में क्या सोचेगी ये कांग्रेस के सोचने का विषय है।

दरअसल, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के लिए संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है। इस सत्र के दौरान नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में लाया जाएगा ताकि इसे पारित किया जा सके।

वहीं, सीएम मोहन यादव ने गुरुवार को जनगणना के तहत स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) का फॉर्म में भागीदारी की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ' 'आज से शुरू हो रही जनगणना के तहत भोपाल निवास में स्व-गणना का फॉर्म भरा। मध्यप्रदेश के समग्र विकास को गति देने और योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ नागरिकों तक पहुंचाने के लिए यह प्रक्रिया बहुत जरूरी है।

सभी प्रदेशवासियों से मेरी अपील है कि स्व-गणना का फॉर्म भरें और जब जनगणना की टीम घर आए, तब सभी आवश्यक जानकारियां उन्हें अवश्य दें। यह बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए है। जनगणना देश की रीढ़ और विकास की नींव होती है।

# समय पर पुलिस भर्ती, ट्रेनिंग व सुविधाओं से बना सुरक्षा का बेहतर माहौल : सीएम योगी

**गोरखपुर ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस विभाग में समय पर भर्ती, समय पर ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं के विकास से पुलिसकर्मियों के कार्य की गति बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल बना और सुशासन का बेहतरीन मॉडल खड़ा हुआ।

सीएम योगी ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। इन भवनों में मंदिर सुरक्षा से जुड़े अपर पुलिस अधीक्षक व पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर रूम और मेंटिनेंस वर्कशाप बनाई गई है। इसके निर्माण पर 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा भवनों में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षा सुशासन की पहली शर्त होती है। हर व्यक्ति को सुरक्षा चाहिए। इसके लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किए जाते हैं, पर हम उसका एक ही पक्ष देख पाते थे। पुलिस का सामान्य सिपाही हो या सब-इंस्पेक्टर व डिप्टी एसपी, यदि उसकी ट्रेनिंग नहीं है तो वह भी एक कॉमन मैन (सामान्य व्यक्ति) ही होगा। पहले की सरकारों में भर्ती, ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता था। इसका परिणाम यह होता था कि बहुत से नौजवान पुलिस भर्ती में नहीं आना चाहते थे।

सीएम योगी ने पुलिस महकमे में वर्ष 2017 के बाद आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि 9 साल पहले जब उनकी सरकार आई तो उस समय पुलिस बल में आधे से अधिक पद खाली थे। बीते 9 वर्ष में 2 लाख 19 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया गया है। 2017 में पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता एक समय में 3 हजार से अधिक नहीं थी, जबकि वर्तमान में अवस्थापना सुविधाओं के विकास का परिणाम है कि अब एक समय में 60 हजार पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग करवाई जाती है। समय पर लिए गए निर्णय, और समय पर दिए गए संसाधनों के परिणामस्वरूप पुलिस को 200 गुना अधिक सुविधाओं से सम्पन्न किया गया है।

# लखनऊ अग्निकांडः 250 से ज्यादा झोपड़ियां हुईं खाक, दो बहनें जिंदा जलीं

**लखनऊ ।** लखनऊ के विकासनगर इलाके में बुधवार शाम एक दिल दहला देने वाला अग्निकांड हुआ, जिसने देखते ही देखते सैकड़ों झोपड़ियां आग की चपेट में ले लिया। करीब 3 घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन देर रात के बाद भी राहत बचाव कार्य जारी रहा। इस दौरान पुलिस और राहत बचाव दल ने 2 सगी बहनों के शव बरामद किए।

विकासनगर सेक्टर-11 के पास रिंग रोड से सटे इलाके में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि शुरुआत किसी छोटी चिंगारी से हुई, लेकिन कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवा और झोपड़ियों की सघन बस्ती होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और सेक्टर-11 से लेकर सेक्टर-14 तक करीब 250 से ज्यादा झोपड़ियां इसकी चपेट में आ गईं।

इस दौरान इलाके में अफरातफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों से बाहर भागे। आग इतनी तेज थी कि झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर भी एक के बाद एक फटने लगे, जिससे जोरदार धमाकों की आवाजें पूरे इलाके में गूंज उठीं। घटना के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था।

इस दर्दनाक हादसे में देर रात तक राहत-बचाव कार्य जारी रहा। पुलिस और राहत दल ने मलबे और जली हुई झोपड़ियों के बीच से दो शव बरामद किए। इनमें से एक 2 महीने की और दूसरी श्रुति (2 वर्ष) थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों सगी बहनें थीं और आग की इस भयावह घटना में जिंदा जल गईं। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने दोनों शवों की बरामदगी की पुष्टि की है। सतीश निवासी ग्राम काशीपुरवा, थाना रामसनेही घाट (बाराबंकी ) की दो बेटियों के शव मिले।

# एनसीआर में अगले चार दिनों में गर्मी बरपाएगी कहर, सांस से जुड़ी बीमारी का खतरा

**नोएडा ।** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गर्मी ने अब कहर बरपाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

लगातार तेज धूप और बढ़ती गर्मी के बीच एनसीआर के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 17 अप्रैल को भी यही स्थिति बनी रहेगी, लेकिन उसके बाद पारा लगातार चढ़ेगा। 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम 22 डिग्री रहने का अनुमान है। 19 और 20 अप्रैल को अधिकतम पारा 39 डिग्री तक पहुंच जाएगा, जबकि न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहेगा। 21 अप्रैल को स्थिति और गंभीर हो जाएगी, जब अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया जाएगा। मौसम विभाग ने आने वाले सभी दिनों में 'साफ आसमान' की भविष्यवाणी की है, जिससे तेज धूप और लू का असर और बढ़ जाएगा। गर्मी के साथ ही एनसीआर में वायु प्रदूषण ने भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर है।

आंकड़ों के मुताबिक, आनंद विहार में एक्यूआई 323, आलीपुर में 313, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 317, बवाना में 271 और अशोक विहार में 221 दर्ज किया गया। वहीं, आया नगर में 170 और चांदनी चौक में 167 का स्तर रिकॉर्ड किया गया है।

ग्रेटर नोएडा की बात करें तो नॉलेज पार्क-3 में एक्यूआई 265 और नॉलेज पार्क-5 में 356 दर्ज किया गया है, जो 'बहुत खराब' से 'गंभीर' की ओर बढ़ता स्तर है। गाजियाबाद में भी हालात बेहतर नहीं हैं। लोनी में एक्यूआई 342, वेद विहार-लोनी में 332, इंदिरापुरम में 282, वसुंधरा में 276 और संजय नगर में 242 दर्ज किया गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे में लंबे समय तक बाहर रहने से सांस संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। मौसम विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने लोगों से सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच बाहर निकलने से बचने, खूब पानी पीने और अनावश्यक यात्रा न करने की अपील की है।

# मुंबई आतंकी नेटवर्क केस में महाराष्ट्र एटीएस की बड़ी कार्रवाई, वाराणसी में नीट एस्पिरेंट से 8 घंटे पूछताछ

**मुंबई ।** महाराष्ट्र एटीएस ने मुंबई से जुड़े कट्टर आतंकी नेटवर्क मामले में वाराणसी के एक नीट एस्पिरेंट से पूछताछ की है। साथ ही अधिकारियों ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइज भी जब्त किए हैं। युवक को 22 अप्रैल को आगे की पूछताछ के लिए तलब किया है।

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि महाराष्ट्र एटीएस ने उत्तर प्रदेश एटीएस के साथ ज्वाइंट ऑपरेशन में मंगलवार को वाराणसी के एक घर पर तलाशी ली और मुंबई में दर्ज एक मामले में 18 वर्षीय नीट एस्पिरेंट से करीब आठ घंटे तक पूछताछ की।

एजेंसियों की टीम ने वाराणसी के आदमपुर थाना क्षेत्र के हनुमान फाटक इलाके में स्थित एक डॉक्टर के घर पर यह जांच की, जहां अधिकारियों ने स्थानीय बाल रोग विशेषज्ञ के बेटे अबू बकर से पूछताछ की। उस पर प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े डिजिटल नेटवर्क से संबंध होने का आरोप है।

अबू बकर के खिलाफ जांच की शुरुआत मुंबई के कंप्यूटर इंजीनियरिंग छात्र अयान शेख की हालिया गिरफ्तारी के बाद हुई, जिसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसकी फॉरेंसिक जांच में एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर सक्रिय एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ।

जांच का फोकस एक संदिग्ध डिजिटल ट्रेल पर है, जो एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ा है, जिसकी चरमपंथी गतिविधियों के लिए जांच की जा रही है। महाराष्ट्र एटीएस की जांच में सामने आया है कि युवक से जुड़ा एक अकाउंट इस ऑनलाइन आतंकी नेटवर्क का हिस्सा था।

जांच में यह भी पता चला कि गिरफ्तार आरोपी अयान शेख, अबू बकर और विभिन्न राज्यों के कई अन्य युवक 'इस्लामिक पॉलिटिक्स' नाम के टेलीग्राम चैनल और कई व्हाट्सएप ग्रुप्स में सक्रिय थे, जहां सरकार विरोधी और राष्ट्रविरोधी सामग्री साझा की जा रही थी।

# झारखंड : सारंडा में नक्सलियों के खिलाफ अभियान में दो दिन में पांच जवान घायल, 24 घंटे में दूसरी बार आईईडी विस्फोट

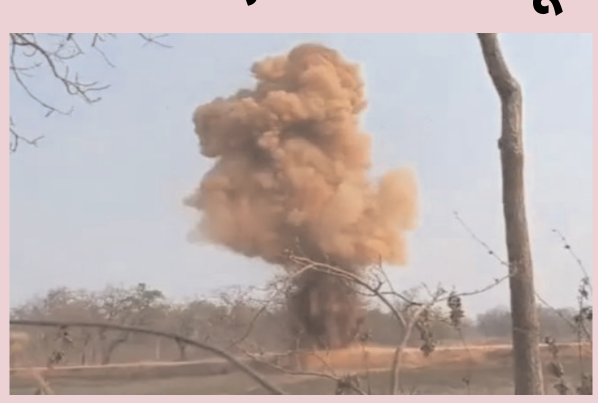

**चाईबासा/रांची।** झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले स्थित सारंडा वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जंग तेज हो गई है। पिछले 24 घंटों के भीतर नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी के दो अलग-अलग धमाकों और भीषण मुठभेड़ में अब तक कुल छह जवान घायल हो चुके हैं।

गुरुवार को हुए ब्लास्ट में एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे एयरलिफ्ट कर रांची भेजा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को सुरक्षाबल के जवान सारंडा के घने जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान एक जवान का पैर जमीन के नीचे छिपाकर लगाए गए प्रेशर आईईडी पर पड़ गया। जोरदार धमाके की चपेट में आने से जवान के पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल जवान की नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल हेलीकॉप्टर की मदद ली गई है। उन्हें रांची के खेलगांव स्थित हेलीपैड पर उतारकर सीधे अस्पताल ले जाया जाएगा।

इससे पहले बुधवार को मनोहरपुर के छोटानगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बलिबा जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक भीषण मुठभेड़ चली थी। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान के दौरान हुए आईईडी विस्फोट में कोबरा 205 बटालियन के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश समेत पांच जवान घायल हुए थे। घायलों में शैलेश कुमार दुबे, उत्तम सेनापति, जितेंद्र कुमार राय और प्रेम कुमार शामिल हैं, जिन्हें बुधवार शाम ही एयरलिफ्ट कर रांची शिफ्ट किया गया था।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, यह पूरा इलाका एक करोड़ के इनामी नक्सली नेता मिसिर बेसरा का गढ़ है। सूत्रों के अनुसार, बुधवार की मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के हताहत होने की भी अपुष्ट खबरें हैं।

विश्व केसरी

# भारतीय रेलवे लगातार सुधार और तकनीक के जरिए नए मानक स्थापित कर रहा है: पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय रेलवे में बड़ा बदलाव आया है, और यह लगातार सुधार और तकनीक के जरिए नए मानक स्थापित कर रहा है।

इस संदर्भ में उन्होंने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा लिखे गए एक लेख को साझा किया, जिसमें बताया गया है कि पिछले एक दशक में स्पष्ट नीति, आधुनिक तकनीक और लगातार निवेश के जरिए भारतीय रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'भारतीय रेलवे के पूरे सिस्टम में बड़ा बदलाव आया है और इसके नतीजे साफ दिखाई दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि यह सेक्टर कैसे सुधार और तकनीक के जरिए नए मानक तय कर रहा है। इसमें कहा गया कि करोड़ों यात्रियों के लिए रेल यात्रा कोई विकल्प नहीं बल्कि जरूरत है। इतने बड़े नेटवर्क में सुरक्षा सिर्फ तकनीकी मामला नहीं, बल्कि लोगों के भरोसे से जुड़ा मुद्दा है।

लेख में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी के पहले कार्यकाल के दौरान ही 'सेफ्टी फर्स्ट' यानी सुरक्षा को सर्वोपरि रखने का स्पष्ट संदेश दिया गया था। इसी दिशा में रेलवे ने तकनीक-आधारित और लगातार निवेश वाली रणनीति अपनाकर अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है।

इसके परिणामस्वरूप देश में ट्रेन हादसों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। 2014-15 में जहां 135 रेल दुर्घटनाएं हुई थीं, वहीं 2025-26 में यह घटकर सिर्फ 16 रह गईं, यानी करीब 89 प्रतिशत की कमी।

यह कमी ऐसे समय में आई है जब ट्रेन संचालन और यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

इसी अवधि में 'कंसिक्वेंशल एक्सीडेंट इंडेक्स' (प्रति किलोमीटर दुर्घटना दर) भी 0.11 से घटकर 0.01 हो गया है, जो हर किलोमीटर यात्रा के लिहाज से सिस्टम को पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित दर्शाता है।

2014-15 में रेल हादसों में 292 लोगों की जान गई थी, जबकि 2025-26 में 16 दुर्घटनाओं में 16 लोगों की ही मौत हुई।

रेलवे के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लिखा, 'हर सुबह जब भारत जागता है, तब उसकी रेलें पहले से ही चल रही होती हैं। ऑफिस जाने वाले, छात्र, प्रवासी मजदूर, परिवार और सैनिक समेत 2 करोड़ से ज्यादा यात्री प्रतिदिन ट्रेनों में सफर करते हैं।

# बालों को झड़ने से रोकना है तो इन बातों को ध्यान में रखकर करें शैंपू का चुनाव, खुजली-ड्रैंडफ से मिलेगा छुटकारा

**नई दिल्ली।** आज के समय में बाल झड़ने की समस्या तेजी से बढ़ रही है, और यह सिर्फ उम्र या मौसम तक सीमित नहीं है। छोटे-छोटे कारण, जैसे गलत शैंपू का इस्तेमाल, बार-बार प्रोडक्ट बदलना या अपने बालों के प्रकार को समझे बिना कुछ भी लगा लेना, बालों को कमजोर बना सकता है।

ज्यादातर लोग हेयरफॉल का कारण तनाव या खानपान को मानते हैं, लेकिन वैज्ञानिकों के अनुसार, स्कैल्प की देखभाल और सही शैंपू का चुनाव भी उतना ही जरूरी है। अगर शैंपू सही न हो, तो वह बालों की जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है और धीरे-धीरे बाल पतले और कमजोर होने लगते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, शैंपू स्कैल्प के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करता है। हमारी स्कैल्प पर प्राकृतिक तेल 'सीबम' बनता है, जो बालों को नमी और सुरक्षा देता है। जब हम बहुत ज्यादा केमिकल वाले या बार-बार अलग-अलग शैंपू इस्तेमाल करते हैं, तो यह प्राकृतिक तेल खत्म होने लगता है। इससे स्कैल्प सूख जाती है या फिर ज्यादा तेल बनने लगता है, दोनों ही स्थिति में बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है।

वैज्ञानिक रिसर्च बताती है कि बार-बार शैंपू बदलना स्कैल्प के माइक्रोबायोम को प्रभावित करता है। स्कैल्प पर अच्छे बैक्टीरिया भी होते हैं, जो उसे स्वस्थ रखते हैं। जब हम हर कुछ दिन में नया शैंपू इस्तेमाल करते हैं, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे खुजली, डैंड्रफ और हेयरफॉल जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं। इसलिए एक ही प्रकार का शैंपू चुनकर नियमित रूप से इस्तेमाल करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

अगर बालों में नमी की कमी है, तो सही शैंपू चुनना और भी जरूरी हो जाता है। मॉइश्चर देने वाले शैंपू में ऐसे तत्व होते हैं, जो बालों की ऊपरी परत को सुरक्षित रखते हैं और उन्हें सूखने से बचाते हैं। जब बालों में नमी बनी रहती है, तो उनकी जड़ें मजबूत रहती हैं और टूटने की संभावना कम हो जाती है। इसलिए ऐसे शैंपू का चयन करना चाहिए, जो बालों को पोषण देने के साथ-साथ उन्हें मुलायम और हाइड्रेटेड बनाए रखे। ऑयली बालों की समस्या भी आजकल काफी आम हो गई है। ऐसे में लोग बार-बार बाल धोने लगते हैं, जो समस्या को और बढ़ा देता है। रिसर्च के अनुसार, जब हम बार-बार या केमिकल वाले शैंपू का इस्तेमाल करते हैं, तो स्कैल्प और ज्यादा तेल बनाने लगती है। इससे बाल जल्दी गंदे होते हैं और कमजोर भी हो जाते हैं। ऐसे लोगों के लिए उन शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए।

# केंद्र ने धोलेरा में भारत का पहला चिप निर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए एसईजेड को दी मंजूरी

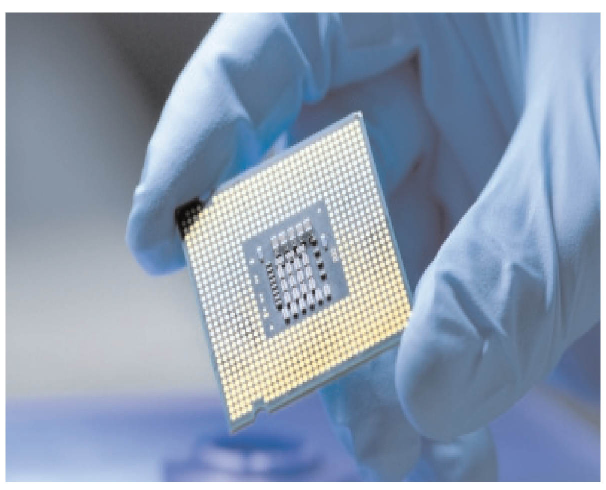

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने गुजरात के धोलेरा में टाटा सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर (आईटी/आईटीईएस सहित) के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) स्थापित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

यह एसईजेड करीब 66.166 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला होगा और इससे लगभग 21,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। यह परियोजना इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और आईटी-आधारित सेवाओं को समर्थन देने के लिए तैयार की गई है, जिसमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और संचालन व लॉजिस्टिक्स को आसान बनाने के लिए विशेष अनुमति प्रणाली भी शामिल होगी। मंत्रालय के अनुसार, यह भारत का पहला चिप निर्माण (फैब्रिकेशन) प्लांट होगा।सरकार पहले भी सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए एसईजेड कानून में कई बड़े सुधार कर चुकी है। इन सुधारों का उद्देश्य उच्च निवेश को आकर्षित करना, नवाचार को बढ़ावा देना और कारोबार करने में आसानी को बढ़ाना है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर हब बन सके।

3 जून 2025 को जारी अधिसूचना के जरिए एसईजेड नियम, 2006 में अहम बदलाव किए गए। इसके तहत न्यूनतम जमीन की आवश्यकता 50 हेक्टेयर से घटाकर 10 हेक्टेयर कर दी गई। इसके अलावा, जमीन से जुड़े नियमों में लचीलापन, मुफ्त सप्लाई को नेट फॉरेन एक्सचेंज में शामिल करना, और घरेलू बाजार (डीटीए) में बिक्री की अनुमति जैसे कदम भी उठाए गए।

इन सुधारों के बाद एसईजेड बोर्ड ने कई बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इनमें माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग और पैकेजिंग प्लांट शामिल है, जिसमें लगभग 13,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। वहीं, एक्वस समूह कर्नाटक के धारवाड़ में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग एसईजेड स्थापित कर रहा है।

इसके अलावा सीजी सेमी, कायन्स सेमीकॉन और हुबली ड्यूरेबल गुड्स क्लस्टर जैसे प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई है, जो देश में सप्लाई चेन मजबूत करने, रोजगार बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेंगे।

इन सभी विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) से भारत में एक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम तैयार करने की परिकल्पना की गई है। बयान में कहा गया है।

# भारत अफ्रीका की ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में निभा सकता है अहम भूमिका

**नई दिल्ली।** भारत अफ्रीका को अपनी रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ाने में मदद करने में अहम भूमिका निभा सकता है। भारत ने पिछले दस सालों में 130 गीगावाट से ज्यादा सोलर और विंड कैपेसिटी सफलतापूर्वक जोड़ी है। अब रिन्यूएबल एनर्जी इंस्टॉल्ड बिजली कैपेसिटी का लगभग आधा हिस्सा है।

इंडिया नैरेटिव की आर्टिकल के अनुसार, 'पूरे अफ्रीका में एनर्जी ट्रांजिशन कोई दूर का पॉलिसी टारगेट नहीं है। यह सूरज की रोशनी, हवा और मिनरल की दौलत को रेगुलर बिजली वाले हॉस्पिटल, सूरज डूबने के बाद सिंचाई करने वाले खेत और महंगे डीजल जनरेटर के बजाय ज्यादा भरोसेमंद चीजों से जुड़ने वाली फैक्ट्रियों में बदलने की एक प्रैक्टिकल कोशिश है।'

इसमें बताया गया है कि अफ्रीका में 600 मिलियन लोग अभी भी बिजली के बिना हैं, हालांकि एक्सेस रेट बढ़ रहे हैं और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट लगाए जा रहे हैं। इसमें इस ट्रांजिशन को आगे बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी और संस्थागत अनुभव देने में भारत के लिए बहुत ज्यादा पोटेंशियल दिखता है।

जोरी अमोंडी ने अपने लेख में लिखा है कि भारत में सौर ऊर्जा का विस्तार प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया, स्पष्ट नीतिगत संकेतों और छोटे शहरों के ग्रिड के साथ-साथ गांवों तक पहुंचने वाले विकेंद्रीकृत सोलर सिस्टम पर ध्यान देने की वजह से संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि अफ्रीकी देशों के लिए इससे कई सीखें ली जा सकती हैं, जैसे पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया, पहले से तय टैरिफ और मजबूत घरेलू इंजीनियरिंग आधार विकसित करना। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इन उपायों को अपनाते समय प्रत्येक देश को अपने स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार नियामक ढांचे में जरूरी बदलाव करने होंगे।

अफ्रीकी महाद्वीप को लगभग किसी भी दूसरे इलाके से ज्यादा सोलर रेडिएशन मिलता है और 2020 और 2025 के बीच, अफ्रीकी सरकारों और प्राइवेट निवेशकों ने पहले ही लगभग 25 गीगावाट रिन्यूएबल कैपेसिटी देने का वादा किया है और प्राइवेट सेक्टर डील्स के जरिए 11 गीगावाट और हासिल किए हैं।

# बच्चों के पाचन स्वास्थ्य की न करें अनदेखी, इन आम संकेतों पर दें ध्यान

**नई दिल्ली।** बच्चों की सेहत का ध्यान रखना आज के व्यस्त जीवन में और भी जरूरी हो गया है। बचपन में छोटी-छोटी लापरवाही भी उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर गहरा असर डाल सकती है। सही खान-पान, नियमित खेलकूद और समय पर टीकाकरण के साथ-साथ बच्चों के पाचन स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना बेहद आवश्यक है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, बच्चों में पाचन संबंधी समस्याएं आम हैं, लेकिन माता-पिता अक्सर इनके शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। अगर समय पर इन संकेतों को पहचाना जाए तो गंभीर परेशानी से बचा जा सकता है।

बच्चों में आम पाचन समस्याएं और उनके संकेत की बात करें तो इसमें कब्ज से लेकर कमजोरी तक शामिल है, जिन्हें आम तौर पर इग्नोर कर दिया जाता है। हालांकि, समय के साथ आगे चलकर यही बड़ी समस्या की वजह भी न जाता है। बच्चों का पाचन तंत्र अभी विकसित हो रहा होता है, इसलिए छोटी-छोटी समस्याएं भी जल्दी बढ़ सकती हैं। डॉक्टरों की सलाह है कि माता-पिता को बच्चों के हर छोटे बदलाव पर नजर रखनी चाहिए। सही समय पर पहचान और उपचार से बच्चे स्वस्थ और खुशहाल रह सकते हैं।

इन संकेतों में पहला है कब्ज, बच्चा कठोर मल त्याग करता है या शौच के समय रोता-चिल्लाता है। कई बार बच्चा शौच करने से डरने लगता है। दूसरा है दस्त, बच्चे को बार-बार पतला मल आना। इससे बच्चे के शरीर में पानी की कमी का खतरा बढ़ जाता है। बच्चा सुस्त पड़ जाता है और कमजोर दिखने लगता है। बच्चे के पेट में जलन और एसिडिटी भी एक बड़ा संकेत है। बच्चा बार-बार पेट में जलन की शिकायत करता है, उसे उल्टी आती है या खट्टी डकारें आने लगती हैं। भोजन असहजता या फूड इनटॉलेरेंस भी शामिल है, जैसे दूध, गेहूं या किसी विशेष खाने से पेट फूलना, दर्द होना या चकत्ते पड़ना। कृमि संक्रमण अस्वच्छता के कारण होने वाली यह समस्या बच्चों में बहुत आम है। बच्चा बार-बार पेट दर्द की शिकायत करता है, भूख कम लगती है, वजन नहीं बढ़ता और कभी-कभी नींद में दांत पीसता है।

# 'एक्वा योग' से बेहतर होगी सेहत, शारीरिक समस्याओं की छुट्टी तो मिलेगी मानसिक शांति

**नई दिल्ली।** पारंपरिक योग को पानी के साथ जोड़कर किया जाने वाला 'एक्वा योग' इन दिनों स्वास्थ्य प्रेमियों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गया है। स्वीमिंग पूल या पानी में योगासन करने के शारीरिक व मानसिक अनगिनत लाभ हैं।

एक्वा योग के दौरान लोग पद्मासन, शीर्षासन, शवासन, पश्चिमोत्तानासन और बकासन जैसे आसनों का अभ्यास पानी में करते हैं। एक्वा योग योग की एक आधुनिक शैली है जिसमें योगासन स्वीमिंग पूल में किए जाते हैं। पानी की उत्प्लावन (उछाल) शरीर का वजन कम कर देती है, जिससे जोड़ों पर बहुत कम दबाव पड़ता है। इससे व्यायाम आसान और सुरक्षित हो जाता है। विशेष रूप से गठिया, जोड़ों के दर्द, सर्जरी के बाद रिकवरी या बुजुर्गों के लिए यह बेहद फायदेमंद है।

एक्वा योग शरीर की थकान को मिटाकर राहत देता है पानी में योग करने से जोड़ों और मांसपेशियों पर दबाव नहीं पड़ता। इससे लचीलापन बढ़ता है और स्ट्रेचिंग आसानी से हो पाती है। पानी में सांस लेने का तरीका सुधरता है। इससे न्यूरो संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है। पानी का शीतल स्पर्श मन को शांत करता है। तनाव, चिंता और अनिद्रा जैसी समस्याओं में कमी आती है। इसके नियमित अभ्यास से इम्युनिटी मजबूत होती है, रक्त संचार सुधरता है और थकान कम होती है। पानी का प्रतिरोध मसल्स को अच्छा व्यायाम देता है। इससे शरीर टोन होता है और वजन नियंत्रण में भी मदद मिलती है।

योग विशेषज्ञों का कहना है कि एक्वा योग न सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य सुधारता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभकारी है। पानी में योग नींद सुधारने में भी मदद करता है। यह न केवल शारीरिक फिटनेस देता है बल्कि मन की शांति और समग्र स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

एक्वा योग के साथ ही जल का इस्तेमाल कर कई रोगों का भी इलाज किया जाता है, जिसे हाइड्रोथेरेपी कहा जाता है। यह न केवल माइग्रेन बल्कि शरीर के दर्द, सूजन और तनाव में भी राहत देने में कारगर है। जोड़ों के दर्द, पीठ दर्द और कई अन्य शारीरिक व मानसिक रोगों में भी कारगर साबित हुई है। हाइड्रोथेरेपी शरीर की प्राकृतिक जीवन शक्ति को बढ़ाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करती है। जब नींद, खान-पान, व्यायाम जैसी आदतें बिगड़ती हैं, तो शरीर कमजोर पड़ जाता है। हाइड्रोथेरेपी पानी के जरिए शरीर को डिटॉक्स करती है।

# आसमान में क्यों कड़कती है बिजली, जानें क्या है 'रिटर्न स्ट्रोक'

**नई दिल्ली।** गरज-चमक के साथ बारिश का मौसम आते ही आसमान में बिजली कड़कने का डर लगने लगता है। चमकती रोशनी और तेज गड़गड़ाहट देखकर लोगों के मन में सवाल उठता है कि वास्तव में बिजली क्यों चमकती है।

यह वायुमंडल में होने वाली एक शक्तिशाली विद्युत घटना है, जो बादलों के बीच, बादल और जमीन के बीच या कभी-कभी हवा में भी होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, बिजली एक बड़ा विद्युत डिस्चार्ज है जो विपरीत आवेशों के बीच संतुलन बनाने के लिए होता है। बिजली वायुमंडल में होने वाला एक शक्तिशाली विद्युत डिस्चार्ज है। यह प्रक्रिया तूफान के बादलों में शुरू होती है। गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी हवा नीचे आती है। इस टकराहट से बादल के निचले हिस्से में नेगेटिव चार्ज (ऋणात्मक आवेश) जमा होता है, जबकि ऊपरी हिस्से में पॉजिटिव चार्ज (धनात्मक आवेश) बनता है। जब ये विपरीत आवेश काफी ज्यादा हो जाते हैं, तो हवा की इंसुलेटिंग क्षमता टूट जाती है। नतीजा होता है एक तेज विद्युत डिस्चार्ज - यानी बिजली चमकना।

हम जो तेज और चमकीली रोशनी देखते हैं, उसे 'रिटर्न स्ट्रोक' कहते हैं। यह बिजली चमकने की पूरी प्रक्रिया के अंतिम चरण में होता है। जब नीचे की ओर बढ़ने वाला चार्ज पाथ यानी स्टेप लीडर जमीन या विपरीत चार्ज से जुड़ जाता है, तो नेगेटिव चार्ज तेजी से वापस ऊपर की ओर बहने लगता है। इसी को रिटर्न स्ट्रोक कहते हैं। इसका तापमान 30 हजार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जो सूर्य की सतह से भी ज्यादा गर्म है। इतनी गर्मी से आस-पास की हवा अचानक फैल जाती है, जिससे शॉक वेव पैदा होती है और हम गड़गड़ाहट (थंडर) की आवाज सुनते हैं। रोशनी की गति ध्वनि से बहुत तेज होती है, इसलिए पहले बिजली चमक दिखाई देती है और थोड़ी देर बाद गरज सुनाई देती है।

वायुमंडलीय बिजली में कई प्रकार की घटनाएं शामिल हैं जैसे बिजली चमकना, आयनीकरण और अन्य विद्युत प्रक्रियाएं। बिजली के प्रभाव भी व्यापक हैं। यह वायुमंडल में ओजोन और नाइट्रस ऑक्साइड बनाने में मदद करती है, लेकिन जंगलों में आग लगाने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और इंसानों के लिए खतरा पैदा करने के लिए भी जिम्मेदार है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के सैटेलाइट्स और सेंसर्स के अनुसार, पूरी दुनिया में प्रति सेकंड औसतन 35 से 55 बार बिजली चमकती है। उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों में यह संख्या बढ़ सकती है। नासा जमीन, हवा और अंतरिक्ष आधारित उपकरणों से बिजली का अध्ययन करती है। इनमें नॉर्थ अलबामा लाइटनिंग मैपिंग ऐरे, लाइटनिंग इंस्ट्रूमेंट पैकेज और गोस-16 सैटेलाइट जैसे सिस्टम शामिल हैं। ये डेटा तूफानों की भविष्यवाणी, सुरक्षा और 'क्षणिक दीप्तिमान घटनाओं' जैसे ऊपरी वायुमंडल में दिखने वाले रंगीन जेट को समझने में मदद करते हैं।

# चैंपियंस लीगः रियल मैड्रिड को 4-3 से हराकर बायर्न ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

**म्यूनिख ।** लुइस डियाज और माइकल ओलिस के आखिरी समय में किए गए गोलों की मदद से रियल मैड्रिड के खिलाफ खेले गए रोमांचक क्वार्टरफाइनल के दूसरे लेग में बायर्न ने 4-3 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

आर्डा गुलर ने पहले हाफ में दो गोल किए, जबकि एलेक्जेंडर पावलोविच और हैरी केन ने दो-दो गोल करके बराबरी कर ली। हाफ-टाइम से ठीक पहले काइलियन एमबाप्पे ने कुल स्कोर 4-4 कर दिया, लेकिन एडुआर्डो कैमाविंगा के बाहर जाने के बाद आखिरी मिनटों में लुइस डियाज और माइकल ओलिस ने गोल करके बायर्न को जीत दिलाई और कुल स्कोर 6-4 से जीतकर वे आखिरी चार में पहुंच गए।

बायर्न का मुकाबला फाइनल फोर में पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा, सेमीफाइनल का पहला लेग 28 ??अप्रैल को होगा।

इस सीजन में अपने पिछले सभी पांच चैंपियंस लीग होम मैच जीतने वाले विरोधियों के खिलाफ पहले लेग में 2-1 से पीछे चल रही मैड्रिड ने एक मुश्किल काम की जबरदस्त शुरुआत की, जब अर्डा गुलर ने गोलकीपर मैनुअल न्यूएर के पास को सिर्फ 34 सेकंड के बाद दूर से पहली बार फिनिश करके पूरा किया।इससे पहले हाफ में जबरदस्त मनोरंजन हुआ, एलेक्जेंडर पावलोविच ने जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर तेजी से हेडर मारकर बायर्न की कुल बढ़त वापस ला दी, इससे पहले एंड्री लुनिन ने किमिच को रोक दिया और गुलर ने एक शानदार फ्री-किक से फिर से बराबरी कर ली।

केन के गोलों की झड़ी में हमेशा भूमिका निभाने की उम्मीद थी और बायर्न के करिश्माई टॉप स्कोरर के शानदार टच और अचूक फिनिश ने उनकी टीम की बढ़त वापस दिला दी।एमबाप्पे ने विनिसियस जूनियर के पास से विजिटर्स को रात में जल्दी ही आगे कर दिया, जिन्होंने उन स्ट्राइक्स के बीच वुडवर्क के खिलाफ एक कोशिश की थी। टाइम से चार मिनट पहले मेहमानों के लिए सब्स्टीट्यूट एडुआर्डो कैमाविंगा के आउट होने के बाद, डियाज के बॉक्स के बाहर से कर्लिंग की कोशिश ने डिफेंडर एडर मिलिटाओ के टच से लुनिन को हरा दिया।

# डी कॉक के शतक पर भारी पड़ी प्रभसिमरन-अय्यर की दमदार पारी, पीबीकेएस ने एमआई को 7 विकेट से हराया

**मुंबई ।** आईपीएल 2026 के 24वें मुकाबले में गुरुवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 7 विकेट से हराया। एमआई से मिले 196 रनों के लक्ष्य को पंजाब किंग्स ने सिर्फ 16.3 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन ने अर्धशतकीय पारी खेली। आईपीएल 2026 में यह मुंबई इंडियंस की लगातार चौथी हार है।

196 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। प्रियांश आर्या 9 गेंदों में 15 रन बनाने के बाद अल्लाह गजनफर का शिकार बने। वहीं, कूपर कोनोली भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 12 गेंदों का सामना करने के बाद 17 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और प्रभसिमरन सिंह ने तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। दोनों ने मिलकर 66 गेंदों में 139 रनों की साझेदारी निभाई।

श्रेयस अय्यर ने 35 गेंदों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 66 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान अय्यर ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 11 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 89 रन बनाए। वहीं, मार्कस स्टोइनिस 10 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में एमआई की तरफ से अल्लाह गजनफर ने 31 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि शार्दुल ठाकुर ने एक विकेट चटकाया।

इससे पहले, मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 195 रन बनाए। एमआई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और रयान रिकेल्टन सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सूर्यकुमार यादव बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, तीसरे विकेट के लिए नमन धीर और क्विंटन डी कॉक ने मिलकर 68 गेंदों में 122 रनों की साझेदारी निभाई। नमन ने 31 गेंदों में 50 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, डी कॉक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने आईपीएल करियर का तीसरा शतक लगाया। उन्होंने 60 गेंदों का सामना करते हुए 186 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 8 चौके और 7 छक्के लगाए। हार्दिक पांड्या ने 12 गेंदों में 14 रन बनाए, तो तिलक वर्मा 8 रन बनाकर रनआउट हुए। गेंदबाजी में पंजाब किंग्स की तरफ से अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में सिर्फ 22 रन खर्च करते हुए 3 विकेट निकाले। वहीं, मार्को जानसेन और शशांक सिंह ने एक-एक विकेट निकाला। पंजाब किंग्स की यह इस सीजन की चौथी जीत है।

# आईपीएल 2026: आरसीबी की तेज गेंदबाजी की धार बने रसिख सलाम, एमआई, केकेआर, डीसी ने नहीं किया था भरोसा

**नई दिल्ली।** आईपीएल अपने शुरुआत से ही युवाओं के लिए उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का सबसे बड़ा मंच रहा है। इस लीग ने सिर्फ भारत को बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं बल्कि विश्व क्रिकेट को भी कई शानदार बल्लेबाज और गेंदबाज दिए हैं। हालांकि युवाओं पर भरोसा करना पड़ता है। कई बार परिणाम एक मैच या एक सीजन में नहीं मिलते। आईपीएल 2026 में आरसीबी के लिए खेल रहे रसिख सलाम की कहानी भी ऐसी ही है।

26 साल के रसिख सलाम डार घरेलू क्रिकेट में जम्मू-कश्मीर के लिए खेलते हैं। आईपीएल में उनके करियर की शुरुआत 2019 में हुई थी। मुंबई इंडियंस ने 2019 में उन्हें खरीदा था। उस सीजन उन्हें सिर्फ 1 मैच खेलने का मौका मिला और अगले सीजन उन्हें टीम ने रिलीज कर दिया। इसके बाद आईपीएल 2022 में वह केकेआर की तरफ से 2 मैच खेले। इसके बाद केकेआर ने भी रिलीज कर दिया। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से 8 मैचों में 9 विकेट लिए, लेकिन मुंबई, कोलकाता के बाद दिल्ली ने भी रसिख पर भरोसा नहीं किया और आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया।

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में रसिख को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने खरीदा। उस सीजन रसिख को बेशक एक ही मैच खेलने को मिला जिसमें उन्होंने 1 विकेट लिया, लेकिन आरसीबी का भरोसा इस गेंदबाज पर बरकरार रहा और उन्हें आईपीएल 2026 के लिए रिटेन किया गया। टीम के भरोसे को रसिख ने आईपीएल 2026 में परिणाम के रूप में बदला है।

# लियोनेल मेसी कानूनी विवाद में फंसे, दिग्गज फुटबॉलर ने पूरी नहीं की 7 मिलियन डॉलर की शर्त

**नई दिल्ली।** अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी विवाद में फंस गए हैं। मियामी की इवेंट कंपनी वीआईडी म्यूजिक ग्रुप ने मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। मामला पिछले साल अक्टूबर में मियामी के हॉर्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए अर्जेंटीना बनाम वेनेजुएला फ्रेंडली मैच से जुड़ा है। कंपनी का आरोप है कि मेसी ने इस मैच में खेलने के लिए किए गए लगभग 7 मिलियन डॉलर के अनुबंध का उल्लंघन किया। समझौते के तहत उन्हें कम से कम 30 मिनट मैदान पर उतरना था, जब तक कि वे चोटिल न हों। हालांकि, मेसी ने मैच में हिस्सा नहीं लिया और स्टेडियम के एक लग्जरी सुइट से मुकाबला देखा। कंपनी का दावा है कि उनकी अनुपस्थिति से टिकट बिक्री, स्पॉन्सरशिप और ब्रॉडकास्ट रेवेन्यू पर बड़ा असर पड़ा, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

वीआईडी म्यूजिक ग्रुप के वकील राल्फ पैटिनो के अनुसार, मेसी की भागीदारी इस डील की एक अहम शर्त थी और यह सीधे तौर पर मैच की व्यावसायिक सफलता से जुड़ी हुई थी। कंपनी ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ दो मैत्री मैचों के प्रमोशन का करार किया था।दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेलने के बावजूद मेसी अगले ही दिन मेजर लीग सॉकर में अपनी टीम इंटर मियामी सीएफ के लिए उतरे और अटलांटा के खिलाफ 4-0 की जीत में दो गोल दागे, और प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेले गए दूसरे फ्रेंडली मैच में हिस्सा लिया। प्यूर्टो रिको मैच को पहले शिकागो में आयोजित किया जाना था, लेकिन टिकटों की कम बिक्री के चलते इसे मियामी शिफ्ट करना पड़ा। बाद में टिकट की कीमत घटाकर 25 डॉलर तक करनी पड़ी। एएफए ने इसके लिए इमिग्रेशन से जुड़ी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया। अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को पिछली बार विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी फीफा विश्व कप 2026 के लिए तैयार हैं।

# साइप्रस स्थित भारतीय उच्चायोग ने वैशाली की फिडे विमेंस कैंडिडेट्स जीतने पर तारीफ की

**नई दिल्ली।** साइप्रस में भारतीय उच्चायोग ने फिडे विमेंस कैंडिडेट्स जीतने के लिए भारतीय ग्रैंड मास्टर वैशाली रमेशबाबू की तारीफ की है।

वैशाली फिडे विमेंस कैंडिडेट्स का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने बुधवार को फाइनल राउंड में रूस की कैटरीना लैग्नो को हराया।

साइप्रस में भारत के उच्चायोग ने एक्स पर शेयर किया, 'साइप्रस में भारत के लिए गर्व का पल। ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को फिडे चेस विमेंस कैंडिडेट्स 2026 में उनकी ऐतिहासिक जीत पर बहुत-बहुत बधाई।

उच्चायोग ने आगे लिखा, 'उच्चायुक्त मनीष और साइप्रस में भारतीय उच्चायोग की टीम इस शानदार कामयाबी पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई देती है। 8.5/14 के साथ पहले नंबर पर आकर, वैशाली ने एक बार फिर विश्व शतरंज में भारत की बढ़ती ताकत दिखाई है और आने वाले महिला विश्व चैंपियनशिप मैच में अपनी जगह पक्की कर ली है।

पोस्ट में आगे लिखा गया, 'उनका प्रदर्शन हिम्मत और धैर्य का बेहतरीन प्रदर्शन था। यह सफलता भारत के लिए बहुत गर्व की बात है और इस प्रतिष्ठित वैश्विक इवेंट के मेजबान के तौर पर साइप्रस के लिए एक खास पल है। हम आगे के खिताबी मैच में उनकी सफलता की कामना करते हैं। वैशाली 2026 फिडे विमेंस कैंडिडेट्स को 8.5/14 के स्कोर के साथ सीधे जीतने के बाद महिला विश्व चैंपियनशिप के लिए जू वेनजुन को चुनौती देंगी।

एक रोमांचक फाइनल राउंड में, वैशाली ने शानदार टेक्निक दिखाते हुए कैटरीना लैग्नो को हराया, जबकि बिबिसारा असौबायेवा दिव्या देशमुख के खिलाफ अपने गेम में सिर्फ ड्रॉ कर पाईं।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वैशाली ने कहा, 'यह कमाल का है, मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। जब मैं झू जिनर से हारी, तो सब कुछ अचानक खुल गया, और मुझे खुशी है कि मैं आखिरी दो राउंड में फोकस कर पाई और अपना बेस्ट दे पाई। 2024 में, गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2024 के विजेता बने और अब तक के सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियनशिप चैलेंजर बने। वह कैंडिडेट्स जीतने वाले पहले भारतीय थे। इसके बाद वह 18वें वर्ल्ड चेस चैंपियन बने, जब उन्होंने सिंगापुर में 2024 वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप मैच में चीन के डिंग लिरेन को हराया।गुकेश को फिडे कैंडिडेट्स 2026 के नए विजेता जावोखिर सिंडारोव से चुनौती मिलेगी।

# यूएस ओपन पिकलबॉलः भारत के अर्जुन-आदित्य ने स्वर्ण और ठक्कर-शेठ ने रजत पदक जीता

**मुंबई ।** भारतीय जोड़ी अर्जुन सिंह और आदित्य सिंह ने यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप 2026 में पुरुष डबल्स 5.0 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। इस जोड़ी ने फाइनल में जे मेओड और डब्ल्यू लिन को 9-11, 11-2, 11-7 से हराया। अर्जुन और आदित्य की जोड़ी ने पहला गेम हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए खिताब जीता।

एक और शानदार मैच में पंथ ठक्कर और अथर्व शेठ ने पुरुष डबल्स 4.5 श्रेणी में रजत पदक जीता। यह जोड़ी कायन एपेल और माइकल वैन ड्यूसेन के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में हार गई। स्कोरलाइन 8-11, 9-11 रहा। फ्लोरिडा के नेपल्स में हो रही यह चैंपियनशिप, इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) से जुड़े होने के तहत भारत की पहली भागीदारी है। चैंपियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद अर्जुन और आदित्य ने कहा, 'यूएस ओपन में एक और स्वर्ण जीतना बहुत फायदेमंद है और इसे एक बार फिर साथ में करना इसे और भी खास बनाता है। हम अपने परिवार और अपने आस-पास के सभी लोगों के समर्थन से इन नतीजों को दोहराने के लिए कड़ी मेहनत करते रहेंगे।

# आईपीएल 2026: मुंबई इंडियंस ने चोटिल अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को शामिल किया

**मुंबई ।** पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने स्पिन ऑलराउंडर अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को शामिल करने की घोषणा की है। अथर्व चोट की वजह से आईपीएल 2026 से बाहर हो गए हैं।

आईपीएल की तरफ से जारी बयान में कहा गया, 'मुंबई इंडियंस ने अथर्व अंकोलेकर की जगह कृष भगत को साइन किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से बाहर हो गए हैं। 21 साल के भगत ने पंजाब के लिए 7 प्रथम श्रेणी और 9 लिस्ट ए मैच खेले हैं। वह दाएं हाथ के मध्यम गति के तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में अर्धशतक भी लगाया है।

पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले 21 साल के दाएं हाथ के मध्यम गति के तेज गेंदबाज कृष भगत 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर एमआई का हिस्सा बने हैं।

कृष टीम में संतुलन लाते हैं। वह गेंदबाजी के अलावा निचले क्रम के बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। वह पिछले दो सालों से मुंबई इंडियंस के ट्रायल्स का हिस्सा थे। उन्होंने 2026 में डीवाई पाटिल टी20 कप में रिलायंस टीम के लिए खेला था और प्री-सीजन से टीम के साथ सपोर्ट बॉलर रहे हैं।

अंकोलेकर 2020 में भारत की अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे और 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ एसीसी अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच भी थे।

एमआई ने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत के साथ की थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ तीन मैचों में एमआई को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। एमआई अंकतालिका में नौवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला गुरुवार को घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

# गीत सेठी: बिलियर्ड्स में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश के लिए जीता पदक, 1992 में बनाया विश्व रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** गीत सेठी भारत के बड़े बिलियर्ड्स और स्नूकर खिलाड़ी रहे हैं। 1990 के दशक में सेठी ने इस खेल में अपना दबदबा बनाया था। सेठी स्नूकर के भी शानदार खिलाड़ी रहे हैं।

गीत सेठी का जन्म 17 अप्रैल 1961 को दिल्ली में हुआ था। उनका पूरा नाम गीत श्रीराम सेठी है। अहमदाबाद में पले-बढ़े सेठी ने 1982 में अपना पहला बड़ा खिताब इंडियन नेशनल बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप दिग्गज माइकल फरेरा को हराकर जीता था। इसके बाद उन्होंने 1985 से 1988 तक लगातार चार बार यह खिताब जीता। 1997 और 1998 में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की।सेठी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान 1985 में मिली, जब उन्होंने आईबीएसएफ वर्ल्ड एमेच्योर बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में बॉब मार्शल को हराया। यह मुकाबला करीब आठ घंटे तक चला था। 1987 में उन्होंने फिर यह खिताब जीता और साथ ही एसीबीएस एशियन बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप भी अपने नाम की।

बिलियर्ड्स के अलावा सेठी ने 1985-1988 के दौरान लगातार चार बार राष्ट्रीय स्नूकर चैम्पियनशिप भी जीती। 1989 में गुंटूर में आयोजित एक प्रतियोगिता में उन्होंने 147 का अधिकतम ब्रेक लगाकर इतिहास रच दिया। वे क्यू-स्पोर्ट्स के इतिहास में इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने प्रतिस्पर्धी स्नूकर में 147 और बिलियर्ड्स में 1000+ का ब्रेक बनाया।

1992 में वर्ल्ड प्रोफेशनल बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में सेठी ने 80 मिनट में 1276 अंक का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। यह रिकॉर्ड पांच दशकों तक सबसे ऊंचा माना गया। उन्होंने 1993, 1995, 1998 और 2006 में भी विश्व खिताब जीतकर अपनी बादशाहत कायम रखी। 2006 में वेल्स में आयोजित टूर्नामेंट में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में ली लागन को हराया।

एशियाई खेलों में भी सेठी का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 1998 एशियन गेम्स में स्वर्ण और रजत, 2002 एशियन गेम्स में रजत और कांस्य, और 2006 एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीते। अपने करियर के दौरान गीत सेठी ने भारतीय क्यू-स्पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा ) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415